RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 December, 2017

अंक - 6 (मासिक) वर्ष - 13 दिसम्बर 2017 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

संकल्प हुआ पूर्ण
108वाँ श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ
पावन हुई देवी अहिल्या की नगरी

बना विश्व रिकार्ड

नवपल्लव
जिन्होने अपने दम पर जीता आसमां

पायल टावरी
नेत्र के बिना भी 'ज्योति'

प्रखर माहेश्वरी
शतरंज के खिलाड़ी

आँचल काबरा
नीट टॉपर

प्रगति एन.भट्टड़
विलक्षण बालिका

300 से अधिक जुड़े रिश्ते
श्री माहेश्वरी मेलापक-2017
विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

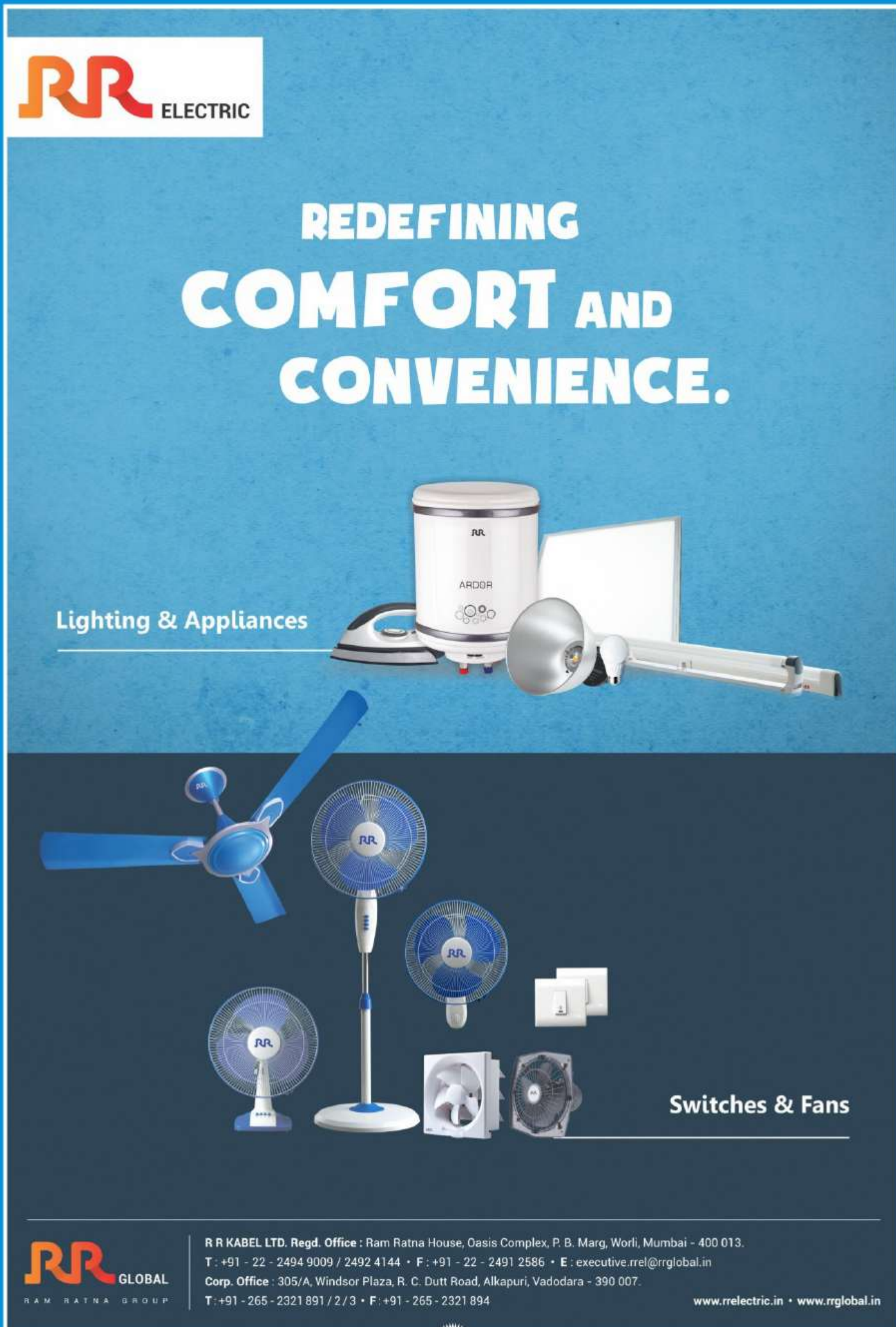
ELECTRIC
REDEFINING
COMFORT AND
CONVENIENCE.
ARDOR
Lighting & Appliances
Switches & Fans
GLOBAL
RAM RATNA GROUP
R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • F : +91 - 22 - 2491 2586 • E : executive.rrel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • F : +91 - 265 - 2321 894
www.rrelectric.in • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

▸▸ अंक-6 ▸▸ दिसम्बर 2017 ▸▸ वर्ष-13

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चेन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
नेहल जैसलमेरिया, जोधपुर

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

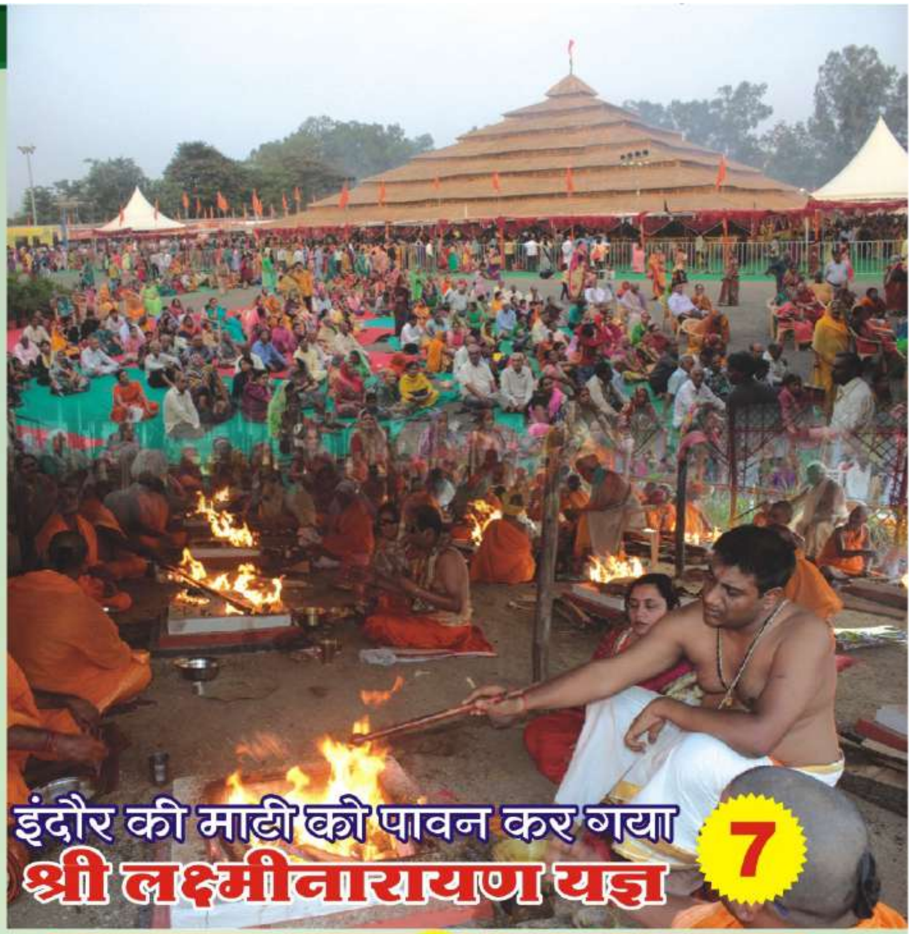

प्रगति

आँचल

प्रखर

पायल

विचार क्रांति

संसार के माने हुए वैज्ञानिक आइंस्टीन, बचपन में बड़े फिसड्डी थे। साथी लड़े उनका हमेशा मजाक उड़ाते थे। एक दिन अत्यंत गंभीरतापूर्वक उनने अध्यापक से पूछा - 'क्या मैं किसी प्रकार सुयोग्य बन सकता हूँ?' अध्यापक ने उन्हें संक्षेप में एक ही उत्तर दिया- 'दिलचस्पी और एकाग्रतापूर्वक अभ्यास यही एक गुरुमंत्र है विद्वान बनने का'। आइंस्टीन ने यह बात गिरह बाँध ली और अध्ययन के विषया में तन्मय हो गए। परिणाम स्पष्ट है, वे संसार में अणु विज्ञान के पारंगत और सापेक्षवाद के जनक माने गए। उनकी वह पुरानी बुद्ध कहलाने वाले बुद्धि हजार गुनी होकर विकसित हुई।

कोंपल

इस शब्द की अनुभूति हमें बहुत आनंद से भर देती है। यह आनंद भविष्य के निर्माण की उम्मीद से भरा है, इसलिए मन उल्लासित हो जाता है। पेड़ की शाखों पर नन्हीं कोंपल का फूटना उस वृक्ष की जीवंतता का तो प्रतीक है ही, भविष्य में उसके फल फूल से अच्छा दिन होने का संदेश भी है। कोंपल को लाने और उसकी परवरिश में पेड़ को अपनी पूरी ताकत झौकनी पड़ती है। पेड़ का यही समर्पण उसके वंशानुक्रम की नींव है। कोंपल जब पेड़ पर नजर आती है तो उसका सौंदर्य, स्पर्श और सहेजने की उत्कंठा हमारे भीतर स्वतः जागृत हो जाती है। यह अंक समाज की ऐसी ही कोंपलों को समर्पित रहते हुए मेरा मन अनुभूतियों से भरा है। अंक में हमने समाज के प्रतिभावान बच्चों से आपको परिचित कराने का प्रयास किया है। ये समाज की ऐसी ही कोंपलें है जिनसे उज्जवल और परिपूर्ण भविष्य की उम्मीद जागती है। इनकी कहानियां हमें बताती है कि बाल मन को यदि सही दिशा मिल जाए तो वह शिखर के मान बिन्दू बनने की उड़ान में पीछे नहीं रहते। समाज को बच्चों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। देश में पिछले समय में कुछ ऐसी दर्दनाक घटनाएं हुई जिनमें बच्चे निशाना बने। उन कोंपलों को मसल देने वाले हाथों को सजा मिलेगी, नहीं मिलेगी यह हमारा विषय नहीं, मैं बात करना चाहता हूं, समाज की जिम्मेदारी की। यदि परिवार के किसी बच्चे में कोई प्रतिभा नजर आती है, उसे उस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन जरूरी है न कि हम अपनी कल्पनाओं के अनुसार उसे ढालने की कोशिश करें। मैं यह नहीं कह रहा माता-पिता या परिवार के इस प्रयत्न की कोई गलत धारणा होती है, लेकिन इस प्रयत्न से बच्चे की स्वाभाविक प्रतिभा को आघात पहुंचता है। हम उसे जो बनाना चाहते हैं, हो सकता है नेचुरल प्रतिभा के साथ वह उससे भी ज्यादा सफल हो। इसलिए कोंपलों को अपनी प्रतिभा निखारने में मदद करें। मार्गदर्शन दे, फिर देखिए वे आपकी सोच से कितना आगे जाते है।

इस अंक में इन्दौर में सम्पन्न श्री महालक्ष्मीनारायण महायज्ञ की रपट इसलिए उल्लेखनीय है कि ऐसे विराट आयोजन मिल के पत्थर कहे जा सकते हैं। रामानुजाचार्य स्वामी श्री श्रीकांताचार्यजी के 108 यज्ञ के सद्संकल्प को पूरा करने में सत्यनारायण राठी, गोपाल न्याती, रमेश मेंदोला जैसे लब्ध प्रतिष्ठित समाजजनों ने जिस समर्पण से पूरे आयोजन की रचना की उसका सानी नहीं। यज्ञ हमारी सनातन संस्कृति का मूल हैं वस्तुतः वैज्ञानिक तरीके से जीवन संस्कृति को सनातन इसलिए कहा गया कि प्रकृति के साथ सह अस्तित्व का इससे बड़ा कोई उपदेश नहीं हो सकता। वर्तमान वैश्विक पर्यावरणीय संकटों का कारण प्रकृति की अनदेखी हो रही हैं तो इससे मुक्ति का मार्ग यज्ञ संस्कृति का स्वीकार्य ही है। विश्व को यह रास्ता अपनाना ही होगा। हमारे धर्माचार्य इस दिशा में सदैव प्रयत्नशील हैं, यह हमारी धरोहर है। अंक में आप सभी स्थायी स्तंभों के साथ और भी ज्ञानवर्द्धक, मर्मस्पर्शी और विचारोंत्तेजक आलेख, कहानियां, कविताएं और भी बहुत कुछ पाएंगे। अंक के बारे में अपनी प्रतिक्रिया से अवगत कराना न भूलें। जय महेश!

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

संस्कारों के साथ सिखाऐं जीवन मूल्य

नेहल जैसलमेरिया का जन्म राजस्थान राज्य के जोधपुर जिले में उद्योगपति श्री नवीन जैसलमेरिया के यहाँ हुआ। माँ स्वाति 'सरु' जैसलमेरिया साहित्यकार हैं। अतः बचपन से ही चिंतन का खुला आकाश मिला। यही कारण है कि उनकी सोच और चिंतनशीलता अत्यंत उच्च है। प्रारंभिक शिक्षा डीपीएस में प्राप्त की। नेहल बचपन से शिक्षा क्षेत्र में मेधावी छात्रा रही। इसके साथ ही चेस में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दो बार मेडल जीता। बीसीए में कॉलेज से प्रथम रही। इसके साथ ही इंफोसिस कंपनी में चयनित हुई हैं। फिलहाल एमसीए जोधपुर के एमबीएम कॉलेज से कर रही हैं। अब तक के इस सफर का श्रेय नेहल दादा-दादी व मम्मी-पापा को देती हैं। नेहल कहती है हर कदम पर मुझे इन सभी का भरपूर प्यार और प्रोत्साहन मिला। मुझे एक बहुत बड़े शिखर तक अपनी योग्यता द्वारा पहुंचना है और कामयाब बनना है।

सर्वप्रथम मैं समस्त समाजजनों के प्रतिभाशाली भाई-बहनों को बधाई देती हूं जिन्होंने शिक्षा, खेलकूद या किसी भी क्षेत्र में अपनी लगन, मेहनत से विशिष्ट पहचान बनाई है। श्री माहेश्वरी टाईम्स पत्रिका टीम को भी बधाई देना चाहूँगी, जिन्होंने 'बाल प्रतिभा विशेषांक' के माध्यम से पूरे भारत से माहेश्वरी समाज के होनहार बच्चों की प्रतिभा को इस संकलन में उजागर किया है।

बालपन बड़ा ही सरल, सहज, सुकोमल होता है। निश्छलता व निर्भीकता बालमन की स्वाभाविक विशेषताएं हैं। बालपन की मासूमियत और भोलापन, मनुष्य ही नहीं बल्कि पशु-पक्षियों को भी भाते हैं इसीलिए बच्चे कभी-कभी हिंसक जीवों के साथ-साथ भी निर्भीक होकर खेलते नजर आते हैं। उनकी मासूमियता को देखकर कभी-कभी जीव-जंतु अपने हिंसक स्वभाव को भुलाकर बच्चों के साथ अपनी हिंसा को छोड़कर प्रेम से व्यवहार करने लग जाते हैं। बच्चों की सरलता पर गाया एक गीत बहुत प्रसिद्ध है 'बच्चे मन के सच्चे, सारे जग की आंख के तारे, ये वो नन्हे फूल हैं जो भगवान को भी लगते प्यारे।

वर्तमान समय में टीवी, फिल्मों व मीडिया के द्वारा प्रसारित व परोसी जा रही संस्कृति ने बालक-बालिकाओं को न सिर्फ जीवन मूल्यों से दूर किया है बल्कि उन्हें स्वयं से भी दूर किया है। अधिकांश बच्चे हिंसा के जहरीले ज्वर से पीड़ित हैं। पहले बाहर के बड़े-बड़े देशों में हो रही हिंसात्मक घटनाएं पढ़ने-सुनने को मिलती थीं, पर अब अपने देश में भी यह हिंसक संस्कृति फैलने लगी हैं। इस संदर्भ में अभी हाल में हुआ प्रद्युम्न कांड, यूपी के फरुखाबाद में प्राइमरी बच्चे की घटना एवं कई उदाहरण हैं जिसमें में निर्दोष बच्चों की हत्या कर दी गई। इन घटनाओं से अन्य बच्चों के मानसिक स्तर पर गहरा असर पड़ा है जिसे गंभीरता से समझ लेना अति आवश्यक है क्योंकि आज ऐसी घटनाओं के बिना शायद किसी भी अखबार की न्यूज पूरी नहीं होती। आए दिन इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं।

विचारणीय मुद्दा है, किस तरह से शिक्षा बच्चों को दी जा रही है, उन तरीकों पर विचार करें। सही मायने में बच्चों से पहले बड़ों को शिक्षित करने की जरूरत है। बच्चे कुदरती तौर पर खुशमिजाज होते हैं और वे आबादी का ऐसा हिस्सा हैं, जिनके साथ काम करना सबसे आसान होता है। तो फिर सवाल है कि पढ़ाने के लिए माहौल को खुशनुमा बनाना एक मुश्किल काम क्यों हो जाता है? आज हमारे पास ऐसे कई वैज्ञानिक और चिकित्सकीय प्रमाण मौजदू हैं, जिनसे साबित होता है कि अगर आप एक खुशनुमा माहौल में होते हैं तो आपका शरीर व दिमाग सर्वश्रेष्ठ तरीके से काम करता है। अगर आप एक भी पल बिना उत्तेजना, चिड़चिड़ाहट, चिंता, बेचैनी या गुस्से के रहते हैं, अगर आप सहज रूप से खुश रहते हैं, तो कहा जाता है कि बुद्धि का इस्तेमाल करने की आपकी क्षमता एक ही दिन में सौ फीसदी बढ़ सकती है।

आपका खुशहाल अस्तित्व, आपको बोध की उच्च क्षमता आपको कामकाज के लिए अधिक सक्षम बनाता है। जब तक आप खुद खुशमिजाज नहीं होंगे, तब तक आप किसी और को खुश रहने के लिए प्रेरित नहीं कर सकते। बच्चों को सही दिशा में ले जाने के लिए इस उनके मन में उच्चतर मूल्यों के गुणों का बीजारोपण करने के लिए हमें बहुत प्रयास की जरूरत है। भौतिक सुविधाएं दे देने से एवं प्रतिष्ठित स्कूलों में शिक्षा देने मात्र से बच्चों की शिक्षा पूर्ण नहीं होती। बच्चों के लिए आवश्यकता यही है कि उनको भावात्मक ढंग से पोषित किया जाए। जब वे सकारात्मक ढंग से पोषित होंगे एवं उनके मन में उच्च आदर्श एवं श्रेष्ठ विचारों को रोपित किया जाए। तभी उनका जीवन अच्छा होगा। इसके लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत है और इसे हम सभी मिलकर करें।

अंत में पुनः श्री माहेश्वरी टाईम्स के संपादक आदरणीय पुष्करजी बाहेती, बाल विशेषांक प्रभारी सुमिताजी मूंधड़ा एवं पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए कलम को विराम देती हूं। जय महेश।

नेहल जैसलमेरिया
एमसीए छात्रा, जोधपुर

श्री चान्दसिनी माताजी

श्री चान्दसिनी माताजी माहेश्वरी समाज की फोफलिया व न्याती खांप की कुलदेवी हैं।

माताजी श्री चान्दसिनी का मंदिर राजस्थान के टोंक जिले की मालपुरा तहसील के ग्राम टोरडी सागर के उत्तर में स्थित है। मंदिर प्रातः 9 से सायं 5 बजे तक खुला रहता है। पुजारी श्याम सुंदर शर्मा से मिली जानकारी के अनुसार श्री राजेन्द्र न्याती के पुत्र छगनलाल न्याती तह. भड़गाँव जिला जलगाँव (महाराष्ट्र) को माताजी ने स्वप्न दिया इसके आधार पर उन्होंने 20 वर्ष पूर्व खोज की। लगभग 100 देवी मंदिरों के भ्रमण के बाद वे यहाँ पहुँचे।

यह मंदिर टोरड़ी गाँव से डेढ़कि.मी. दूर मोहनगिरी पहाड़ की तलहटी में स्थित है। मंदिर में एक काले पत्थर की माताजी की विशाल मूर्ति है। यहाँ सिंदूर, वस्त्र, नेत्र आदि से माताजी का शृंगार किया जाता है। गुम्बद में चाँद-सूर्य के निशान विद्यमान हैं। किवदंतियों के अनुसार मंदिर द्वापर युग का बताया जाता है। कहा जाता है कि रुख्मणीजी अम्बिका पूजन के लिये यहीं आई थी जहाँ से भगवान श्रीकृष्ण ने उनका हरण किया था। समीप रुख्मणी के भाई रुक्मैया द्वारा भोजकट भी खण्डहर अवस्था में विद्यमान है एवं खुदाई के दौरान कई पुरातात्विक जानकारियाँ प्राप्त हुईं।

विशेष- यहाँ माताजी की पूजन-आरती, वेश, अखण्ड ज्योत व भोग का विशेष महत्व है।

कैसे पहुँचें- श्री चान्दसिनी माताजी का मंदिर राजस्थान को टोंक जिले की मालपुरा तहसील के ग्राम टोरडी सागर में है। अजमेर व टोक दोनों से बस सुविधा उपलब्ध है।

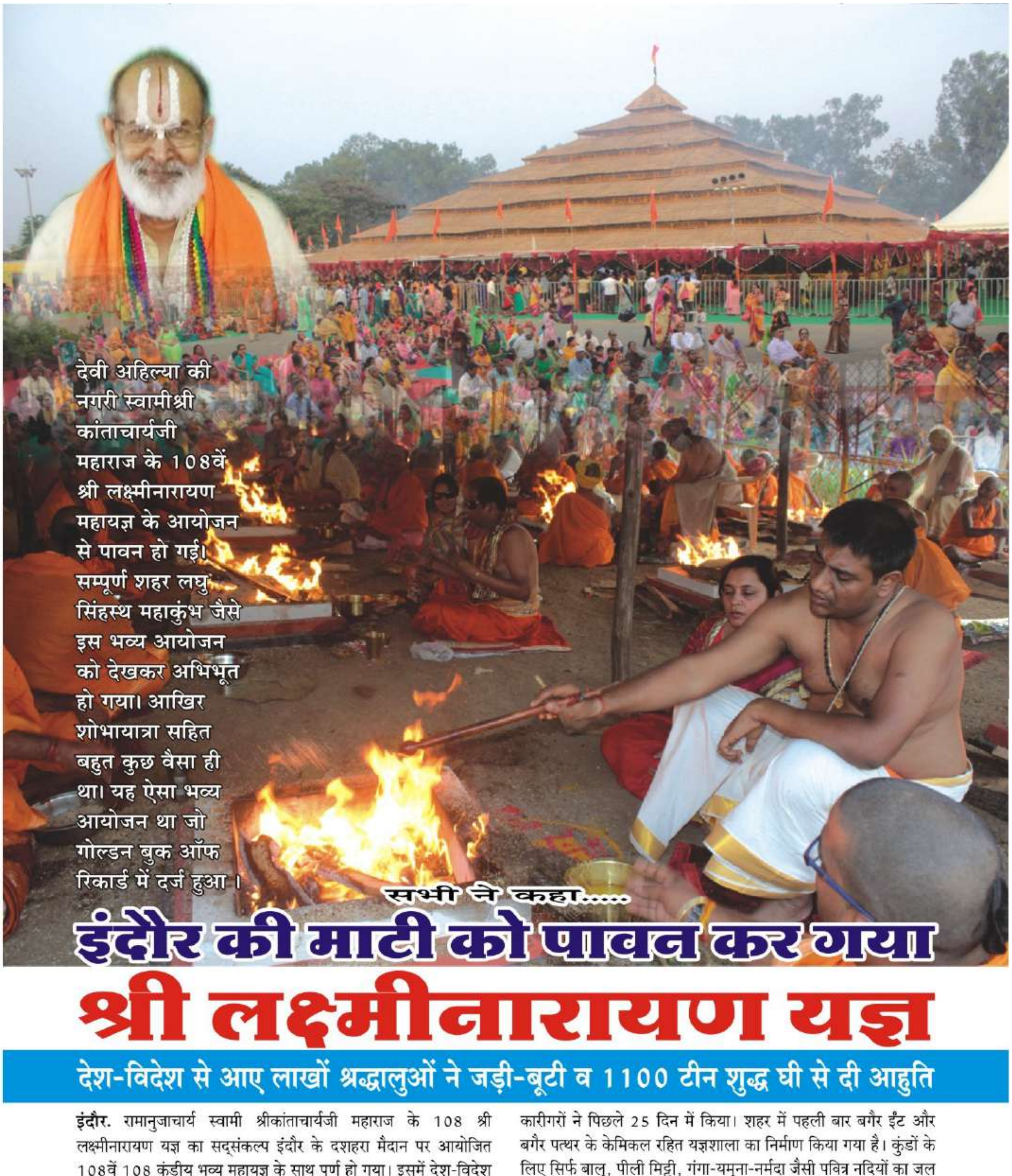

देवी अहिल्या की नगरी स्वामीश्री कांताचार्यजी महाराज के 108वें श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के आयोजन से पावन हो गई। सम्पूर्ण शहर लघु सिंहस्थ महाकुंभ जैसे इस भव्य आयोजन को देखकर अभिभूत हो गया। आखिर शोभायात्रा सहित बहुत कुछ वैसा ही था। यह ऐसा भव्य आयोजन था जो गोल्डन बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज हुआ ।

सभी ने कहा.....

इंदौर की माटी को पावन कर गया

श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ

देश-विदेश से आए लाखों श्रद्धालुओं ने जड़ी-बूटी व 1100 टीन शुद्ध घी से दी आहुति

इंदौर. रामानुजाचार्य स्वामी श्रीकांताचार्यजी महाराज के 108 श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ का सद्संकल्प इंदौर के दशहरा मैदान पर आयोजित 108वें 108 कुंडीय भव्य महायज्ञ के साथ पूर्ण हो गया। इसमें देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। लगभग 21 हजार से अधिक साधु-संत व महंत भी इसमें शामिल हुए। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू ने भी धर्मपत्नी प्रतिभा जाजू के साथ यज्ञ कुंड पर बैठकर आहुतियां दीं।

स्वामी श्री कांताचार्यजी महाराज के सान्निध्य में 5 नवंबर से आयोजित महायज्ञ के लिये सबसे भव्य यज्ञशाला का निर्माण बिहार से आए 25 कारीगरों ने पिछले 25 दिन में किया। शहर में पहली बार बगैर ईंट और बगैर पत्थर के केमिकल रहित यज्ञशाला का निर्माण किया गया है। कुंडों के लिए सिर्फ बालू, पीली मिट्टी, गंगा-यमुना-नर्मदा जैसी पवित्र नदियों का जल और देवभूमि की पवित्र माटी लगाई गई। यज्ञशाला के ऊपर जो पताका लहरा रही है, वह जमीन से 71 फीट की ऊंचाई पर थी। यह ध्वजा एक किमी दूर से देखी जा सकती थी। यज्ञशाला के ऊपर लेजर विद्युत सज्जा की गई, रात में यज्ञशाला तीन रंगों की नजर आती थी। इसमें पीला, लाल व नीला रंग दिखाई देता था।

हवन सामग्री मिलाने के लिए मशीन

इतनी ज्यादा हवन सामग्री थी कि इसे साधारण स्थिति में मिलाया नहीं सकता था अतः इसके लिए बिल्डिंग मटेरियल के कार्य करने में प्रयुक्त मिक्सर को साफ कर यज्ञशाला के पास रखा गया। इसमें एक साथ एक से तीन क्विंटल सामग्री मिलाई गई। इसे 40 किलो के हिसाब से टोपलो या तपेलों के माध्यम से कुंडों के पास ले जाया गया। देश-विदेश से भक्तों के काफी तादाद में आने की संभावना को देखते हुए आसपास के चार किमी क्षेत्र के करीब 25 गार्डनों में बुकिंग की गई। दशहरा मैदान पर ही यजमानों के लिए 400-400 फीट के अस्थायी आवास बनाए गए। इसमें अटैच लेटबाथ का इंतजाम किया गया था।

भव्य यज्ञ की भव्य व्यवस्था

यज्ञ आयोजन समिति अध्यक्ष रमेश मेंदोला ने बताया कि स्वामी श्रीकांताचार्यजी महाराज के संकल्पों की पूर्ति के लिए आयोजित महायज्ञ अद्भुत एवं वैदिक रीति नीति के साथ संपन्न हुआ। यज्ञ के 108 कुंडों के पास वे ही व्यक्ति जा सकते थे, जो यजमान होकर पुरुष धोती-कुर्ता, महिलाएं लाल या पीली साड़ी के साथ तिलक या बिंदी लगी अवस्था में थीं। पंजीकृत यजमान के अलावा अन्य श्रद्धालु यज्ञशाला की दूर से परिक्रमा कर पुण्यार्जन कर सकते थे। शहर के आम श्रद्धालुओं के लिए यज्ञशाला के बाहर एक और बड़ा व भव्य कुंड बनाया गया। इसमें कोई भी आहुतियां समर्पित कर सकता था। यज्ञ की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक वक्त में 109 विद्वान तो कुंडों पर मंत्रोच्चार के लिए ही मौजूद थे। 15 प्रकार की जड़ी बूटियां नेपाल के पर्वतों से मंगाई गई, जबकि 33 क्विंटल तिल व 1100 डिब्बे यानी 150 क्विंटल से ज्यादा देसी घी यज्ञ में उपयोग किया गया। एक स्टोर रूम तो सिर्फ हवन सामग्री के लिए ही बनाया गया था।

उज्जैन से लक्ष्मीनारायण इंदौर पहुँचे

अंतिम वेला में यज्ञशाला को फाइनल टच दिया गया। एक यज्ञ कुंड को वैदिक रीति नीति से ढाई हाथ गहरा बनाया गया। इसमें एक साथ पचास किलो सामग्री का एकत्रण हो सकता था। आहुति उपरांत यह सामग्री भभूत के रूप में करीब एक चौथाई ही बचती है। दोपहर में ही उज्जैन से विशेष रूप से यज्ञ स्थल पर लक्ष्मीनारायणजी का मंदिर लाया गया। यह चलित मंदिर वहीं पर ले जाया जाता है, जहां पर इतना बड़ा यज्ञ धर्मकुंभ या संत समागम होता है। परमपूज्य अनंत श्री विभूषित जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री श्रीकांताचार्यजी महाराज के सान्निध्य में रोज ही इस मंदिर में सुबह पूजन अर्चन व इसके बाद यज्ञ, कथा व अन्य आयोजन होते थे। यज्ञ स्थल पर भागवत कथा के लिए भी करीब एक लाख वर्ग फीट का विशेष हाइड्रोलिक डोम बनाया गया। इसमें एक साथ बीस हजार से ज्यादा भक्त बैठकर कथा श्रवण कर सकते थे। दो भोजनशालाएं बनाई गईं। भक्तों के लिए अलग भोजनशाला, जबकि संतों व आचार्यों के लिए अलग। संतों व आचार्यों का भोजन का वक्त अलग था। सात्विकता का गहराई से पालन किया गया।

दस राज्यों से पहुँचे आचार्य

महायज्ञ के लिए दस राज्यों से 200 आचार्य आए। इनमें बनारस, बक्सर, नासिक, उज्जैन, हरिद्वार, भोपाल, देवास, डाकोर, मथुरा समेत दस राज्यों से आचार्य इंदौर पहुंचे। पांच आचार्य तो ऐसे भी थे, जिन्होंने परमपूज्य अनंत श्री विभूषित जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री श्रीकांताचार्यजी महाराज के सान्निध्य में इसी तरह के श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में वैदिक रीति-नीति से धार्मिक समागम में भूमिका निभाई थी। उक्त जानकारी देते हुए संयोजक सत्यनारायण राठी ने बताया कि यज्ञ स्थल परिक्रमा मार्ग पर ही अंतिम दौर में भगवान पताकाएं भी शनिवार दोपहर लहरा दी गईं।

भव्य रूप में निकली शोभायात्रा

रविवार दोपहर 1 बजे रणजीत हनुमान मंदिर से भागवतजी की गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकली। संत, महंत, आचार्य बग्घियों में सवार थे। भगवा पताकाओं की वाहिनी जयकारे के साथ कथा व यज्ञ स्थल दशहरा

मैदान तक आई। शुभारंभ रविवार शाम चार बजे एक लाख वर्ग फीट के डोम में हुआ। रविवार दोपहर रणजीत हनुमान मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसमें महापुरुषों के वेश में बच्चे, वानर सेना, साफा बांधे 101 महिलाओं का दल, झाबुआ का भगोरिया मंडल, संतों की वाहिनी, ध्वज वाहिनी, बैंड, महाराणा प्रताप का घुड़सवार दल आदि आकर्षण का केंद्र थे। यात्रा में इंदौर की तीन महिला पार्षद भी साफे में शामिल हुईं। इनमें कंचन गिदवानी, ज्योति तोमर, विनीता धर्म प्रमुख थीं। यात्रा में करीब दस हजार लोगों की मौजूदगी रही। पहले व अंतिम छोर की दूरी सवा किमी थी।

हरियाली से सजाया यज्ञ स्थल

श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के लिए दशहरा मैदान पर इस धार्मिक कुंभ के लिए अस्थायी हरियाली की स्थापना की गई। दस ट्रक नर्सरी लाई गई। ये नर्सरी औषधीय फूल व धार्मिक महत्व के पौधों वाली थी। यज्ञ स्थल को भी 2000 पौधों से आच्छादित किया गया। यज्ञ स्थल, अस्थायी मंदिर, परमपूज्य अनंत श्री विभूषित जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री श्रीकांताचार्यजी महाराज की कुटिया, भोजनशाला, स्टोर रूम, संत व अतिथि आवास के पास करीब दस हजार पौधे लगाए गए। व्यासपीठ के आसपास ही विद्या के 501 पौधे समेत तीन हजार पौधों से भव्य सजावट की गई।

ऐसे हुआ शुभारंभ

सोमवार को करीब बारह बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ परमपूज्य अनंत श्री विभूषित जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री श्रीकांताचार्यजी महाराज ने यज्ञ में आहुतियां समर्पित करना शुरू किया। जो करीब चार घंटे चली। इस दौरान करीब पांच क्विंटल सामग्री का हवन में उपयोग किया गया। सोमवार शुभारंभ दिवस को ही करीब हजारों भक्तों ने यज्ञशाला की परिक्रमा कर पुण्य अर्जित किया। अनंत श्री विभूषित जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री श्रीकांताचार्यजी महाराज और व्यासपीठ पर मौजूद जियर स्वामी गोपालाचार्यजी महाराज की मौजूदगी में भागवत का पूजन हुआ और आरती की गई। इस दौरान दोनों विद्वानों ने भागवत की महिमा का मार्मिक व भावपूर्ण वर्णन किया।

9 प्रकार की गायों के दर्शन

दशहरा मैदान पर पहली बार नौ प्रकार की गायों को दर्शन व पूजन के लिए अस्थायी गोशाला बनाकर रखा गया। गायों की सेवा करने वाले कैलाश मानधन्या ने बताया कि हिंदू धर्म में गौ सेवा का बहुत महत्व हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को यह पता है कि नौ प्रकार की गाय होती हैं। अलग-अलग प्रकार की गायों की अलग-अलग मनोकामना की भावना से पूजन करना चाहिए। इस गौशाला में गायों के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्तजन पहुंचे। महाकाली के रूप में काली गाय, लक्ष्मीजी के रूप में लाल गाय, सरस्वती के प्रतीक रूप में सफेद गाय, चिंता से मुक्ति के लिए चित्रगंप गाय, अन्नपूर्णा की कृपा के लिए पीली गाय के अलावा काली व सफेद, कल्याणी गाय, वैष्णोदेवी गाय आदि गोशाला में दर्शन व पूजन के लिए लाई गई थी। लाखों लोगों ने परिक्रमा कर पुण्य लाभ लिया।

आधुनिक तकनीक ने पहुँचाया घर-घर

इस यज्ञ में यजमानों व आचार्यों के मोबाइल के आधार पर वीडियो काल या कॉन्फ्रेंस के माध्यम से यज्ञ का हजारों किमी दूर बैठकर उनके परिचित हाल जान रहे थे। वे वहीं घर बैठे यज्ञ में शामिल होने का सा अनुभव ले रहे थे। नासिक के दिवाकर तिवारी ने बताया कि आजकल धर्म में भी टेली कम्यूनिकेशन का बोलबाला है। जो यहां न आ सके वे दूर से ही यज्ञ का लाभ

सभी फोटो - राजेन्द्र मालवीय

प्राप्त कर सकते थे, बस मन में श्रद्धा का भाव होना जरूरी था। 109 कुंडीय यज्ञ के लिए 107 फीट ऊंची भव्य यज्ञशाला के दर्शन एवं परिक्रमा के लिए भी दूर-दूर से भक्तजन आ रहे थे। यज्ञशाला के पास करीब पंद्रह फीट चौड़ा वाकिंग ट्रैक बनाया गया, जिससे एक साथ करीब तीन हजार लोग यज्ञशाला की परिक्रमा कर सकें। विजय नगर से यज्ञ की परिक्रमा करने आई कीर्ति चौहान ने बताया कि यज्ञ के बारे में समाचार पत्र, फेसबुक, ट्विटर व टीवी पर सुना, इसलिए यहां 11 परिक्रमा के लिए आई। इससे बड़ा सुकून अनुभव हुआ।

मेंदोला ने की 7 परिक्रमा

आयोजन समिति अध्यक्ष विधायक रमेश मेंदोला ने यज्ञ की पूर्णाहुति के बाद करीब एक बजे सात बार यज्ञशाला की परिक्रमा की। मेंदोला ने इतने बड़े आयोजन की सफलता के लिए ईश्वर के अलावा इंदौर की जनता, संत व समिति सदस्यों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। श्री मेंदोला ने कहा कि सभी की मदद, सहयोग और समर्पण से ही यज्ञ के अपनी तरह के कई रिकॉर्ड बन पाए। यज्ञ कुंड पर बैठने वालों को प्रतिदिन 200 सिक्कों उपयोग करना था। इस तरह यज्ञ के संपूर्ण दिनों में एक कुंड पर करीब एक हजार एवं संपूर्ण यज्ञ के दौरान कुल दस हजार सिक्कों का वितरण किया गया। इस महायज्ञ में टनों सामग्री लगी है। आम की लकड़ी भी एक ट्रक से ज्यादा उपयोग में लाई गई। यज्ञ में सैकड़ों प्रकार की वनस्पति की आहुतियां दी गईं, साथ ही पूर्णाहुति में पांच सौ गन्नों का प्रयोग यज्ञकुंड पर हुआ। भक्तों को प्रसादी के रूप में गन्ने के टुकड़े दिए गए। महाआरती के बाद आरती लेने वालों में होड़ देखी गई। एक-एक थाली से 500 से ज्यादा लोगों ने आरती ली।

सब ठाकुरजी की कृपा

श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ समिति के संयोजक सत्यनारायण राठी का कहना है कि यदि यह महायज्ञ सफल हुआ तो इसका श्रेय ठाकुरजी को ही है। कहने के लिये हम इस महा आयोजन की सारी व्यवस्था कर रहे थे, लेकिन हकीकत में कहाँ से कौन सी आर्थिक व सामग्री की कैसे व्यवस्था हो रही थी, हमें भी मालूम नहीं था। बस जिस चीज की भी आवश्यकता होती वह पहुँच जाती। पूरी यज्ञ अवधि में प्रतिदिन 25-30 हजार श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। एक बार प्रारंभ होती तो लगता कि जैसे माँ अन्नपूर्णा का भंडार भरा है। यह सब एक करिश्मा जैसा ही लगता था। यह देखकर मुझे गुरुजी की बात याद आई। तीन वर्ष पूर्व एक विषम स्थिति में मैं अत्यंत निराश हो गया था। तब मेरे गुरुजी ने मुझसे कहा था कि ठाकुरजी आपसे कोई मंगल काम करवाना चाहते है, इसीलिये आप जीवित हो। शायद उन्हें मुझसे यह पावन कार्य करवाना था। मेरी स्वामीजी से उनके 7वें श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ के दौरान प्रथम भेंट हुई थी। मैं स्वामीजी से और उनके यज्ञ से इतना प्रभावित हुआ कि उनके सद् संकल्प से जुड़ गया। इसके बाद 107वें यज्ञ तक हर यज्ञ में न सिर्फ बैठा बल्कि मैने सक्रिय रूप से अपना योगदान भी दिया। फिर उनके संकल्प की पूर्ति के लिये 108वें महायज्ञ के आयोजन का विचार आया। प्रयास किये तो असफलता मिली। फिर हमने सोचा कि ठाकुरजी ने यदि 107 यज्ञ करवाऐं है तो यह 108वाँ यज्ञ भी वे ही करवाऐंगे और स्वामी जी से मुहूर्त निकलवाने का निवेदन किया। वास्तव में वही सबकुछ तो हुआ जो सोचा था। इस महायज्ञ के आयोजन से न सिर्फ इन्दौर बल्कि सम्पूर्ण प्रदेश की भूमि पावन हो गई है।

यज्ञ से वातावरण कितना शुद्ध होता है, इसका प्रमाण यह महायज्ञ है। इसकी शुरुआत जब 5 नवम्बर को हुई थी। उस समय बुखार आदि बीमारियों से इन्दौर के अस्पताल भरे पड़े थे। वहीं इसकी पूर्णाहुति के समय ही इन रोगियों की संख्या में भारी कमी आ गई थी। निश्चय ही यह शुद्धता लम्बे समय तक रहेगी। इससे न केवल वातावरण बल्कि लोगों की मनोदशा में भी सुधार होगा। मेरे विचार में स्वच्छ वातावरण के लिये यज्ञ हर जगह होने चाहिये।

इन्होंने कहा- पहली बार देखा ऐसा यज्ञ

▸▸ इस तरह का यज्ञस्थल पहली बार देखा, साथ ही इस तरह की आत्मीयतापूर्वक व्यवस्था से भी पहली बार रूबरू हुआ। आयोजन समिति प्रभारी बधाई के पात्र हैं।

श्याम जाजू,
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा

▸▸ इस तरह के आयोजन मानव मात्र का कल्याण करते हैं। पावन भूमि दशहरा मैदान पर एक सप्ताह तक चले आयोजन से निश्चित रूप से सभी का कल्याण होगा।

रमेश मेंदोला,
विधायक व आयोजन समिति अध्यक्ष

▸▸ मैंने स्वयं पौने पांच सौ धार्मिक आयोजन, जैसे कथा आदि किए हैं। देवी अहिल्या की धरा पर हो रहे श्री महालक्ष्मी नारायण महायज्ञ और दिव्यता भरी भागवत कथा सबसे अनूठी लगी। इस तरह के आयोजन करने वालों को भगवान धरा के कल्याण के लिए अलग से भेजते हैं। आप सभी को इस दिव्य आयोजन की बधाई और शुभकामनाएं।

मां कनकेश्वरी देवी
प्रख्यात संत व प्रवचरकार

▸▸ यज्ञ से तन, मन, धन सभी पवित्र होते हैं, यज्ञ के मंत्र गूंजने से हमारे ह्रदय में भी सकारात्मक बदलाव आता है। वातावरण शुद्ध होता है। यज्ञ में उपयोग होने से धन की शुद्धि भी होती है। मेरी नजर में अभी यज्ञ का आयोजन बड़े स्तर पर हर वर्ष और प्रत्येक घर में छोटे स्तर पर पांच मिनट कम से कम रोज होना चाहिए। इससे परिवार को शांति मिलेगी। मंत्र गूंजेंगे, यज्ञीय प्रकाश फैलेगा, साथ ही यज्ञ के धुएं से घर व मोहल्ले में शुद्धता आएगी।

महामंडलेश्वर दादू महाराज

▸▸ आम की लकड़ी व तिल का बहुत महत्व है। दोनों ही पर्यावरण के साथ-साथ ओजोन परत भी पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। इस तरह के 109 कुंडीय यज्ञ जहां भी होते हैं कम से कम तीन माह सकारात्मक प्रभाव अवश्य रहता है। क्षेत्र में निवास करने वाले लाखों लोगों के जीवन में यज्ञ का सकारात्मक बदलाव दिखेगा।

पं. संतोष भार्गव, महासचिव मप्र आचार्य परिषद

▸▸ यजुर्वेद में स्पष्ट उल्लेख है कि यज्ञ के द्वारा ही विश्व का चक्र चल रहा है। यानि संपूर्ण गतिविधियां चलायमान हैं। वैज्ञानिकों ने भी माना है कि यज्ञ में दी गई आहुति से पर्यावरण हितैषी धुआं निकलता है। यह ऊपर उठकर बादल बनने में सहायक होता है। इसके बाद बारिश होती है। बारिश से अन्न उपजता है। अन्न से मानव व पशुओं का जीवन चलता है। यही सृष्टि चलाने के लिए जरूरी अवयव होते हैं।

पं. वीरेंद्रकुमार पांडेय, बनारस

आँखों देखी

हजारों के साथ माखन सिंह चौहान ने की आरती

सिंहस्थ केंद्रीय समिति के अध्यक्ष व भाजपा के संगठन मंत्री रहे माखनसिंह चौहान भी दशहरा मैदान पहुंचे। उन्होंने स्वामी श्री श्रीकांताचार्यजी महाराज के दर्शन किए। इसके बाद व्यासपीठ का पूजन व भागवतजी की आरती में भाग लिया। श्री चौहान ने कहा कि इस तरह का आयोजन बिरला होता है। मैं सौभाग्यशाली हूं जिसे यहां आने का मौका मिला। लंबे समय बाद यहां लघु सिंहस्थ का नजारा दिखा। इस दौरान मेयर इन काउंसिलिंग मेंबर बलराम वर्मा, पार्षद कंचन गिदवानी, पार्षद द्रोपदी नीलेश चौधरी, भाजपा नगर अध्यक्ष व यज्ञ संयोजक कैलाश शर्मा आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।

आठ फीट के केश वाले गंगोत्री के संत

यज्ञ व भागवत के लिए गंगोत्री से 8 फीट के केश वाले संत प्रभुनाथ (70) भी आए थे। इन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन पांच से दस साल में एक बार होते हैं। मैं इंदौर आकर काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं। इस हवन से विश्व में मांगलिक भाव होगा।

दस टन साबूदाना खिचड़ी बंटी

आयोजन स्थल के कार्यालय के सामने साबुदाने की खिचड़ी का निःशुल्क वितरण किया जा रहा था। रोज आठ क्विंटल साबूदाने व अन्य सामग्री मिलाकर करीब पंद्रह क्विंटल खिचड़ी का वितरण किया गया। पूरे आयोजन के दौरान सौ क्विंटल यानि दस टन खिचड़ी का वितरण हुआ।

सिख समाज ने की सेवा

साम्प्रदायिकता से ऊपर उठकर इस आयोजन में सिख समाज भी अपनी सेवा देने में पीछे नहीं रहा। सिख समाज के सेवादारों ने श्रद्धालुओं के जूते-चप्पल संभालने की जिम्मेदारी बखूबी निभाई।

ये रहे कर्णधार

रमेश मेंदोला (विधायक)
आयोजन समिति अध्यक्ष

सत्यनारायण राठी
महामंत्री

गोपाल न्याती
कोषाध्यक्ष

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

**High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata**

**Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata**

**माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक**

**जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक**

**अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक**

Registration Free

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

**39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867**

आजाद नगर को मिली समाज भवन की सौगात

समाज का गौरव बनेगा भवन, तीसरी मंजिल के निर्माण की तैयारी

भीलवाड़ा. लंबे समय से भवन की प्रतीक्षा रहे आजादनगर के माहेश्वरी समाजजनों की प्रतीक्षा समाप्त हो चुकी है। समाज का भव्य भवन गत 16 नवंबर को लोकार्पित हुआ और इसके साथ यह समाज की सेवा में समर्पित हो गया।

आजाद नगर माहेश्वरी सेवा समिति के रामधाम रोड में स्थित समाज के नवनिर्मित भवन का भव्य लोकार्पण अनंत विभूषित जगद्‌गुरु स्वामीजी श्री 1008 श्री रामदयालजी महाराज (पीठाधीश्वर अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय शाहपुरा) के कर कमलों से हुआ। मुख्य अतिथि लादूराम बांगड़ अध्यक्ष कंचन ग्रुप थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीगोपाल राठी चेयरमैन संदीप मोटर्स ने की। मंचासीन अतिथियों में ओमप्रकाश नरानीवाल पूर्व सभापति नगर परिषद, लक्ष्मीनारायण डाड पूर्व अध्यक्ष नगर विकास न्यास, राधाकिशन सोमानी, कृष्णगोपाल तोषनीवाल, सत्यनारायण डाड, भेरूलाल काबरा, सुभाष दरक, ओमप्रकाश कालिया, शोभा भदादा, अनिला अजमेरा व सेवा समिति अध्यक्ष रामप्रकाश काबरा थे।

भव्य शोभायात्रा के साथ पहुँचे

लोकार्पण से पूर्व आजाद नगर के समाजजनों व महिलाओं ने शोभायात्रा कुंभा सर्किल बालाजी मंदिर से भवन तक निकाली गई जिसमें पुरुष सफेद पोशाक एवं महिलाएं लाल चुनरी पहने हुई थीं। जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत पुष्पवर्षा से किया गया। आजाद नगर माहेश्वरी परिवारों द्वारा जगह-जगह तोरण द्वार लगाए गए। महाराजश्री के आगमन पर पदरावनी का कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित किया गया, जिसमें हजारों भक्तों ने भाग लिया। भव्य लोकार्पण में आचार्यश्री के सान्निध्य में भवन में प्रस्तावित तृतीय मंजिल के 11 कमरों व लिफ्ट की समाजजनों ने घोषणा की। स्वागत उद्बोधन, भवन निर्माण, दानदाताओं की जानकारी सचिव अरविंद चांडक द्वारा दी गई। दानदाताओं और अतिथियों का आभार अध्यक्ष रामप्रकाश काबरा ने प्रगट किया।

वर्षों का सपना हुआ साकार

अनेक वरिष्ठजन जो दिवंगत हो चुके और जो वर्तमान में हैं, उन सभी समाजजनों की इच्छा थी कि आजाद नगर में भी अपना एक भवन हो जिसमें सभी सामाजिक कार्य हो सकें। जिन्होंने काफी प्रयास किए उनमें स्वर्गीय रामपाल काबरा, स्वर्गीय प्रहलाद काबरा, स्वर्गीय बालूराम चेचानी व रामेश्वर असावा, मूलचंद जागेटिया, चांदमल मंडोवरा, प्रेमशंकर तोतला, शंकरलाल अजमेरा मुख्य थे। भवन निर्माण के प्रमुख दानदाता लादूराम बांगड़ उद्योगपति कंचन ग्रुप एवं संतोषदेवी काबरा का भवन में विशिष्ट योगदान होने से शॉल ओढ़ाकर महाराजश्री व समाजजनों ने सम्मान किया।

टकराव की स्थिति भी बनी

इस भवन के लोकार्पण को लेकर आजाद नगर क्षेत्रीय संगठन एवं आजाद नगर माहेश्वरी सेवा समिति के मध्य विरोध के स्वर भी उठे। आजादनगर क्षेत्रीय सभा के पदाधिकारियों का आरोप था कि उनको किसी तरह की कोई तवज्जो नहीं दी गई। किसी कार्य के लिए नहीं पूछा गया। यहां तक कि कार्ड भी बगैर सूचना के छाप दिए गए। क्षेत्रीय सभा को इग्नोर करके यह कार्यक्रम किया गया। साथ ही समाज के पदाधिकारियों को जो निमंत्रण भेजे गए उनमें पद भी नहीं लिखा गया। इसकी लिखित शिकायत नगर माहेश्वरी सभा को की गई। आनन-फानन में नगर माहेश्वरी सभा द्वारा नगर की कार्यकारिणी की एक दिन पहले शाम को आपातकालीन मीटिंग बुलाई गई। इसमें कार्यक्रम में नहीं जाने का फरमान जारी किया गया, जिसकी वजह से इस लोकार्पण कार्यक्रम में समाज के सभी संगठनों के पदाधिकारी नहीं पहुंचे।

क्या कहते हैं जिम्मेदार

श्री नगर माहेश्वरी सभा मंत्री केदार गगरानी का कहना है कि किसी भी कार्यक्रम में क्षेत्रीय सभा को इग्नोर नहीं कर सकते, लेकिन इस लोकार्पण कार्यक्रम में ऐसा किया गया। अतः क्षेत्रीय संगठन के निर्णय अनुसार श्रीनगर सभा ने भी इस कार्यक्रम का बहिष्कार किया। आजाद नगर क्षेत्रीय सभा अध्यक्ष रामेश्वर ईनानी का भी कहना है कि भवन समिति द्वारा क्षेत्रीय संगठन को महत्व नहीं दिया गया। वे केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही बुलाना चाहते थे। इस संबंध में चर्चा भी की गई थी लेकिन उन्होंने कोई परिवर्तन नहीं किया। आमंत्रण पत्र में पद के बिना ही नाम डाले गये। दानदाताओं को सम्मान तो देना लेकिन पदाधिकारियों को इग्नोर करना तो उचित नहीं है जबकि आजाद नगर माहेश्वरी सेवा समिति अध्यक्ष रामप्रकाश काबरा का कहना है कि हमारी आम सभा में क्षेत्रीय सभा के अध्यक्ष भी थे। इसमें सिर्फ दानदाताओं को सम्मानित करने का निर्णय हुआ। यही कारण है कि संगठन के पदाधिकारियों को स्थान नहीं दे पाए। क्षेत्रीय सभा के पदाधिकारियों के नाम आमंत्रण में तो निवेदक के रूप में थे। अतः इग्नोर करने का तो प्रश्न ही नहीं था। नगर कार्यकारिणी सदस्य शिव नुवाल का कहना है कि बड़ी अफसोस की बता है समाज के कार्यक्रम में शामिल होने न होने के लिए बैठक बुलाई गई। वास्तव में तो पदाधिकारियों द्वारा अपनी पद प्रतिष्ठा की जगह समाज के हित सम्मान का चिंतन किया जाता तो ज्यादा उत्तम होता।

सेवा दर्पण का हुआ विमोचन

भिलाई. छत्तीसगढ़ महेश सेवा निधि ट्रस्ट द्वारा 'सेवा दर्पण' पुस्तिका का प्रकाशन किया गया। इसमें ट्रस्ट द्वारा संचालित समस्त योजनाओं का विस्तृत विवरण, योजनाओं से संबंधित लाभार्थियों के लिए आवेदन फॉर्म, ट्रस्ट के समस्त सदस्यों, फाउंडर ट्रस्टियों के नाम, पते एवं मोबाइल नंबर सहित ट्रस्ट के बारे में विस्तृत विवरण दिया गया है। साथ ही अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा द्वारा संचालित समस्त योजनाओं का भी संक्षिप्त विवरण दिया गया है। इस सेवा दर्पण पुस्तिका का विमोचन छग महेश सेवा निधि की वार्षिक सामान्य सभा में मोहन राठी (उपसभापति मध्यांचल), विट्ठल भूतड़ा (प्रदेशाध्यक्ष), नारायण राठी (प्रदेश मंत्री), राजकुमार राठी (संगठन मंत्री), डॉ. सतीश राठी (प्रबंध न्यासी), सीए मनोज राठी (मानद मंत्री), बालकिशन झँवर (वित्त सचिव), रामरतन भूतड़ा (निवृतमान अध्यक्ष) के करकमलों द्वारा किया गया गया। इस अवसर पर ज्योति राठी (उपाध्यक्ष), आशा डोडिया अध्यक्ष छग प्रादेशिक महिला संगठन, राजेश मंत्री अध्यक्ष छग प्रादेशिक युवा संगठन व ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्षों सहित पूरे प्रदेश एवं जिले के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित थे।

बाल दिवस पर आयोजित की स्पर्धाएं

नासिक. जिला माहेश्वरी महिला संगठन व सुरभि समिति के अंतर्गत बाल दिवस पर महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल मालेगांव द्वारा स्थानीय संस्कार स्कूल में मंडल के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों के बच्चों की योगा, चित्रकला, नृत्य, श्लोक पठन, भजन, विविध प्रकार के खेल आदि स्पर्धाएँ हुईं। कार्यक्रम में सुरभि समिति प्रमुख नंदा पोरवाल उपस्थित थे। सभी बच्चों को उपहार स्वरूप नोटबुक दी गई। मंडल सदस्य कवियत्री सुमिता मूंधड़ा, किरण जाजू, अनीता कलंत्री, बीना भंडारी, सीमा राठी, रत्ना लड्ढा आदि ने सहयोग दिया। मंडल अध्यक्ष सरिता बाहेती ने स्कूल के शिक्षक विभाग व उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। सेक्रेटरी वंदना जाजू ने सभी का आभार माना।

> “ कामयाब होने के लिए
> अकेले ही आगे बढ़ना पड़ता है,
> लोग तो पीछे तब आते हैं
> जब हम कामयाब होने लगते हैं। ”

सिखाई प्रभावी भाषण कला

रायपुर. माहेश्वरी युवा मंडल द्वारा अपने सदस्यों के लिए विगत दिनों प्रभावी भाषण कला कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्ष आशीष राठी ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। इस कार्यक्रम के प्रशिक्षणकर्ता मुकेश शाह एवं संयोजक सुमित मूंधड़ा थे। प्रतिभागियों ने मंच की बारीकियों को अच्छे से जाना और उन्हें दूर करना भी सीखा। कुछ प्रतिभागियों ने पहली बार मंच से बोलकर अपना स्टेज फोबिया इस ट्रेनिंग से कम किया। ट्रेनी मुकेश शाह ने बताया कि मंच में 5 डब्ल्यू का ध्यान रखा जाता है। इसके साथ मंच से बोलते समय आवाज, स्वर और पहनावा का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को मुकेश शाह एवं रेखा हुरकट ने सर्टिफिकेट प्रदान किया तथा सचिव मनीष मोहता ने आभार व्यक्त किया।

मधुमेह परिवर्तन शिविर का आयोजन

बीकानेर. विश्व मधुमेह दिवस पर निःशुल्क मधुमेह परिवर्तन शिविर का आयोजन डॉ. विजय शांति बांठिया (मधुमेह रोग विशेषज्ञ) के सान्निध्य में बांठिया चौक, बीकानेर में किया गया। शिविर में डॉ. बांठिया द्वारा मधुमेह रोग का निःशुल्क परामर्श दिया गया। शिविर में कुल 200 लोगों ने हिस्सा लिया। डॉ. विजय शांति बांठिया ने बताया कि यह मधुमेह के खिलाफ एक परिवर्तन का प्रयास है। नित्य व्यायाम, स्वस्थ भोज और निरंतर शारीरिक जांच करवाते रहना ही उचित बचाव है।

भजन संध्या का हुआ आयोजन

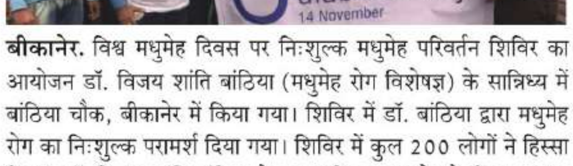

शेरगढ़. समाज सदस्य शंकरलाल राठी एवं शोभादेवी राठी द्वारा तेना तहसील में गत 23 अक्टूबर को चारधाम यात्रा के उपलक्ष्य में भजन संध्या का आयोजन किया गया। श्री ओमकार भारतीजी मठाधीश परेऊ मठ, श्री शिविगिरि मठाधीश रामेश्वर मठ शेरगढ़एवं प्रेमारामजी महाराज, भालू रामद्वारा ने प्रवचन देकर लाभान्वित किया। पुत्र सुरेशकुमार, रमेशकुमार, पुत्री पुष्पा, गुड्डी, मंजू सहित सम्पूर्ण परिवार का सहयोग रहा।

माहेश्वरी बने सिया समिति सदस्य

भोपाल. राज्य सरकार ने मप्र स्टेट एन्वायर्नमेंट इम्पैक्ट असेसमेंट अर्थोरिटी (सिया) का गठन किया है। अथॉरिटी की सहायता करने के लिए राज्य विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति का गठन भी किया गया है। इस समिति में रामेश्वर माहेश्वरी इंदौर को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

एमपीएस के भवन का भूमिपूजन

जयपुर. शिक्षा के क्षेत्र में सफलता और प्रसिद्धि के शिखर छूने वाली दी एजुकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) द्वारा एक और पायदान पार कर लिया गया। गत 23 सितंबर प्रातः 9.30 बजे प्रमुख समाजसेवी एवं समाज संरक्षक रमेशचंद मणिहार के करकमलों द्वारा माहेश्वरी पब्लिक स्कूल कालवाड़ रोड जयपूर का भूमिपूजन व शिलान्यास किया गया। इस नवीन भवन निर्माण समिति के चेयरमैन बजरंग जाखोटिया, भवन सचिव सुरेश कालानी एवं आशीष काबरा तथा भवन समन्वयक कैलाश सोनी हैं। सोसायटी अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा ने मुख्य अतिथि रमेशचंद्र मणिहार का माल्यार्पण कर एवं महासचिव शिक्षा मधुसूदन बिहाणी ने साफा पहनाकर स्वागत किया। चेयरमैन बजरंग जाखोटिया ने अपने वक्तव्य में नवीन भवन निर्माण से संबंधित जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि इस भवन के प्रथम चरण में लोअर ग्राउंड, ग्राउंड व प्रथम फ्लोर बनाया जाएगा। इसका निर्माण कार्य 98000 स्क्वेयर फीट का होगा। यह भवन एक वर्ष (2018) में पूरा करके इसको क्रियान्वित करने हेतु सौंपा दिया जाएगा। दूसरे चरण में बच्चों की संख्या व आवश्यकतानुसार द्वितीय तल एवं तृतीय तल का निर्माण करवाया जाएगा।

श्रीमद् भागवत कथा का हुआ आयोजन

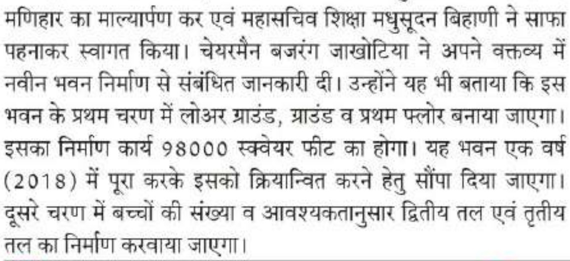

जयपुर. संगठन माहेश्वरी क्लब, श्यामनगर द्वारा संस्था की रजत जयंती के शुभ अवसर पर आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताह भक्ति ज्ञान यज्ञ 22 से 29 अक्टूबर तक श्री माहेश्वरी समाज जनोपयागी भवन उत्सव में सम्पन्न हुआ। श्री राधारमण मंदिर वृंदावन से आये भागवत मर्मज्ञ श्री मन्माधव गौड़ेश्वर वैष्णवाचार्य श्री अभिषेक गोस्वामी जी ने कथा का रसपान कराया। क्लब की सदस्याओं ने नंदोत्सव तथा रुक्मणि विवाह प्रसंगों के अतिरिक्त अंतिम दिन फूलों की होली का उत्सव भी मनाया। भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ की मुख्य मनोरथी सरला डागा तथा क्लब अध्यक्ष राजश्री पेड़ीवाल व सचिव सुधा मूंदड़ा ने आयोजन को सफल बनाने वाले सभी सहयोगियों का आभार माना। कार्यक्रम संयोजक राधेश्याम साबू, पुष्पा मोदानी, कोषाध्यक्ष राधेश्याम लाहोटी एवं वेणु माहेश्वरी थे।

> "अतीत के गुलाम नहीं
> बल्कि भविष्य के निर्माता बनो"

करवा चौथ का किया आयोजन

बीकानेर. श्री माहेश्वरी महिला समिति बीकानेर का स्थानीय समाचार पत्र राजस्थान पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में करवा चौथ की पूर्व संध्या पर स्थानीय माहेश्वरी सदन में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाज संवाददाता पवन राठी ने बताया कि सम्पूर्ण कार्यक्रम माहेश्वरी महिला समिति सचिव कंचन राठी के निर्देशन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में माहेश्वरी महिलाओं के प्रोत्साहन हेतु घरेलू हस्तनिर्मित वस्तुओं की स्टॉल भी लगाई गई, वहीं आगंतुकों के लिए खाने-पीने की वस्तुओं की स्टॉल भी उपलब्ध थीं। महिला समिति अध्यक्ष अंजलि झँवर ने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन पत्रिका से आईं अनुष्का ने किया। इस अवसर पर जहाँ एक ओर महिला समिति की सदस्याएँ उपस्थित थीं, वहीं प्रमुख रूप से राजस्थान पत्रिका के प्रबंधक राकेश गांधी, मार्केटिंग डायरेक्टर संजयकुमार, सहसंयोजक लोट्स डेयर कंपनी की निदेशक सविता मोदी व माहेश्वरी महिला समिति की पूर्व संरक्षिका सुशीला डागा आदि मौजूद थीं।

बाल दिवस का हुआ आयोजन

बीकानेर. विवेक बाल निकेतन सीनियर सेकंडरी की कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिवस बाल दिवस के रूप में मनाया। शाला के अध्यापक पवन राठी ने बताया कि 12वीं के छात्रों ने रानी बाजार स्थित अपना घर आश्रम में वहाँ प्रवास कर रहे बच्चों के बीच जाकर उन्हें चॉकलेट, बिस्किट व अन्य वस्तुएँ भेंटकर बाल दिवस मनाया। इस अवसर पर शाला की कक्षा 12वीं (वाणिज्य वर्ग) के छात्र ऋषि पुरोहित, दीपक सांखला, मुकेश चौधरी, शिव सुथार, विकास सुथार, जयनारायण प्रजापत, विकास सारस्वत आदि ने विशेष रूप से सहयोग दिया।

बैंगलोर. माहेश्वरी महिला मंडल की सचिव श्वेता बियाणी ने बताया कि मंडल की सौष्ठा समिति ने सामाजिक सेवा प्रकल्प के तहत 14 नवंबर को बाल दिवस के उपलक्ष्य में ओकलीपुरम स्थित छोटे बच्चों की स्कूल में चित्रकला, लेखन एवम खेलकूद स्पर्धाएँ आयोजित हुईं। विजेताओं को पुरस्कार वितरण के साथ ही अध्ययनरत 100 विद्यार्थियों को पाठ्यसामग्री व स्कूल बैग, खाने की नमकीन, बिस्कुट का वितरण किया। महिला मंडल की उपाध्यक्षा कांता काबरा, सलाहकार सदस्य प्रकाश मूंदड़ा, पुष्पा सराड़ा एवं कार्यकारिणी सदस्याएँ मौजूद थीं।

हरे कृष्णा मंदिर का किया भ्रमण

अहमदाबाद. माहेश्वरी सखी संगठन द्वारा सुचिता समिति के अंतर्गत गत 16 नवंबर को हरे कृष्णा मंदिर भाडज अहमदाबाद का भ्रमण किया गया। वहाँ पर मंदिर के दर्शन के साथ अक्षय पात्र व किचन दिखाया गया। इस किचन की विशेषता है कि यहां रोज सुबह 2 लाख बच्चों को सरकारी स्कूलों में खाना पहुँचाया जाता है। यहां की मशीनरी द्वारा यह खाना मात्र 3 घंटे में बनाया जाता है। संगठन की ओर से बाल दिवस के उपलक्ष में 1000 बच्चों के एक समय के खाने के खर्च की राशि अक्षय पात्र फाउंडेशन को दान के रूप में दी गई। संगठन अध्यक्ष मीना मूंदड़ा ने स्वामीजी का परिचय व अक्षय पात्र की जानकारी दी तथा मेमोरी गेम भी खेलाया। सचिव अनुराधा अजमेरा ने अंत में सभी का आभार माना।

अमृतादेवी विश्नोई की लगेगी प्रतिमा

भीलवाड़ा. पेड़ों की रक्षा के लिए प्राण न्योछावर करने वाली अमृतादेवी विश्नोई की प्रतिमा प्रदेश के हर जिला मुख्यालय पर लगाने के आदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिए हैं। पर्यावरणविद् एवं संस्था पीपुल्स फॉर एनीमल के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने यह मांग प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर की थी। श्री जाजू ने बताया कि 287 वर्ष पूर्व जोधपुर की साहसी महिला अमृतादेवी विश्नोई ने पेड़ों को काटने का विरोध करते हुए अपने प्राणों की बलि दे दी थी। अतः ये निर्णय भावी पीढ़ी के लिए पेड़ों के प्रति प्रेम बढ़ाने तथा उनके संरक्षण की सीख देने वाला होगा। श्री जाजू ने बताया कि भीलवाड़ा में वन विभाग के पास अमृता देवी की प्रतिमा लगवाने के आदेश पहुंच गए हैं।

संकल्प पूर्ति अभियान का हुआ आयोजन

लातूर. जिला माहेश्वरी सभा के क्रियाशील अध्यक्ष राजकुमार पलौड़ तथा उनके सहयोगी पदाधिकारियों ने अपने कार्यकाल में समाजोपयोगी उपक्रम शुरू किए हैं। इसकी शुरुआत जिला कार्यालय के निर्माण से हुई। लातूर में पहली बार माहेश्वरी समाज की रुग्णवाहिका का लोकार्पण भी हुआ। इसके लिए महासभा से लातूर जिला सभा को उत्कृष्ट जिला सभा का पुरस्कार भी मिला। इसी कड़ी को आगे जोड़ते हुए जिला सभा ने 12 नवंबर को जरूरतमंद बीमार समाजबंधुओं को निःशुल्क मेडिकल इक्विपमेंट उपलब्ध कराने का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। पुणे के जीएसटी कमिश्नर ओमनारायण भांगड़िया के कर कमलों से कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम में अशोक सोनी, श्रीकिशन भंसाली, लक्ष्मीनारायण लाहोटी, विजय राठी, प्रकाश कासट आदि की विशेष उपस्थिति रही।

श्रीमद् भागवत कथा का होगा आयोजन

हैदराबाद. गिरीराज अन्नक्षेत्र गोवर्धन की स्थानीय शाखा द्वारा आगामी 5 जनवरी से बेगम बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। शाखा के मंत्री श्रीवल्लभ तोषनीवाल व अध्यक्ष नथमल डालिया ने नगर शाखा के अन्न क्षेत्र के आजीवन सदस्यों को गिरीराज अन्न क्षेत्र गोवर्धन के कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। श्री डालिया ने बताया कि जगद्गुरु निम्बार्कचार्य स्वयंभू देवाचार्य पीठाधिश्वर राधामोहनशरण महाराज के मुखारबिंद से माहेश्वरी भवन में भागवत कथा का आयोजन 5 जनवरी से होगा। कथा के मुख्य यजमान श्रीकिशन धनराज सोनी (बंजारा हिल्स) होंगे।

आदिवासी बच्चों के बीच मनाया बाल दिवस

खरगोन. बाल दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 2 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 13 नवंबर को आदिवासी वनवासी स्कूल गोगांवा में बाल दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों को कपड़े, किताबें व कुरकुरे वितरित किए गए तथा गेम खेलाए गए। 14 नवंबर को शा. नवीन मावि नूतननगर खरगोन स्थित स्कूल में बच्चों की 'स्वच्छता अभियान' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। इसमें सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिए गए तथा बच्चों में फल और बिस्कुट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मंडल की जिलाध्यक्ष स्मिता बियाणी, उषा सोमाणी (सचिव), जानकी खटौड़, अलका सोमाणी, उर्मिला पलोड़, किरण आगाल, कांता, उमा सोमाणी (कोषाध्यक्ष), पुष्पा जाजू आदि

नवरात्रि महोत्सव का हुआ आयोजन

कोचिन. माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी युवा संगठन, कोचिन के संयुक्त तत्वावधान में 21 से 29 सितंबर तक एमजी रोड एरनाकुलम में नवरात्रि उत्सव संपन्न हुआ। इसमें नम्रता करवा मुंबई एवं बीकानेर भजन मंडल द्वारा भजन कीर्तन के साथ देवी मां दुर्गा की पूजा अर्चना की गई। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रदीप माहेश्वरी, मंत्री प्रकाश बंग, कोषाध्यक्ष दीपक लखोटिया, मोहन सुदा, मुकेश काकाणी, रामरतन काकाणी एवं सभी समाजजनों का सहयोग रहा।

> "आप में शुरू करने की हिम्मत है तो, आप में सफल होने के लिए भी हिम्मत है।"

फोफलिया को महिला उद्यमी अवॉर्ड

जोधपुर. सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया, भारत सरकार के कर्नाटक आईटी एक्सपोर्ट अवॉर्ड कार्यक्रम में जोधपुर की अनुभा फोफलिया को देश के 'सॉफ्टवेयर एक्सोर्ट' में विशेष भागीदारी के लिए वुमैन एंटरप्रैन्योर अवॉर्ड वर्ष 2016-17 से सम्मानित किया है। जोधपुर निवासी इलेक्ट्रिकल इंजीनियर अनुभा अपने पति संदीप फोफलिया के साथ सिग्मा इंफोसोल्यूशंस जोधपुर, बंगलोर, अमेरिका की को-फाउंडर व डायरेक्टर हैं और पिछले 15 वर्ष से महिला उद्यमिता, महिला सशक्तीकरण की दिशा में कार्यरत हैं। अनुभा "लैंड फाउंड्री" नाम का एक ऐसा सॉफ्टवेयर तैयार कर रही हैं जिससे ऋण लेने वाला व्यक्ति अपना समस्त विवरण ऑनलाइन प्रदान करने के 5 मिनट में ऋण प्रदाता कंपनी से 'हाँ' या 'ना' का जवाब प्राप्त कर सके व 24 घंटे में ऋण की राशि भी प्राप्त कर सके। उक्त जानकारी उमा बिड़ला ने दी।

राघव कोठारी बने प्रभारी

भीलवाड़ा. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन की ओर से रायपुर (छग) में छत्तीसगढ़माहेश्वरी युवा संगठनके बिजनेस कानक्लेव 'युव मन' का आयोजन हुआ। इसमें दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन प्रदेश प्रभारी राघव कोठारी को बनाया गया। प्रदेश महामंत्री जगदीश लड्ढा ने बताया कि प्रदेश से लगभग 100 युवा छत्तीसगढ़रायपुर में भाग लेंगे। रायपुर में पूरे भारत से बेस्ट टॉप टेन बिजनेस आइडिया को सम्मानित किया जाएगा। युवाओं को बिजनेश गाइडेंस के लिए इंटरनेशनल मोटिवेटर, अलीबाबा डॉट कॉम के प्रबंधक, डॉ. एसएन गुप्ता, मैनेजमेंट कॉलेज के प्रबंधक आदि ने अपने अनुभव शेयर करेंगे।

महेश बैंक पीओ का प्रशिक्षण

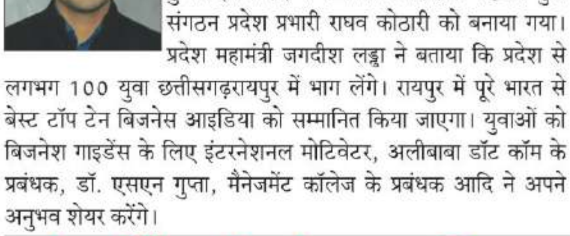

हैदराबाद. महेश बैंक के नवनियुक्त प्रोबेशनरी अधिकारियों के लिए टाईम्स ऑफ इंडिया समूह द्वारा बंजारा हिल्स में संचालित टाइम्स प्रो प्रशिक्षण संस्थान में 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा के साथ टाईम्स-प्रो प्रशिक्षण संस्था के रीजनल बिजनेस मैनेजर के. रामकृष्णन एवं बैंक के संयुक्त महाप्रबंधक अल्लूरी मस्तान रेड्डी ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। चेयरमैन श्री मानधणा ने कहा कि भारत आज विश्व के विकसित देशों की श्रेणी में पर्दापण कर रहा है। देश की अर्थव्यवस्था विमुद्रीकरण के बाद तेजी से विकास की ओर बढ़रही है। इस अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में बैंकिंग उद्योग महती भूमिका निभा रहा है। बैंक के संयुक्त महाप्रबंधक अल्लूरी मस्तान रेड्डी ने प्रशिक्षु प्रोबेशनरी अधिकारियों से सबका परिचय कराया।

सोनी परिवार का सम्मेलन सम्पन्न

बस्सी. समस्त सोनी भाइयों का तृतीय विशाल सम्मेलन सती माता जी के स्थान पर बस्सी में गत 17 नवंबर को आयोजित हुआ। कार्यक्रम के संयोजक कालूराम सोनी द्वारा पूर्व में हो चुके माता जी के यहां निर्माण कार्य व लेखा जोखा, पूर्व में हो चुके सोनी सम्मेलन, सोनी परिवार का इतिहास व उत्पत्ति से संबंधित अनेक जानकारियां दी गईं। इस सम्मेलन में मेवाड़, मालवा गुजरात, अनेक प्रांतों से सोनी परिवार सपरिवार उपस्थित हुए। माताजी के यहां एक बरामदे का निर्माण करवाने हेतु कालूराम सोनी ने प्रस्ताव रखा। बरामदे की आधारशिला पूर्व सभापति (अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा) रामपाल सोनी, कालूलाल सोनी, छीतरमल सोनी, शिवलाल सोनी, रमेशचंद्र सोनी, लादूलाल सोनी, बालकिशन सोनी, रामकिशन सोनी, जगदीशचंद्र सोनी, योगेश सोनी द्वारा विधि-विधान से रखी गई। कार्यक्रम के अंत में महाप्रसादी का आयोजन हुआ।

अन्नकूट महोत्सव का हुआ आयोजन

इंदौर. माहेश्वरी फ्रेंड्स ग्रुप का अन्नकूट महोत्सव सुरुचि गार्डन में सम्पन्न हुआ। संस्था के प्रचार मंत्री सम्पतकुमार राधा साबू ने बताया कि भगवान श्रीनाथजी की तस्वीर लगाकर विशेष श्रृंगार किया गया। 56 भोग लगाकर भजन सम्राट पंडित पवन तिवारी द्वारा ठाकुरजी के भजन की प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष शंकर ललवानी उपस्थित थे। ग्रुप के नारायणदास श्यामा माहेश्वरी, संपतकुमार राधा साबू, सुरेशचंद्र जमना राठी, रमेशचंद्र सावित्री राठी, दिनेश विनीता जैथलिया, गोविंद उषा राठी, जगदीश प्रमिला भूतड़ा, ओम शशि सोमानी आदि मौजूद थे। कार्यक्रम के संयोजक गोपालदास सूर्यकांता झँवर, राकेश गीता परतानी थे।

> "कामयाब लोग अपने फैसले से दुनिया बदल देते है और नाकामयाब लोग दुनिया के डर से अपने फैसले बदल लेते है।"

श्रीमद् भागवत कथा का हुआ आयोजन

हैदराबाद. श्री रुक्मिणी वल्लभ भागवत सेवा समिति भाग्य नगर द्वारा आगामी 26 दिसंबर से 1 जनवरी तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन बेगम बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में किया जाएगा। गोपीकिशन बंग ने बताया कि इसमें श्रीधाम वृंदावन के बटुकजी महाराज व्यास पीठ से भागवत कथा सुनाएँगे। इसमें चूड़ी बाजार के पूसाराम राजाराम काबरा को मुख्य यजमान बनाया गया। तैयारी को लेकर आयोजित बैठक में भगवानदास तोषणीवाल, रमेशचंद्र असावा, राधाकिशन तोषणीवाल, लक्ष्मीनारायण राठी, कमल काबरा, श्रीनिवास हेड़ा आदि ने अपने विचार किए।

हम दो हमारे एक का नारा गलत

भीलवाड़ा. देश की आबादी बढ़ रही है, पर माहेश्वरी समाज में एक दशक में जनसंख्या में गिरावट आई है। अभा माहेश्वरी समाज के सभापति श्यामसुंदर सोनी ने यह बात मीडिया से चर्चा में कही। श्री सोनी ने कहा कि आज समाज में हम दो हमारे दो नहीं, हम दो हमारा एक का नारा चल रहा है, जो गलत है। इससे एकल परिवार बढ़रहे हैं। श्री सोनी के साथ युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या व कैलाश कोठारी भी उपस्थित थे। इससे पहले श्री सोनी का भीलवाड़ा आने पर महेश ब्रिगेड ने स्वागत किया। इस दौरान अनिल लाहोटी, अर्चित मूंदड़ा, विशाल बाहेती, अर्पित समदानी, राजेंद्र मालू, मनीष बाहेती, राकेश शारदा, अनिल चौधरी आदि मौजूद थे।

पुण्य स्मृति में चलाया स्वच्छता अभियान

खरगोन. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल घुघरिया खेड़ी में शहीद श्री राजेंद्र यादव के जन्मदिवस पर 'स्वच्छता अभियान' आयोजित किया गया। इस अवसर पर बच्चों को मिठाई वितरित की गई। माहेश्वरी समाज महिला मंडल और अन्य संस्थाओं की पदाधिकारी व सदस्याएँ उपस्थित थीं।

"खोये हुये हम खुद है
और ढूढ़ते खुदा को है"

श्री चैतन्य महाराज के प्रवचन का हुआ आयोजन

सोलापुर. श्री रामकृष्ण सेवा प्रतिष्ठान की ओर से हुतात्मा स्मृति मंदिर में श्री चैतन्य महाराज देगलूरकर के प्रवचन का आयोजन किया गया। यह दुर्लभ कार्यक्रम गत 4 से 6 नवंबर तक आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में धर्मप्रेमियों की उपस्थिति रही। गणेशलाल मानधनिया, वेणुगोपाल तापड़िया, श्रीकांत भूतड़ा, श्यामसुंदर बलदवा, विष्णुकांत मानधनिया, गोपाल सोमाणी, रमेश भूतड़ा, रामानुज होलाणी, सूर्यनारायण रघोजी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

तुलसी विवाह का हुआ आयोजन

गुना. माहेश्वरी मंडल गुना द्वारा 2 नवंबर को तुलसी पूजन का कार्यक्रम आशु भट्टर के यहां रखा गया। इसमें भजन के साथ प्रसाद भी वितरित किया गया। अध्यक्ष आशा राठी, ममता भट्टर, उपमा राठी, नीलिमा लाहोटी, रेणु सोमानी सहित कई सदस्याएँ मौजूद थीं।

कार्तिक मास उत्सव का समापन

रायपुर (छग). प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री गोपाल मंदिर ट्रस्ट रायपुर एवं माहेश्वरी सभा रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में पवित्र कार्तिक मास उत्सव मनाया। माहेश्वरी सभा के महामंत्री सुरेशकुमार बागड़ी ने बताया कि रोज प्रातः श्री गोपाल जी की मंगला आरती के बाद गोपाल मंदिर सदर बाजार से प्रभातफेरी निकाली गई। समापन शोभायात्रा 4 नवंबर को धूमधाम से निकाली गई। जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया। दीपावली उत्सव, 27 अक्टूबर को, अन्नकूट महोत्सव व तुलसी विवाह उत्सव 31 अक्टूबर एवं 4 नवंबर को देव दीपावली (पूर्णिमा) इत्यादि उत्सवों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में विजय दम्मानी, सुरेशकुमार बागड़ी, शिवरतन सादा, बद्रीदास झँवर, गोवर्धन झँवर, ऋषभ लोया, हितेश नत्थानी, शशि बागड़ी एवं माहेश्वरी महिला मंडल व माहेश्वरी सभा कार्यकारिणी सदस्यों का सहयोग रहा।

रामेश्वर धाम में आयोजित हुई युवा संगठन की तृतीय बैठक

दिसंबर में होगा बिजनेस कॉन्क्लेव का भव्य आयोजन, प्रतिभा सम्मान की भी तैयार

रामेश्वर. अभा माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा चारोधाम पर चार बैठक आयोजित करने के निर्णय के अंतर्गत तृतीय कार्यसमिति बैठक रामेश्वर धाम में गत 4 व 5 नवंबर को आयोजित हुई। इस बैठक में विभिन्न योजनाओं पर चिंतन के साथ समाज की प्रतिभाओं के सम्मान तथा दिसंबर में छत्तीसगढ़ में भव्य माहेश्वरी बिजनेस कॉन्क्लेव आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया।

युवा संगठन के द्वादश सत्र की तृतीय कार्यसमिति बैठक तमिलनाडु, केरला, पांडिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के आयोजकत्व में आयोजित हुई। इसमें प्रदेश सभा के अध्यक्ष अमृतलाल चांडक, सचिव प्रेम बिसाणी की मुख्य उपस्थिति रही। श्री काल्या ने राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते ही इस कार्यकाल में रामेश्वरम, बद्रीविशाल, द्वारिकाधीश व जगन्नाथपुरी में राष्ट्रीय युवा संगठन की एक-एक कार्यसमिति बैठक चारों धाम पर आयोजित करने का निर्णय लिया था। उसी क्रम में तृतीय कार्यसमिति बैठक रामेश्वरधाम में आयोजित की गई। आयोजकों द्वारा सभी युवा साथियों को सपत्नीक आमंत्रित किया गया। बैठक में नेपाल सहित देश के कोने-कोने से युवा साथी सपत्नीक पहुंचे। उक्त बैठक के पश्चात सभी युवा साथियों के द्वारा रामेश्वर धाम के हर्षोल्लास से दर्शन किए गए तथा रामेश्वर धाम में शोभायात्रा निकाली गई। उक्त बैठक में प्रदेश युवा संगठन के अध्यक्ष जयप्रकाश चाँडक, राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण सोमानी, संगठन मंत्री दीपक चाँडक, सांस्कृतिक मंत्री संदीप करनानी सहित अनेक युवा साथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। उक्त जानकारी युवा संगठन के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री शिवकुमार काष्ट ने दी।

युवाओं का संगठन से बढ़ा जुड़ाव

श्री काल्या ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में बताया कि 25 मार्च 2017 को सूरत में कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात युवा संगठन को और अधिक सक्रिय करते हुए अब तक देशभर में 32000 युवाओं साथियों को स्थानीय संगठन से जोड़ा जा चुका है और बहुत ही जल्द 50 हजार साथियों को सक्रिय सदस्य के रूप में स्थानीय संगठन से जोड़ लिया जाएगा। महेश नवमी महोत्सव पर देशभर में 200 से अधिक स्थानों पर रक्तदान शिविरों का आयोजन हुआ और 15 हजार से अधिक रक्त यूनिट एकत्र की गई जो अपने आप में ऐतिहासिक सफलता का द्योतक है। साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस पर देश और विदेश में 130 से अधिक योग शिविरों का आयोजन हुआ और उनमें 10 हजार से अधिक साथियों ने भाग लिया।

प्रतिभा प्रोत्साहन की भी तैयारी

युवा साथियों को उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित करने के लिए युवा शिक्षा रत्न 2017 योजना प्रसारित की गई। इसमें कक्षा 12वीं के माहेश्वरी विद्यार्थियों जिन्होंने 70 प्रतिशत से अधिक अंक वर्ष 2017 में प्राप्त किए उनके ऑनलाइन आवेदन लिए गए और 1325 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। उनमें देश के टॉप-10 और सभी प्रदेशों के टॉप-10 को प्रोत्साहित कर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही प्राप्त आवेदनों में से आर्थिक रूप से दुर्बल परिवारों के विद्यार्थियों को सर्विसेज के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। यह सभी सफलताएँ युवा संगठन की मजबूत स्थिति को दर्शाती हैं।

बिजनेस कॉन्क्लेव दिखाएगा दिशा

व्यापार और व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए 23 से 24 दिसंबर तक छत्तीसगढ़ प्रादेशिक युवा संगठन के आयोजकत्व में माहेश्वरी बिजनेस कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। उक्त आयोजन में देशभर के 1500 से 1700 युवा साथी भाग लेंगे। इसमें युवा साथियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। व्यापार व्यवसाय को बढ़ाने के लिए सरकार की योजनाओं और उनकी सब्सिडी से अवगत कराया जाएगा। कई बैंकों के प्रतिनिधि व संस्थाओं के प्रतिनिधि वहां पर मौजूद रहेंगे। इसी प्रकार देश के विभिन्न स्थानों पर युवा संगठन द्वारा सेमिनार का आयोजन भी कराया जा रहा है।

ये भी हुए बैठक में निर्णय

बैठक में खेल, कला, संस्कृति एवं साहित्य को प्रोत्साहित करने के लिए युवा संगठन द्वारा एक ट्रस्ट निर्माण की भी घोषणा की गई। आगामी 29, 30 अप्रैल व 1 मई को बद्रीविशाल धाम में राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक आयोजित करने तथा 29, 30 सितंबर एवं 1,2 अक्टूबर 2018 को जयपुर में खेल महोत्सव आयोजित किया जाने एवं आगामी दिसंबर 2018 में राष्ट्रीय बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया। देशभर में प्रत्येक तीन माह में दो दिन एक साथ विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रीय, प्रादेशिक, जिला एवं स्थानीय पदाधिकारियों के द्वारा भ्रमण कर समाज की समस्याओं को दूर किए जाने का निर्णय भी लिया गया।

ऋषिमुनि समूह द्वारा काल गणना की
प्राचीन नगरी उज्जयिनी से प्रकाशित
श्री विक्रमादित्य पञ्चाङ्ग
इतना सरल की अपने घर के पंडित आप खुद बन जाए
डेढ़ वर्षीय विवाह मुहूर्त के साथ
व्रत-पर्व देखना हो या शुभ मुहूर्त या
विवाह के लिए पत्रिका का करना हो मिलान
कहीं जाने की जरूरत नहीं, स्वयं देखें अपने पञ्चाङ्ग में
90, विद्या नगर, टेढ़ी खजूर दरगाह के पीछे, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन - 0734-2526761, मो. 094250-91161, 98275-59522
सभी प्रमुख बुक स्टॉलों पर उपलब्ध

मालपाणी को महेश भूषण पुरस्कार

अहमदनगर. महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा की ओर से प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ माहेश्वरी महेश भूषण पुरस्कार से ललिता मालपाणी (संगमनेर) को सम्मानित किया गया। साथ ही सन 2017 में दिए जाने वाले उत्कृष्ट जिला सभा पुरस्कार से अहमदनगर जिला माहेश्वरी सभा को सम्मानित किया गया। इसी के साथ प्रदेश के कुल 37 व्यक्तियों को पुरस्कार प्रदान किये गए। अहमदनगर जिला माहेश्वरी सभा के आतिथ्य में श्री क्षेत्र देवगड़ (नेवासा) में समाज भूषण ओंकारनाथ मालपाणी नगर में प्रदेश कार्यकारिणी की प्रथम बैठक तथा प्रदेशस्तरीय पुरस्कार सम्मान समारोह आयोजित हुआ। अभा माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी (नागपुर), महासभा संगठन मंत्री अजय काबरा (वाराणसी) व महाराष्ट्र प्रदेश सभा अध्यक्ष मधुसूदन गांधी (डोंबीवली) के करकमलों द्वारा पुरस्कार का वितरण हुआ। महासभा के उपसभापति अशोक बंग (नाशिक), महासभा संयुक्त मंत्री सतीश चरखा (जलगांव), स्वागताध्यक्ष मोहनलाल मानधना (अहमदनगर), प्रदेश संयुक्त मंत्री गणेशलाल बाहेती (संगमनेर), प्रदेश जनसंपर्क मंत्री मनीष मणियार (संगमनेर), मालपाणी उद्योग समूह के राजेश मालपाणी, गीता परिवार के डॉ. संजय मालपाणी आदि कई पदाधिकारी उपस्थित थे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विठ्ठलदास आसावा ने की। अतिथि स्वागत स्वागताध्यक्ष मोहनलाल मानधना ने किया। श्रद्धा मणियार तथा बरखा बाहेती ने बैठक का और सम्मान समारोह का नारायण राठी ने संचालन किया। आभार जिला मानद मंत्री अजय जाजू ने व्यक्त किया।

सांडवा प्रवासी माहेश्वरी सम्मेलन सम्पन्न

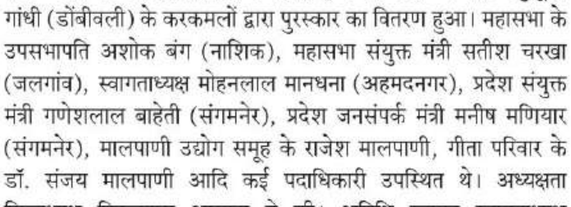

चूरू. उत्तरी राजस्थान प्रदेश के चूरू जिला के सांडवा ग्राम में एक ऐतिहासिक माहेश्वरी सम्मेलन 24 से 28 अक्टूबर के मध्य हुआ। सांडवा में यह दूसरा वार्षिक सम्मेलन था। इसमें कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, इंदौर, बुरहानपुर, मैनपुरी, गुवाहाटी, मुंबई, सूरत आदि जगह से सभी करीबन 70 सदस्य शामिल हुए। सभी आगंतुकों ने मातृ भूमि के विकास कार्यों के प्रति चिंतन किया। अनेक प्रवासी आपस में एक-दूसरे को जानते भी नहीं थे। सभी एक-दूसरे से मिलकर अति प्रसन्न हुए। प्रतिवर्ष ऐसे मिलन समारोह करते रहने का संकल्प लिया। मुंबई प्रवासी हेमंत तापड़िया ने सम्मेलन में मुख्य भूमिका निभाई। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य गौरीशंकर लखोटिया इंदौर, ओमप्रकाश तापड़िया दिल्ली, सुरेश लखोटिया बुरहानपुर आदि का भी सक्रिय योगदान रहा।

> "जीवन में वो ही व्यक्ति असफल होते है जो सोचते है पर करते नहीं।"

लघुकथा गोष्ठी का हुआ आयोजन

उज्जैन. जीवन से साक्षात्कार करने के लिए अपनी जमीन तलाशने की जरूरत लघुकथाकारों को आज भी है। उक्त विचार सरल काव्यांजलि के तत्वावधान में आयोजित लघुकथा गोष्ठी में चेन्नई से आए ख्यात समीक्षक प्रो. बी.एल. आच्छा ने व्यक्त किए। संस्था के संतोष सुपेकर ने बताया लघुकथा की रचना प्रक्रिया विधान पर वरिष्ठ साहित्यकार सतीश राठी (इंदौर) ने विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर सतीश राठी के संपादन में प्रकाशित 'क्षितिज' (समकालीन लघुकथा लेखन का संकलन) के आठवें अंक का विमोचन हुआ। लघुकथा के क्षेत्र में अविस्मरणीय अवदान के लिए आच्छा तथा श्री राठी का संस्था ने शॉल-श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया। शहर के लघुकथाकारों में संतोष सुपेकर, डॉ. प्रभाकर शर्मा, राजेंद्र नागर 'निरंतर', रमेशचंद्र शर्मा, राधेश्याम पाठक 'उत्तम', डॉ. पुष्पा चौरसिया, कोमल वाधवानी 'प्रेरणा' तथा आकाशगंगा ने प्रतिनिधि रचनाओं का पाठ किया। आभार प्रदर्शन संस्था सचिव डॉ. संजय नागर ने किया। पुष्पा राठी विशेष रूप से उपस्थित थीं।

नेत्र ऑपरेशन शिविर सम्पन्न

कोलकाता. तापड़िया विकास परिषद द्वारा मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी हॉस्पिटल में आंखों का ऑपरेशन शिविर गत 15 अक्टूबर को लगाया गया। 58 लोगों की आंखों का ऑपरेशन किया गया। संस्था संरक्षक भिकमचंद, अध्यक्ष बलदेव, उपाध्यक्ष देवकिशन, कृष्णमुरारी, सचिव विनय, सहसचिव चंद्रप्रकाश, घनश्याम आदि की उपस्थिति रहीं। परिषद हर साल ग्रामीण अंचल में नलकूप लगवाना, आँख का ऑपरेशन व पौधारोपण आदि गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

अध्यादेश का किया विरोध

भीलवाड़ा. पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू ने हाल ही में राज्य सरकार द्वारा विधानसभा में पेश किये गये अध्यादेश को भ्रष्ट लोकसेवकों व नेताओं को संरक्षण देने व मीडिया का गला घोंटने वाला काला कानून बताया है। श्री जाजू ने बताया अध्यादेश से मीडिया की भ्रष्टाचारियों की पहचान उजागर करने की स्वतंत्रता समाप्त होगी। श्री जाजू ने माननीय उच्च न्यायालय द्वारा उक्त अध्यादेश के संबंध में सरकार से जवाब तलब करने का भी स्वागत किया है। श्री जाजू ने कहा कि यह अध्यादेश संविधान द्वारा प्रदत्त मूल अधिकारों अनुच्छेद 14, अनुच्छेद 19 एवं अनुच्छेद 21 के विपरीत है।

पश्चिमी उत्तरप्रदेश में सेवा गतिविधियां

आगरा. अक्टूबर माह में पश्चिमी उत्तर प्रदेश महिला संगठन द्वारा अध्यक्ष विनीता राठी, सचिव मंजू हरकुट तथा कार्यसमिति सदस्य संगीता भट्टर के नेतृत्व में सेवा गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इसके अंतर्गत संगठन की बैठक भी आयोजित हुई। समिति सुश्रिता द्वारा प्रदेश सहसंयोजिका द्वारा कार्यरत महिलाओं का डेटा एकत्र करने का कार्य तथा सहारनपुर में दीपावली मेले का आयोजन किया गया। समिति सुगंधा द्वारा मीरापुर मंडल में गोद लिए गांव मुकल्लमपुरा में निर्धन बालिका के विवाह का आयोजन किया गया। सुकीर्ति संयोजिका द्वारा कोलकाता कार्यक्रम व सुलेखा द्वारा राष्ट्रीय स्तर की वाद विवाद प्रतियोगिता संबंधी सूचनी दी गई। हापुड़ मंडल द्वारा गांधी जयंती पर स्लम बस्ती के स्कूल में स्वच्छता पर निबंध स्पर्धा हुई। संचारिका द्वारा 16 से 20 दिसंबर तक कोलकाता में होने वाले खेल महोत्सव "उर्जिता" व राष्ट्रीय औद्योगिक मेले के आयोजन की जानकारी दी गई। सौष्ठा सहारनपुर मंडल द्वारा विश्व दृष्टि दिवस पर निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शतरंज स्पर्धा के लिए प्रदेश से खिलाड़ी चयनित किए गए। सुरभि द्वारा अंचल स्तर के सत्तू व राखी सजाओ प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए गए। सुरम्या व संवरना सहसवान, मीरापुर व कासगंज मंडलों ने निर्धन हरिजन कन्याओं के विवाह करवाए। सुषमा आगरा मंडल द्वारा बाढ़ पीड़ित बच्चों के लिए आवश्यक राहत सामग्री बांटी गई। गौशाला में 100 गायों के लिए गुड़ व चारे की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही अन्य सेवा गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।

महिला मंडल का हुआ गठन

मांडल. माहेश्वरी महिला मंडल की बैठक माहेश्वरी पंचायत भवन में जिलाध्यक्ष अनीता अजमेरा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में माहेश्वरी महिला मंडल का गठन कर सर्वसम्मति से दो वर्ष के लिए 6 पदाधिकारियों का मनोनयन कर कार्यकारिणी का गठन किया गया। चुनाव अधिकारी पवन मंडोवरा ने बताया कि इसमें अध्यक्ष आशा पटवारी, कौशल्या बिड़ला उपाध्यक्ष, सुधा बिड़ला सचिव, खुशबू लड्ढा कोषाध्यक्ष एवं चंदा झँवर सांस्कृतिक मंत्री नियुक्त की गईं। साथ ही कार्यकारिणी का गठन भी किया गया।

सेवा गतिविधियों का हुआ आयोजन

दिल्ली. पश्चिमी दिल्ली माहेश्वरी महिला संगठन ने 118 बच्चों के बचपन को मुस्कुराहट देने का प्रयास किया। इसमें 7 से 16 साल तक के बच्चों के दो ग्रुप से हिंदी में स्वच्छता अभियान पर प्रतियोगिता रखी गई। सभी बच्चों को उपहार स्वरूप दो-दो कापी व बोर्ड के साथ पुरस्कार तथा नाश्ता भी दिया गया। इस अवसर पर उत्तरांचल सहसचिव शर्मिला राठी, वीना विरमानी, प्रदेशाध्यक्ष किरन लड्ढा, सचिव श्यामा भांगडिया, निवर्तमान अध्यक्ष इंदु लड्ढा, महिला मुक्ति मोर्चा करोलबाग अध्यक्ष दामिनी चंदेला तथा पूर्व विधायक सुभाष सचदेवा उपस्थित थे। इसमें मंडल अध्यक्ष संजय मल्होत्रा, वंदना माहेश्वरी, रीटा गुलाटी, अध्यक्ष सरोज दम्मानी, सचिव संगीता कासट, सौष्ठा समिति संयोजिका स्नेह माहेश्वरी व मंजू जाजू आदि का सहयोग रहा।

गोपाष्टमी पर गोपूजन

रायपुर. माहेश्वरी महिला समिति ने गोपाष्टमी के शुभ अवसर पर गायों का पूजन किया। यह कार्यक्रम "रायपुर" की महावीर गोशाला में सम्पन्न हुआ। सभी बहनों ने केसरिया रंग की साड़ी पहनकर इस पुण्य के काम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। गऊ माता को साड़ी पहनाकर आरती की गई। कार्यक्रम में अध्यक्ष शशि बागड़ी, सचिव नंदा भट्टर, उपाध्यक्ष संगीता चांडक, शशि बंग, प्रचार-प्रसार भावना मड़दा, रेखा करवा, मंजू बागड़ी, शशि काबरा, मंजू राठी, श्रीकांता कोठारी, सुनीता लड्ढा आदि मौजूद थीं।

> "मेहनत इतनी खामोशी से करो
> की
> सफलता शोर मचा दे"

वरिष्ठ नागरिक संगठन का हुआ गठन

डांडेली. माहेश्वरी वरिष्ठ नागरिक संगठन का गठन जवाहरलाल बाहेती के नेतृत्व में किया गया। इसमें संगठन के करीबन 12 सदस्यों को सूचीबद्ध किया गया। प्रथम बैठक शिवप्रकाश माहेश्वरी के यहाँ सम्पन्न हुई। बैठक में सामाजिक, पारिवारिक विषयों पर चर्चा हुई। रामाकिशन बिदादा, जेके बियाणी व मोहन बाहेती ने भाग लिया।

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सम्पन्न

हैदराबाद. माहेश्वरी सेवा संघ सिकंदराबाद, माहेश्वरी युवा संगठन एवं लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद, भाग्यनगर के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम लक्ष्मी आनंद जाजू की फैक्ट्री में सम्पन्न हुआ। शिविर में भानजी खेमजी ब्लड बैंक, मैक्स वीजन ग्रुप, फैमिली प्लानिंग ऑफ इंडिया एवं लूपिन लेबोरेटरी आदि का सहयोग रहा। लगभग 400 लोगों ने शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। कार्यक्रम में लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद के अध्यक्ष श्यामलाल डोगे, मंत्री कर्नल आरएस डोगे, कोषाध्यक्ष ई. अनुपरानिया व सेवा संघ के सदस्यों ने पूर्ण सहयोग दिया। लक्ष्मीनारायण जाजू, आनंद जाजू व अभिषेक जाजू का विशेष योगदान रहा। जगदीश दरक, निर्मल फॉर्मा की ओर से दवाओं का निःशुल्क वितरण किया गया। संघ की ओर से पीडी जाखोटिया, गिरधारीलाल अट्टल, राकेश बंग, लक्ष्मीनारायण जाजू, बजरंग बजाज सहित चिकित्सकों एवं लायंस क्लब के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। रामेश्वरलाल बंग, मुन्नालाल बंग, लालचंद डागा, गिरधारीलाल अट्टल, किशोर अट्टल, वेणुगोपाल जाखोटिया, भगवतदास लोया, राजगोपाल अट्टल, बजरंगलाल बजाज, सुरेश लोया, राकेश बंग सहित अन्य समाजजन मौजूद थे।

न्यायाधिपति का अभिनंदन

बूंदी. राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर के न्यायाधिपति एवं निरीक्षण न्यायाधिपति बूंदी न्याय क्षेत्र महेंद्र माहेश्वरी से माहेश्वरी समाज से जुड़े लोगों ने शिष्टाचार भेंटकर स्वागत किया। श्री माहेश्वरी का गत 5 नवंबर को बूंदी आगमन पर स्थानीय सर्किट हाउस में श्री महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि. अध्यक्ष संजय लाठी, उपाध्यक्ष चतुर्भुज गुप्ता, सचिव विनोद मंत्री, निदेशक कुंजबिहारी बिल्या, श्री माहेश्वरी पंचायत संस्थान अध्यक्ष जगदीश जैथलिया, जिला माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष रेवती रमण बिरला, सुनील जैथलिया ने पुष्प गुच्छ से स्वागत कर स्मृति चिह्न भेंट किया। श्री माहेश्वरी ने सामाजिक विषयों पर चर्चा करते हुए विस्तार से बूंदी माहेश्वरी समाज की जानकारी ली।

महिला संगठन ने आयोजित किया नवचेतना

वरंगल. आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा नवचेतना कार्यक्रम के अंतर्गत सामाजिक नाटिका व प्रादेशिक पोस्टर स्पर्धा आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन आध्यक्ष रेणु सारड़ा, मंत्री उर्मिला जी, नवचेतना कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लक्ष्मीनारायण राठी, श्रीमान एवं श्रीमती गोपाल बल्दवा, दवेंद्र झंवर आदि ने भाग लिया। मध्याह्न सत्र में रमेश परतानी ने कार्यशाला में भाग लिया। इसमें समाज के बारे में रहन-सहन के बारे में बताया। इस अवसर पर वरंगल महिला मंडल से प्रादेशिक उपाध्यक्ष इंद्रा प्रहलाद सोनी, महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता कमलकिशोर मालाणी, मंत्री मृधुबाला घनश्याम दरक, उपाध्यक्ष माधुरी नंदकिशोर लाहोटी, सरिता राजगोपाल सोमाणी, नीतू गोपालदास बंग, सुमन हरिनिवास मनियार, सुनीता द्वारका मूंदड़ा, ममता लक्ष्मीकांत तोषणीवाल, विजया बालकिशन जाजू ने भाग लिया।

डॉ. कृष्णा माहेश्वरी सम्मानित

मांडल. राष्ट्रीय ब्रजभाषा अकादमी राजस्थान के स्वाधीनता पूर्व स्थापित 91 वर्ष पुराने हिंदी पुस्तकालय डींग भरतपुर का वार्षिक अधिवेशन गत 26 जुलाई को आयोजित हुआ। आशु निबंध, कविता एवं वाद विवाद प्रतियोगिता की अध्यक्षता कर डॉ. कृष्णा माहेश्वरी ने बच्चों को प्रेरित किया। इसी के अंतर्गत 27 जुलाई को विभिन्न क्षेत्रों में सम्मान पाने वालों में डॉ. कृष्णा माहेश्वरी ने कहानी स्पर्धा के सम्मान में अंगवस्त्र, सम्मान पत्र व नकद राशि कामा के महामंडलेश्वर श्री वल्लभाचार्यजी के कर कमलों से ग्रहण की।

> "छोड़ दो किस्मत की लकीरों पे
> यकीन करना,
> जब लोग बदल सकते हैं तो
> किस्मत क्या चीज़ है"

मध्यांचल की प्रतियोगिताएँ सम्पन्न

पिपरिया. माहेश्वरी महिला परिषद द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में चयन हेतु कैरम व बास्केटबॉल स्पर्धा का आयोजन पिपरिया में माहेश्वरी महिला संगठन की मध्यांचल उपाध्यक्ष ज्योति राठी रायपुर व ऊर्जिता खेल की मध्यांचल प्रभारी नम्रता बियाणी इंदौर के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर अभा कार्यसमिति सदस्य शोभा भट्टर, प्रदेश सचिव अनीता जावंधिया बनखेड़ी, सहसचिव राजश्री राठी, ऊर्जिता प्रभारी सरला भट्टर, जिला सचिव आशा मालपानी, प्रदेश माहेश्वरी सभा के संयुक्त मंत्री, सेवा मंडल के सचिव अजय घुरका, माहेश्वरी जिला सभा के अध्यक्ष बालकिशन टावरी, माहेश्वरी सेवा मंडल के अध्यक्ष नरसिंहदास भट्टर, महिला परिषद की अध्यक्ष बीना मूंदड़ा, सचिव अरुणा मूंदड़ा, सहसचिव साधना घुरका, उपाध्यक्ष किरण हुरकट, युवा संगठन अध्यक्ष निखिल सर्राफ व सचिव पराग लोया की उपस्थिति में प्रतियोगिताएँ सम्पन्न हुईं। इस दौरान विजेता खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्पर्धा ऊर्जिता के लिए चयन हुआ।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

कोलकाता. श्री नींबूतल्ला भवन ट्रस्ट एवं इसकी सहयोगी संस्था श्री नींबूतल्ला स्पोर्टिंग क्लब के सातवें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन गत 12 नवंबर को हुआ। शिविर में संभ्रात परिवार की कई जोड़ी सहित कुल 101 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। ट्रस्ट व क्लब मंत्री सुरेंद्रकुमार मूंधड़ा, शिविर के संयुक्त संयोजक मनमोहनदास मूंधड़ा व नंदकिशोर सादानी के प्रयासों से कार्यक्रम सफल रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में गजू चांडक, देवेंद्र बागड़ी, मनोज मल, किशन मूंधड़ा, राजा राठी, संतोष कोठारी, बिमल राठी, शिव बागड़ी, ट्रस्ट सभापति इंद्रकुमार मोहता, क्लब सभापति पुरुषोत्तमदास मिमानी का सहयोग रहा।

> सफलता का आधार है
> सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास

सेवल्या माता का हुआ रात्रि जागरण

बागोर. प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री सेवल्यामाता का विशाल रात्रि जागरण 27 अक्टूबर को आनंदपूर्वक संपन्न हुआ। रामजस सोनी ने बताया कि भजन गायिका डॉ. सुमन सोनी ने मंदिर प्रांगण में गणपति वंदना के साथ माताजी के भजनों की प्रस्तुतियां दीं। अगले दिन 28 अक्टूबर को सेवल्या माता परिवार की वार्षिक बैठक प्रातः 10 बजे अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी एवं पूर्व सभापति रामपाल सोनी के मुख्य आतिथ्य में हुई। विशिष्ट अतिथि युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार कालिया, जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू व अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष कैलाशचंद्र कोठारी ने की। सभापति श्री सोनी ने प्रेरणास्पद एवं ओजस्वी उद्बोधन में समाज में घटती जनसंख्या पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे आगे जाकर राष्ट्र को नुकसान होगा। प्रदेशाध्यक्ष व सेवल्या माता समिति अध्यक्ष कैलाशचंद्र कोठारी ने ट्रस्ट द्वारा संचालित कार्यक्रम की जानकारी दी। समारोह को पूर्व सभापति रामपाल सोनी, सचिव श्रीजानकी वल्लभ कोठारी, जीतू भाई कोठारी, उपसभापति (पश्चिमांचल) देवकरण गग्गड़, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार कालिया ने भी संबोधित किया। समारोह के पश्चात मातारानी की महाप्रसादी हुई। दिवंगत अध्यक्ष राजेंद्रकुमार कोठारी के असामयिक निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। नवीन कार्यकारिणी में अध्यक्ष कैलाशचंद्र कोठारी भीलवाड़ा, उपाध्यक्ष दिलीप सोनी औरंगाबाद व सुरेश सोनी हैदराबाद, सचिव जानकीवल्लभ कोठारी अलीराजपुर, कोषाध्यक्ष रामजस सोनी बागोर व सहसचिव जयप्रकाश सोनी पुणे को सर्वसम्मति से चुना गया।

स्व. राठी सभागृह का हुआ नवीनीकरण

अमरावती. स्थानीय श्री महेश सेवा समिति द्वारा संचालित महेश भवन के स्व. शंकरलाल राठी सभागृह का पूर्ण नवीनीकरण किया गया। इस कार्य का लोकार्पण गत 1 नवंबर को हुआ। सभागृह में 13 एसी लगाए गए। नई लाइट व पंखे लगाए गए। पीओपी भी किया गया। दो लिफ्ट लगाने का कार्य भी जल्द ही पूर्ण हो जाएगा, ऐसी आशा है। इस कार्यक्रम में 42 विद्यार्थियों को शैक्षणिक छात्रवृत्ति व शैक्षणिक सहायता की पूर्ण राशि 5 लाख 35 हजार रुपए चेक द्वारा प्रदान की गई।

"जिनको सपने देखना अच्छा लगता है
उन्हें रात छोटी लगती है
और
जिनको सपने पूरा करना अच्छा लगता है
उनको दिन छोटा लगता है।"

अर्श भगंदर रोग निवारण शिविर सम्पन्न

मांडलगढ़. विशिष्ट संगठन योजना अंतर्गत आयुर्वेद विभाग राजस्थान जिला महासभा एवं तहसील महासभा श्री महेश सेवा समिति मांडलगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में अर्श भगंदर रोग निवारण का आयोजन किया गया। शुभारंभ मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी गोपालसिंह शेखावत द्वारा किया गया। शिविर में रोगियों को दवाइयां, भोजन व रहने की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसील माहेश्वरी सभा अध्यक्ष गोवर्धनलाल झंवर ने की। विशिष्ट अतिथि जिला आयुर्वेदिक अधिकारी केदारेश्वर पंचोली, पूर्व जिला आयुर्वेद अधिकारी कैलाशचंद्र वैष्णव, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश गौतम, डॉ डी.सी. सारस्वत महेश सेवा समिति अध्यक्ष जगदीश तुरकिया नगर माहेश्वरी सभा अध्यक्ष मानसिंह मूंदड़ा, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य मुरलीमनोहर गट्टानी, तहसील सभा उपाध्यक्ष रामपाल मंत्री थे। कार्यक्रम में जिला प्रतिनिधि रमेशचंद्र बसेर, तहसील मंत्री ओमप्रकाश लढ़ा, जगदीश भंडारी, नगर युवा मंडल अध्यक्ष विनोद सोनी, पार्षद जीवन असावा, विनय झँवर, डॉक्टर गणेश नागर, माहेश्वरी युवा नगर मंत्री हेमंत तुरकिया, रमेश झँवर, रमेश सोमानी सहित कई लोग उपस्थित थे। संचालन प्रदेश प्रतिनिधि दीपक काबरा ने किया।

TIN-3207 1773385

With Best Compliments from

Wholesale Dealers in

2x2 Blouse Matching Lining, Cloth, Saree Falls & Fancy Duppatta etc.

Shree Bhagwati Fabrics

B.L. Dhiran 094470 50589 | **Ramesh Dhiran** 093886 07728

29, D.D. Bazar, Ground Floor
Gopala Prabhu Road, Ernakulam-035
Ph. : 0484-2372474

माहेश्वरी भवन की दूसरी मंजिल का शिलांयास

भीलवाड़ा. सामान्य लोग ही असामान्य काम करके दिखाते हैं। यही काम संजय कॉलोनी के सामान्य परिवार के लोगों ने कर दिखाया है। यह विचार अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी ने आरसी व्यास स्थित संजय कॉलोनी माहेश्वरी भवन के समारोह में व्यक्त किए। संजय कॉलोनी माहेश्वरी समाज ने यहाँ लगभग 70 लाख की लागत से माहेश्वरी भवन का प्रथम तल बनवाया और अब इसकी दूसरी मंजिल का निर्माण शुरू किया है। माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष राजकुमार काल्या ने भवन के साथ भीलवाड़ा जिले की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। संजय कॉलोनी माहेश्वरी समाज संस्थान के मंत्री कैलाशचंद्र मूंदड़ा ने भवन निर्माण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। भवन समिति के प्रभारी सत्यानारायण तोषनीवाल ने आभार व्यक्त किया। संचालन जगदीशप्रसाद कोगटा ने किया। समारोह में सांसद सुभाष बहेड़िया, अभा महासभा (पश्चिमांचल) के अध्यक्ष देवकरण गग्गड़, पूर्व उपाध्यक्ष आरएल नौलखा, दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक महासभा के अध्यक्ष कैलाशचंद्र कोठारी, माहेश्वरी महासभा के जिलाध्यक्ष केदारमल जागेटिया, नगर परिषद के पूर्व सभापति ओम नराणीवाल, कैलाशचंद्र मूंदड़ा, नगर परिषद सभापति ललिता समदानी, राधेश्याम चेचाणी, एसएन मोदानी आदि अतिथि मंचासीन थे।

> "आशावादी हर आपत्तियों में भी अवसर देखता है और निराशावादी बहाने !!!"

मोहता को मिला बेस्ट कोरियोग्राफर अवॉर्ड

बीकानेर. शहर के स्थायी निवासी व वर्तमान में मुंबई में कोरियोग्राफर के रूप में सेवा दे रहे श्री जस्ट ऑफ लाइफ के डायरेक्टर रतन मोहता बीकानेर निवासी बजरंगलाल मोहता के सुपुत्र हैं। जिला युवा संगठन मंत्री पवन राठी ने बताया कि नवरात्रि के पावन पर्व पर 30 सितंबर से 2 अक्टूबर तक माहेश्वरी प्रगति मंडल केंद्रीय युवा समिति द्वारा ऑल ओवर मुंबई के अंतर्गत डांस स्पर्धा आयोजित करवाई थी। इसमें रतन मोहता ने सेकेंड राउंड बेस्ट कोरियोग्राफर थर्ड पोजिशन का अवॉर्ड प्राप्त कर समाज का नाम गौरवान्वित किया।

डॉ. भंडारी का उपन्यास पुरस्कृत

मथुरा. साहित्यकार डॉ. विमला भंडारी द्वारा लिखे गये 'कारगिल की घाटी' किशोर उपन्यास को मथुरा उ.प्र. में पं. हरप्रसाद पाठक स्मृति बाल साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मथुरा में आयोजित सम्मान समारोह में पुरस्कार समिति अध्यक्ष शिवदयाल पाठक और सचिव डॉ. दिनेश पाठक शशि के हाथों विमला भंडारी ने वर्ष 2017 का यह पुरस्कार ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्हें शॉल, उपरना ओढ़कार सम्मान-पत्र, राधे कृष्ण की तस्वीर के साथ पुरस्कार की 2251 रु. नकद राशि प्रदान की गई।

करवाचौथ का सामूहिक आयोजन

चौहटन. माहेश्वरी महिला मंडल ने गत 8 अक्टूबर को मंडल अध्यक्ष रीता माहेश्वरी के सान्निध्य में करवा चौथ पूजा का आयोजन करवाया गया। इस भव्य ऐतिहासिक करवा चौथ पूजा में 250 महिलाओं ने पूजा की। इतनी भव्य करवाचौथ की सामूहिक पूजा का यह प्रथम आयोजन था।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...

सौ. स्नेहा बृजरत्न काबरा
अध्यक्ष - माहेश्वरी महिला मंडल गाडरवाड़ा

गाडरवाड़ा जिला नरसिंगपुर (म.प्र.)
मो. - 9425816280

काबरा ॲग्रो टॅक
बगीचा गाडरवाड़ा
07791-254480

युवा मंच ने आयोजित की प्रीमियम लीग

मालेगांव. श्री माहेश्वरी युवा मंच ने मालेगांव में माहेश्वरी भवन बनाने का स्वप्न पूर्ण करने के साथ-साथ सभी युवाओं और नवीन पीढ़ी को संगठित करने के उद्देश्य से बॉक्स क्रिकेट स्पर्धा 'माहेश्वरी प्रीमियर लीग 2017' का प्रथम बार आयोजन किया। युवा मंच ने इसमें 84 खिलाड़ियों से 12 टीमें तैयार की गईं। पवन झंवर, मोहित बाहेती, अजय मूंधड़ा, विष्णु मालपानी, कुनाल पोरवाल ने प्रोजेक्ट चेयरमैन का कार्यभार संभाला। सुमिता राजकुमार मूंधड़ा ने रचनाओं द्वारा सभी टीमों का उत्साहवर्द्धन कर सहयोग प्रदान किया। सर्वेश्वर लायंस टीम (काबरा परिवार द्वारा स्पांसर टीम) ने माहेश्वरी प्रीमियर लीग 2017 कप अपने नाम कर लिया। मुख्य स्पांसर एम टैक्स कारपोरेशन एवं सहस्पांसर नीतू मालपानी थे।

डॉ. बायती हुए सम्मानित

डांडोली. यूनेस्को फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष श्री श्याम बनवाणी की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर साहित्यकारों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर डॉ. बायती को प्रशस्ति-पत्र भेंटकर मानवीय गुणों के विकास में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

देवपुरा कांग्रेस कमेटी में शामिल

कुंभलगढ़. समाज सदस्य सत्यनारायण देवपुरा को राज प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सचिन पायलट ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य मनोनीत किया है। श्री देवपुरा पहले कुंभलगढ़ पंचायत समिति के प्रधान व राजसमंद जिला परिषद के सदस्य रह चुके हैं।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर सम्पन्न

आगूचा. (भीलवाड़ा). स्वर्गीय मांगीलाल जी व कस्तूरबादेवी सोनी स्मृति में रामस्नेही चिकित्सालय भीलवाड़ा एवं अंधता निवारण समिति के तत्वावधान में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ रामलाल एवं श्यामलाल सोनी द्वारा किया गया। शिविर में नेत्र रोग के 257, नाक-कान-गला 105, स्त्री रोग 43, शिशु रोग 35 एवं दंत के 28 रोगियों का इलाज परामर्श एवं दवा वितरण कर किया। 20 रोगियों का मोतियाबिंद ऑपरेशन रामस्नेही चिकित्सालय भीलवाड़ा में किया गया। डॉक्टर सुरेश भदादा, डॉक्टर राकेश मूंदड़ा, डॉक्टर विजेता गर्ग, डॉक्टर जयकुमार वैष्णव, डॉक्टर साहिल रजा ने सेवा दी। जीवराज जाट सरपंच, किशोर राजपाल प्रधानाध्यापक, राजेंद्र माहेश्वरी, शिवकुमार टेलर, कन्हैयालाल सोनी, सुरेंद्र माहेश्वरी सहित समस्त सदस्यों ने सेवा दी।

"भगवान के भरोसे मत बैठिये
क्या पता
भगवान आपके भरोसे बैठा हो"

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

Nandini Traders
Grain Marchant & Commission Agent
State Bank Road, Karanja (Lad) Dist. Washim (Akola Marchant)
Ph. : 07256-223042, Mobile : 9764274285

नंदिणी इन्टरप्राइजेस
पंताजली आयुर्वेद के थोक विक्रेता
स्टेट बैंक रोड, वर्धमान प्लाजा,
कारंजा (लाड) - जिला वाशिम - 444105

शेषनारायण देवीकिशन जी धूत

श्री महेश भवन का हुआ लोकार्पण

छापर. श्री माहेश्वरी सभा समिति छापर की ओर से नवनिर्मित महेश भवन का अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुदंर सोनी ने लोकार्पण किया। समारोह की अध्यक्षता उद्योगपति बजरंगलाल बाहेती ने की। मुख्य अतिथि महासभा महामंत्री संदीप काबरा और विशिष्ट अतिथि उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा प्रदेशाध्यक्ष सोहनलाल गट्टानी व उद्योगपति दामोदरप्रसाद सोमानी थे। कार्यक्रम की शुरुआत में पायल तापड़िया एंड पार्टी ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। समिति अध्यक्ष शिवनारायण चांडक ने पृष्ठभूमि की जानकारी दी। जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश राठी ने नवनिर्मित भवन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस दौरान समाज की मासिक पत्रिका का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में पूर्वोत्तर राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम परवाल, उमा परवाल, ममता जाखोटिया, सत्यनारायण जाजू, नानगराम तापड़िया, रामकिशन मूंदड़ा, फूसराज सारड़ा, पूसराज पेड़ीवाल, हेतुलाल करवा आदि उपस्थित थे। सभा के अंत में उद्योगपति बजरंगलाल बाहेती ने छापर समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा व आर्थिक क्षेत्र में आगे बढ़ने का आश्वासन दिया।

गोपाष्टमी व आंवला नवमी का आयोजन

बनखेड़ी. सुचिता समिति की संयोजिका शिखा माहेश्वरी के तत्वावधान में महिला मंडल द्वारा गोपाष्टमी को सामूहिक गाय का पूजन एवं आंवला नवमी के दिन आंवला वृक्ष का सामूहिक पूजन कर 27 से 31 अक्टूबर तक पांच दिवसीय निःशुल्क योग शिविर लगाया गया। इसमें काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया एवं आयुर्वेद के महत्व को समझा। श्रीमती माहेश्वरी द्वारा समापन के समय जड़ी बूटी के पौधे बांटे गए। इसी प्रकार राजेश सावल एवं नीलेश सावन द्वारा आंवला नवमी को मदनमोहन जी की हवेली में आंवला भगवान का उत्सव मनाया गया। इसमें माहेश्वरी समाज के सभी लोगों ने सामूहिक प्रसादी पाई।

> “ एक सपने के टूटकर
> चकनाचूर हो जानें के बाद
> दूसरा सपना देखने के हौसले को
> जिन्दगी कहते हैं !!! ”

सभापति का किया अभिनंदन

मांडल (भीलवाड़ा). मांडल माहेश्वरी भवन में श्यामसुंदर सोनी सभापति अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के प्रथम नगर आगमन पर शानदार स्वागत किया गया। श्री सोनी के साथ पूर्व सभापति रामपाल सोनी, देवकरण गग्गड़ उपाध्यक्ष भी थे। श्री सोनी ने माहेश्वरी समाज की घटती जनसंख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए अन्य समस्याओं पर प्रभावपूर्ण उद्‌बोधन दिया। महासभा द्वारा संचालित विभिन्न आर्थिक, मेडिकल, शैक्षणिक, व्यावसायिक ऋण की सहायता की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष ओमप्रकाश बिड़ला, नगर माहेश्वरी समाज अध्यक्ष कृष्णगोपाल ईनाणी व अन्य समाजजन मौजूद थे। माहेश्वरी महिला मंडल का गठन किया गया। जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू व जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पवन मंडोवरा ने किया।

मरीजों को किया फल वितरण

श्री सोनी तहसील माहेश्वरी सभा मांडल द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू ने की। विशिष्ट अथिति महासभा के उपसभापति देवकरण गग्गड़, प्रदेशाध्यक्ष कैलाश कोठारी, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष राजकुमार काल्या, युवा संगठन प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. नामधरानी, जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी, महिला जिलाध्यक्ष अनिला अजमेरा, जिला मंत्री सीमा कोगटा व तहसील सभा अध्यक्ष गोरधनलाल झंवर थे। सभा के अंत में आयुर्वेदिक विभाग व तहसील माहेश्वरी सभा द्वारा आयोजित निःशुल्क आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा शिविर में ऑपरेशन के बाद भर्ती मरीजों को अतिथियों द्वारा फल वितरित किए गए। नगर अध्यक्ष मानसिंह मूंदड़ा, महेश सेवा समिति अध्यक्ष जगदीश तुरक्या, युवा अध्यक्ष विनोद सोनी, युवा मंत्री हेमंत तुर्कीया, जिला प्रतिनिधि विनय झंवर, रमेश बसेर, तहसील उपाध्यक्ष रामपाल मंत्री, तहसील मंत्री ओम लढ़ा, पार्षद जीवन असावा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय भजन गायक दीपक काबरा ने किया।

महिला मंडल का हुआ गठन

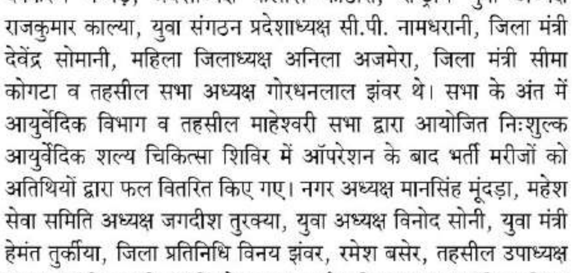

मांडल (भीलवाड़ा). माहेश्वरी महिला मंडल का गठन पवनकुमार मंडोवरा मुख्य चुनाव अधिकारी के सानिध्य में निर्विरोध रूप से मनोनयन द्वारा किया गया। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष आशा पटवारी, मंत्री सुधा बिड़ला, उपाध्यक्ष कौशल्या बिड़ला, सांस्कृतिक मंत्री चंदा झँवर व कोषाध्यक्ष खुशबू लड्ढा चुनी गईं। कार्यकारिणी सदस्यों का भी चयन हुआ। इस अवसर पर महिला मंडल की जिलाध्यक्ष अनिल मंडोवरा, मंत्री राधा न्याती आदि उपस्थित थीं।

महिला मंडल ने ली पद की शपथ

इंदौर. माहेश्वरी डीडवाना महिला मंडल 140 घर के नए सत्र का शपथ ग्रहण समारोह जया पलौड़ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि प्रीति काकाणी एवं विशेष अतिथि ज्योति सोनी थीं। संस्था अध्यक्ष उर्मिला मूंदड़ा एवं सचिव सुषमा मालू ने बताया कि संस्था डिडवाना महिला मंडल सदैव सामाजिक, पारिवारिक एवं मनोरंजक गतिविधियाँ आयोजित करने में अग्रणी रहा है। डॉ. वीणा सोनी एवं आशा सिंगी ने अध्यक्ष एवं सचिव के रूप में शपथ ग्रहण करते हुए आगामी सत्र के दौरान होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा बताई।

मानधनिया का हुआ सम्मान

सोलापुर. सोलापुर ज्येष्ठ नागरिक संघ की ओर से ''जीवन गौरव'' पुरस्कार से स्वामीजी श्री गोविंददेवजी गिरी (आचार्य किशोरजी व्यास) के करकमलों द्वारा समाज के वरिष्ठ गणेश मानधनिया का सत्कार प्रतीक चिह्न भेंट कर किया गया। श्री मानधनिया का माहेश्वरी प्रगति मंडल माजी अध्यक्ष, सोलापुर जिला माहेश्वरी सभा माजी अध्यक्ष, राजस्थान विकास मंडल माजी उपाध्यक्ष, माहेश्वरी सांस्कृतिक भवन माजी अध्यक्ष व रामकृष्ण सेवा प्रतिष्ठान अध्यक्ष ने भी अभिनंदन किया।

हेड़ा बने चेयरमैन

ब्यावर. उद्योग मंडल लिमिटेड ब्यावर के दीपावली स्नेह सम्मेलन के उपलक्ष्य में निदेशक मंडल की बैठक गत 28 अक्टूबर को होटल विक्रांत में सम्पन्न हुई। इसमें जाने-माने समाजसेवी उद्यमी मानकरण हेड़ा लगातार तीसरी बार चेयरमैन चुने गए। श्री हेड़ा उत्सव मंच, उपभोक्ता कल्याण समिति, आर्य समाज, माहेश्वरी समाज आदि अनेक संस्थाओं में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं।

> "यदि हार की कोई संभावना ना हो तो जीत का कोई अर्थ नहीं है।"

मिलन की खुशी के साथ 56 भोग की मिठास

माता महालक्ष्मी की उपासना के पर्व दीपावली के बाद अन्नकूट तथा दीपावली मिलन समारोह का देश के कोने-कोने में आयोजन हुआ। इन समारोहों में विभिन्न स्पर्धाओं के आयोजन के माध्यम से समाज की प्रतिभाओं को अपने प्रदर्शन के लिये मंच प्रदान किया गया। इनके द्वारा यह पर्व स्नेह व परस्पर परिचय का पर्व भी बन गया।

उदयपुर. स्थानीय महेश सोसाइटी (माहेश्वरी समाज) का दीपावली स्नेह मिलन एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान समारोह महावीर विद्या मंदिर, सेक्टर 13 में संपन्न हुआ। प्रचार प्रसार मंत्री गौतम सोमानी ने बताया कि मुख्य अतिथि सत्यनारायण माहेश्वरी (अध्यक्ष उदयपुर जिला माहेश्वरी सभा), विशिष्ठ अतिथि दामोदर खटौड़ (उपाध्यक्ष राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा), रामस्वरूप सेठिया (सचिव, राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा), शंकर मूंदड़ा (सचिव, उदयपुर नगर माहेश्वरी सभा), महेश सोसायटी के संरक्षक शंकरलाल भदादा व मुरलीधर गट्टानी थे। अध्यक्ष विजयराज गदिया ने उपस्थित अतिथियों का अभिनंदन किया। इस समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इस अवसर पर प्रतिभाओं का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन महेश सोसायटी के प्रचार-प्रसार मंत्री गौतम सोमानी एवं महेश महिला सोसायटी की सचिव नीलम पेड़ीवाल ने किया। पूर्णिमा दरगड़ ने आभार माना। समापन स्नेह भोज के साथ हुआ।

वरंगल. स्थानीय श्री माहेश्वरी समाज द्वारा गत 28 अक्टूबर को स्थानीय माहेश्वरी गार्डन में दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विशिष्ठ अतिथि प्रगतिशील मारवाड़ी समाज अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदड़ा थे। आयोजन समिति के संयोजक रामकिशोर मनियार ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान उमा-महेश के पूजन व महेश वंदना के साथ हुआ। आयोजन समिति के सहसंयोजक डॉ. विष्णुकुमार बल्दवा ने मंच का संचालन किया। सर्वप्रथम संयोजक रामकिशोर मणियार ने उपस्थित सभी का स्वागत किया। सभाध्यक्ष एवं माहेश्वरी समाज अध्यक्ष प्रहलाद सोनी ने भी संबोधित किया। समाज के मंत्री संपतकुमार लाहोटी ने समाज की कार्यप्रगति रिपोर्ट पेश की। महातंबोला, नृत्य व सामाजिक संदेश की लघु नाटिका की प्रस्तुति दी गई। समाज के वरिष्ठजन हीरालाल सारडा और सावित्रीदेवी जाखोटिया का सम्मान किया। समाज की प्रतिभओं का सम्मान भी किया गया।

कार्यक्रम में वरंगल जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष गोपाल तोषनीवाल, प्रादेशिक उपाध्यक्ष रमेशचंद बंग, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा सुनीता मालाणी, मंत्री मृदुबाला दरक, प्रादेशिक उपाध्यक्ष इंद्रा सोनी, माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष आदित्य बजाज, मंत्री प्रतीक लाहोटी, प्रादेशिक उपाध्यक्ष कमल डोडिया, माहेश्वरी समाज कार्यकारिणी के श्यामसुंदर जाखोटिया, नवल मणियार, जितेंद्र मूंदड़ा, सचिन मालाणी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन सहसंयोजक एवं समाज सहमंत्री डॉ. विष्णुकुमार बल्दवा के आभार प्रदर्शन व स्वरुचि सहभोज के साथ हुआ।

नागपुर. नगर माहेश्वरी सभा नागपुर द्वारा दिवाली स्नेह मिलन कार्यक्रम गत 29 अक्टूबर को संध्या 7 बजे से नागपुर में हुआ। नगर माहेश्वरी सभा अध्यक्ष पुरुषोत्तम मालू ने सभी का अभिवादन किया। नागपुर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष शिवरतनजी गांधी ने भी सामाजिक आर्थिक जानकारी के महत्व पर चर्चा की। मुख्य अतिथि जयप्रकाशजी काबरा (प्रख्यात कॉर्पोरेट व बिजनेस ट्रेनर), मुंबई थे। नृत्य नाटिका, बेस्ट कपल कॉन्टेस्ट एवं नवयुगलों द्वारा दशरथ नंदन की झांकी आदि आयोजित की गई। कार्यक्रम प्रभारी रमेश मंत्री, मुख्य संयोजक नीरज लखोटिया सहसंयोजक प्रकाश हेड़ा, महिला संयोजिका संगीता मंत्री व सहसंयोजिका अंशु काबरा थीं। नगर सभा सचिव राजेश काबरा ने मंच संचालन किया। सहसंयोजक प्रकाश हेड़ा ने सभी का आभार माना। कार्यक्रम में पूनमचंद मालू, श्याम राठी, सत्यनारायण राठी, एक्साइज कमिश्नर संजय राठी, अशोक एवं विट्ठल तापड़िया, मदनमोहन डागा आदि उपस्थित थे।

▶▶ **रायपुर.** माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी युवा मंडल के संयुक्त तत्वावधान में गत 29 अक्टूबर को माहेश्वरी भवन में दीपावली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गोवर्धननाथ को 56 भोग व अन्नकूट का भोग लगाकर किया गया। माहेश्वरी महिला समिति द्वारा आंवला नवमी के अवसर पर आंवले के पेड़ की पूजा की गई। इस आयोजन का यह सातवां वर्ष था। कार्यक्रम को सफल बनाने में विजय दम्मानी, अजय सारडा, सुरेश बागड़ी, ज्योति राठी, शशि बागड़ी, नंदा भट्टड़, गोपाल बजाज, राजेश तापड़िया, सुरेश मूंदड़ा, सीए राजेश राठी, डॉ. रवि राठी, आलोक बागड़ी, जगदीश चांडक आदि का सहयोग रहा।

▶▶ **नागपुर.** माहेश्वरी संगठन महल व ज्योति महिला मंडल द्वारा दीपावली मिलन व अन्नकूट उत्सव डीडी नगर स्कूल ग्राउंड महल में आयोजित हुआ। माहेश्वरी संगठन के संस्थापक अध्यक्ष खुशालचंदजी भूतड़ा, अध्यक्ष मधुसूदन बिंझाणी, सचिव विजयकुमार लड्डा व संयोजक संजय राठी थे। ज्योति मंडल अध्यक्षा इंदिरा सावल, सचिव कल्पना मोहता व संयोजिका ज्योति भूतड़ा थीं। प्रमुख अतिथि शरद गोपीदास बागड़ी पोर्ट फोलियो कंसल्टेंट, लेखक व समाजसेवक थे। श्री बागड़ी का परिचय अध्यक्ष मधुसूदन बिंझाणी व हिमांशु चांडक ने दिया। विजयकुमार लड्डा, संजय राठी ने शॉल-श्रीफल देकर प्रमुख अतिथि श्री बागड़ी का सत्कार किया।

▶▶ **नीमच.** समाज के युवा एवं महिला वर्ग की सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के आयोजन से समाज में नई ऊर्जा का संचार होता है। उक्त उद्‌गार माहेश्वरी समाज द्वारा माहेश्वरी भवन में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में समाज के अध्यक्ष ओमप्रकाश मंत्री ने व्यक्त किए। अध्यक्ष दिनेश लढ़ा ने सामाजिक कुरीतियों को मिटाने में महिलाओं एवं युवाओं से जागरूक होकर आगे आने की अपील की। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा विभिन्न खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम अध्यक्ष वंदना मंत्री के नेतृत्व में हुए। समाजजनों का अन्नकूट एवं मिलन समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सत्यनारायण गगरानी, नारायणदास बाहेती, उपाध्यक्ष परमेश्वर नवाल, सचिव रमेश सोनी, कमलेश मंत्री, अतिश तोतला, पार्षद रवि माहेश्वरी, मुकेश बाहेती, मुरलीधर मंडोवरा, मनोज नवाल, तरुण बाहेती, शरद गगरानी आदि कई समाजजन बड़ी संख्या में मौजूद थे।

▶▶ **कोटा.** पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक सभा द्वारा गत 29 अक्टूबर को श्री माहेश्वरी पब्लिक स्कूल श्रीनाथपुरम कोटा में अन्नकूट एवं प्रदेश सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन श्री माहेश्वरी समाज कोटा के सान्निध्य में माहेश्वरी पंचायत कोटा द्वारा किया गया। इसमें संरक्षक श्रीकृष्ण बिरला, मुख्य अतिथि श्यामसुंदर सोनी सभापति अभा माहेश्वरी महासभा, अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला कोटा, विशिष्ट अतिथि देवकरण गग्गड़ उपसभापति, जुगलकिशोर सोमानी संयुक्त मंत्री अभा माहेश्वरी महासभा, आशा माहेश्वरी महामंत्री अभा माहेश्वरी महिला संगठन, राजकुमार काल्या अध्यक्ष अभा माहेश्वरी युवा संगठन उपस्थित थे। कार्यक्रम में श्री चारभुजा नाथ की झाँकी सजाई गई एवं 56 भोग की झाँकी सजाई गई। महाआरती के उपरांत अन्नकूट की महाप्रसादी संपन्न हुई। कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष बालकृष्ण बांगड़, प्रदेश मंत्री घनश्याम लाठी, उपाध्यक्ष केके राठी, विष्णुकुमार साबू, पुरुषोत्तम नुवाल संगठन मंत्री, राधेश्याम मूंदड़ा जिलाध्यक्ष कोटा केडी मोहता, जिला मंत्री ओपी गट्टानी, बूंदी जिलाध्यक्ष घनश्याम नकलक, जिला मंत्री चंद्रभानु लाठी, बारां जिलाध्यक्ष योगेश मंत्री, जिला मंत्री केके सथूरिया झालावाड़, जिलाध्यक्ष नवनीत मालपानी, महिला प्रदेशाध्यक्ष संतोष तोषनीवाल सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

▶▶ **कोलकाता.** दीपावली प्रीति सम्मेलन में सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्यामसुंदर बेरीवाल ने मारवाड़ी समाज के लोगों से निर्भिकता से व्यापार करने की अपील की। श्री बेरीवाल ज्ञान मंच के सभागार में प. बंगाल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित मारवाड़ी समाज के परंपरागत दीपावली प्रीति सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में बोल रहे थे। प्रीति सम्मेलन में भारी बारिश के बावजूद समाज के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे थे। संचालन विश्वम्भर नेवर ने किया। भानीराम सुरेका ने स्वागत भाषण दिया। आभार सम्मेलन के अध्यक्ष जगदीशचंद्र मूंधड़ा ने माना। डीके सर्राफ, मदनलाल बामलवा, जयकुमार करनानी, विश्वनाथ केड़िया, के.के. सिंघानिया, एमएम माहेश्वरी, आशा माहेश्वरी, कांता भूतोड़िया आदि कई गणमान्यजन मौजूद थे।

▸▸**हैदराबाद.** माहेश्वरी सेवा संघ सिकंदराबाद का दीपावली स्नेह मिलन व अन्नकूट कार्यक्रम बांठिया गार्डन, सिखविलेज में संपन्न हुआ। अतिथि के रूप में गोपाल बल्दवा व राजेश मालपानी उपस्थित थे। संस्था अध्यक्ष गोपाललाल बंग व मंत्री पीडी जाखोटिया ने सभी का स्वागत किया। गायक अनिरुद्ध शर्मा ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। घनश्याम झँवर, बद्रीविशाल मूंदड़ा, लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा, घनश्यामलाल बंग, रामगोपाल अट्टल, हरिकिशन बंग, गिरधारी अट्टल, सीताराम लखोटिया, सत्यनारायण मूंदड़ा, हनुमानप्रसाद मोहता, रामेश्वरलाल बंग सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे।

▸▸**नागदा.** छोटी दीपावली पर माहेश्वरी समाज ने अन्नकूट एवं तुलसी विवाह का आयोजन माहेश्वरी धर्मशाला पर किया। इस अवसर पर शोभायात्रा निकाली गई। यह विभिन्न मार्गों से होती हुई माहेश्वरी भवन पहुंची। महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। तुलसी विवाह के मुख्य यजमान मनोज-नीता राठी थे। माहेश्वरी महिला मंडल, सोशल ग्रुप, युवा कपल ग्रुप का सहयोग रहा। अतिथि के रूप में प्रकाश माहेश्वरी, प्रदेश सदस्य गोविंद मोहता, बसंत मालपानी, उज्जैन जिलाध्यक्ष वासुदेव काबरा, सचिव गोपाल मोहता, जिला युवा संगठन अध्यक्ष सुनील माहेश्वरी, सचिव बब्बू राठी सहित समाज अध्यक्ष सतीश बजाज, सचिव अशोक बिसानी, महिला मंडल अध्यक्ष सीमा मालपानी, सचिव तारा मोहता थे। कार्यक्रम का संचालन घनश्याम राठी द्वारा किया गया। जानकारी विपिन मोहता ने दी।

▸▸**भीलवाड़ा.** जिला दरगड़ परिवार महिला मंडल ट्रस्ट के तत्वावधान में दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन दरगड़ परिवार के कुलदेवता प्रागेडा बालाजी (केकड़ी) जिला अजमेर में गत 29 अक्टूबर को किया गया। इस अवसर पर जिले के दरगड़ परिवार के वरिष्ठजनों का सम्मान भी किया गया तथा मंदिर प्रांगण में 56 भोग का आयोजन किया गया। भजनों की प्रस्तुतियाँ सुमित्रा दरगड़, कांता, कलावती, शारदा, शंकुतला दरगड़ आदि ने दी। 56 भोग समारोह को सफल बनाने में गोपाल, राधेश्याम, रमेश, कैलाश व राजेश दरगड़ का विशेष सहयोग रहा। आभार अध्यक्ष सुमित्रा दरगड़ ने माना।

▸▸**इंदौर.** माहेश्वरी रॉयल्स की सप्तम वर्ष की सातवीं सभा पद्मावती गार्डन में गत 5 नवंबर को अन्नकूट महोत्सव के रूप में हुई। संस्थापक मुनीश-किरण मालानी, अध्यक्ष ओम-स्वाति टावरी व सचिव शरद-सरला साबू ने बतलाया कि सभा में लगभग 200 से अधिक सदस्य शामिल हुए। आयोजन में जूठा न छोड़ने का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम समन्वयक ओमप्रकाश-सुनीता मालपानी, संयोजक भगवानदास-आशा परतानी व विनोद-नीता राठी ने बताया कि सभा के अंतर्गत रॉयल्स दंपतियों से पुराने कपड़ों का संग्रह कर विभिन्न स्थानों पर वितरण किया गया। दवाइयों का एकत्रीकरण कर एमवाय अस्पताल में दी गई।

▸▸**हैदराबाद.** सिकंदराबाद माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में दीपावली मिलन एवं तंबोला का आयोजन एक होटल में किया गया। मंडल की अध्यक्ष रजनी राठी एवं मंत्री सुनीता मंत्री ने बताया कि मुख्य अतिथि के रूप में मंजू बल्दवा, विशेष अतिथि के रूप में अमिता तथा सम्मानीय अतिथि के रूप में सीमा ईनानी ने कार्यक्रम में भाग लिया। सुमित्रा बंग, किरण बजाज एवं तारा बंग ने अतिथियों का सम्मान किया। इस अवसर पर तंबोला सहित विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष तारा मोदानी, प्रचार मंत्री सुनीता आगीवाल, उपाध्यक्ष शोभना भट्टड़, सहमंत्री तारा बंग, कार्यकारिणी सदस्य उषा बल्दवा, विजया बंग, संतोष झँवर, शशि सारडा, किरण बजाज, राजू गाँधी, गौरी चौकड़ा, अर्चना मालानी व सीमा ईनानी ने सहयोग दिया।

▸▸**अमृतसर.** स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा अध्यक्ष हर्षवर्धन बिड़ला के नेतृत्व में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें महिला मंडल की प्रधान अरुणा बिड़ला व सचिव वीणा साबू भी शामिल हुईं। समारोह में समाज के बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सभा के सचिव महेश झँवर ने सभी आंगतुकों का आभार व्यक्त किया।

हैदराबाद. माहेश्वरी महिला मंडल, दोमलगुड़ा, हिमायत नगर द्वारा दीपावली पारिवारिक स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन हिमायत नगर स्थित होटल प्लैटिनम में किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों का शॉल और पुष्पगुच्छ द्वारा सम्मान किया गया। डॉ. गोपीकिशन सोनी, जानकीलाल संघी व कमला बजाज का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन पूजा बंग व आरती संघी ने किया। मंडल की गतिविधियों की जानकारी अध्यक्ष किरण बजाज व मंत्री शशिकला डालिया ने दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोषाध्यक्ष उर्मिला बंग, सहमंत्री अरुणा मालपानी, उपाध्यक्ष सुवर्णा परतानी, वंदना बंग, कार्यकारिणी सदस्य रमा काबरा, किरण सारडा, उर्मिला करवा, रीना बल्दवा, अंजना अट्टल, सुमन सारडा व अन्य ने सहयोग प्रदान किया।

वर्धा. माहेश्वरी मंडल के दीपावली मिलन समारोह में 4300 से भी अधिक कार्यशालाओं को संबोधित कर चुके ख्यात वक्ता मुंबई के जयप्रकाश काबरा ने मानवीय व्यवस्थापन के अनेक गुर बतलाए। अपनी माँ का देहांत होने के बावजूद उन्होंने अपना पूर्व निर्धारित कार्यक्रम जारी रखा। माहेश्वरी मंडल के सचिव संदीप पनपालिया, महिला मंडल की सचिव प्रीति राठी, नवयुवक मंडल के सचिव चेतन लड्ढा, नवयुवती मंडल की सचिव नेहा भूतड़ा ने इस वर्ष की कार्यकारिणी से सदन को परिचित कराया। अतिथि परिचय राजकुमार जाजू ने दिया व आभार शचिंद्र राठी ने प्रदर्शित किया। अतिथियों को स्मृति चिह्न परमानंद टावरी तथा रमेश केला ने प्रदान किए।

इंदौर. श्री बालाजी क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन एवं श्री बालाजी क्षेत्र माहेश्वरी सखी संगठन के संयुक्त तत्वावधान में तुलसी विवाह का कार्यकम बड़ी ही धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इसमें एक ब्राह्मण कन्या का विवाह भी करवाया गया। दो दिवसीय उत्सव के प्रथम दिवस दोपहर में मेहंदी कार्यक्रम रखा गया, जिसमे संगठन सदस्याओं के साथ तुलसी विवाह परिवार बंधुओं ने मेहँदी बनवाई। संगठन अध्यक्ष सीमा गगरानी, माधुरी सोमानी व सचिव रचना मालपानी, सुमन सोनी एवं यजमान पुष्पावती भगवान पाटीदार व सुनीता राजेश विजयवर्गीय परिवार द्वारा समस्त विवाह की रस्में पूर्ण की गईं। इस अवसर पर अशोक ईनानी, भरत तोतला, अनिल मंत्री, अनिल काकानी, राजेश सोमानी, गोविंद बेड़िया, राहुल मानधन्या, लखन लड्ढा, ओम भूतड़ा, कमलेश गगरानी, अजय सोडानी, चंद्रमोहन माहेश्वरी, सागरमल खटोड़ सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक शोभा भूतड़ा, पायल लाठी, कृष्णा बाहेती, रेखा काकानी, सुषमा चिचानी, पायल मालपानी, समता लखोटिया, कामिनी लड्ढा आदि द्वारा सभी व्यवस्थाओं को बहुत ही सुंदर रूप से संयोजित किया गया। आभार सचिव रचना मालपानी व सुमन सोनी द्वारा व्यक्त किया गया।

इंदौर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन का दीपावली मिलन समारोह वीडी तोषनीवाल परिसर स्थित सभागार में सम्पन्न हुआ। संस्थाध्यक्ष प्रमिला भूतड़ा ने बताया कि कार्यक्रम पूरे इंदौर शहर के सभी क्षेत्र की महिला संगठन सदस्याओं की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। संस्था सचिव सुमन सारडा ने बताया कि इस कार्यक्रम के अतिथि वक्ता विश्वासजी थे। जिन्होंने मोटिवेशनल स्पीच में 'महिलाओं में तनाव और इससे मुक्ति' विषय पर अपनी बात कई उदाहरण देकर समझाई। अतिथियों का स्वागत प्रमिला भूतड़ा, सुमन सारडा, संयोजिका सुलेखा मालपानी, मीरा बंग, पूनम मालपानी एवं सीमा माहेश्वरी ने किया। कई मनोरंजक गेम्स के साथ यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। राष्ट्र व प्रदेश की वरिष्ठ सदस्याओं सुशीला काबरा, निर्मला बाहेती, वीणा सोमानी, रमा सारडा आदि उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन पूनम मालपानी ने किया। आभार सुमन सारडा ने माना।

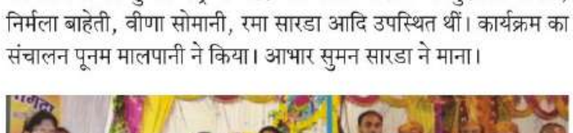

नागदा जंक्शन. श्री माहेश्वरी समाज एवं माहेश्वरी महिला मंडल नागदा के तत्वावधान में शालिग्राम संग तुलसी विवाह का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी भवन पर किया गया। इसके पूर्व शाम को मंडी रेलवे कॉलोनी शंकर मंदिर से भगवान शालिग्रामजी की बारात निकाली गई। इस विवाह समारोह के मुख्य यजमान (लाभार्थी) स्नेहलता राठी, मनोज रामचंद्र राठी एवं राठी परिवार थे। शाम को विवाह समारोह के साथ ही समाज के अन्नकूट एवं दीपावली मिलन समारोह का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष सतीश बजाज, सचिव अशोक बिसानी, महिला मंडल अध्यक्ष सीमा मालपानी, सचिव तारा मोहता के साथ जिलाध्यक्ष डॉ. वासुदेव काबरा, महिला मंडल जिलाध्यक्ष कृष्णा जाजू व उषा सोडानी अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समाज के वरिष्ठ गोविंदलाल मोहता, बंशीलाल राठी, ताराचंद मालपानी, गोपाल मोहता, नरेंद्र राठी, डॉ. प्रकाश माहेश्वरी, प्रदीप राठी, बंशीलाल मालपानी, मुरलीधर राठी, राजेंद्र मंडोवरा आदि कई सदस्य व सदस्याएँ मौजूद थे।

▸▸ **जयपुर.** श्री माहेश्वरी समाज जयपुर का दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव भक्ति संध्या के साथ गत 29 अक्टूबर को शाम 6 बजे से माहेश्वरी विद्यालय, तिलक नगर प्रांगण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर भगवान श्रीनाथजी की छप्पन भोग की भव्य झाँकी सजाई गई। समाज अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा ने समारोह के मुख्य अतिथि, सीए दिनेश भट्टड़, विशिष्ट अतिथि प्रमुख समाजसेवी गिरिराज प्रसाद सोमानी, प्रमुख उद्योगपति संजय काबरा तथा समाजसेवी संजय माहेश्वरी (झँवर) का स्वागत किया। समाज महामंत्री संजय माहेश्वरी ने श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर की गतिविधियों एवं महत्पूर्ण उपलब्धियों की जानकारी देते हुए समाजबंधुओं से अन्न एवं धन का अपव्यय रोकने के लिए अपने परिवार के समारोह में समाज द्वारा निर्धारित अधिकतम व्यंजन सीमा का पालन अवश्य करने की अपील की। इस आयोजन में ज्योति माहेश्वरी, रामकिशन जाजू, किशनदास घाटीवाला, राजेंद्र-सुरेंद्र साबू, ओमप्रकाश खटौड़, प्रदीप बाहेती, श्रीकिशन अजमेरा, द्वारका नोवाल, दिलीप मालपानी, जुगलकिशोर तोषनीवाल, महेश भुराड़िया, नंदकिशोर अभिषेक बाहेती, सुनील मणिहार एवं मनमोहन बागला का सहयोग रहा। संयोजक अशोक जाजू थे।

▸▸ **जोधपुर.** माहेश्वरी समाज समिति ने अपना दीपावली मिलन कार्यक्रम श्री माहेश्वरी भवन में हर्षोल्लास से मनाया। मुख्य अतिथि आरजेएस आरती माहेश्वरी, विशिष्ठ अतिथि गोपाल साबू, अतिविशिष्ठ अतिथि मनोहरलाल पुंगलिया थे। अध्यक्ष ओमप्रकाश लाहोटी ने बताया कि समाज की कई प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर हाल ही में आरएएस परीक्षा में चयन होने पर मनीष माहेश्वरी का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में योगेंद्र माहेश्वरी, पुखराज फोफलिया, अरुण बंग, राजेंद्र राठी, सुरेशचंद्र भूतड़ा, दिलीप लाहोटी, राजेंद्र भूतड़ा, उमा बिड़ला, प्रेरणा मंत्री, अनिता कालानी सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे। अंत में आभार श्यामसुंदर धूत सहसचिव ने माना।

रायपुर. माहेश्वरी सभा का दीपावली मिलन कार्यक्रम माहेश्वरी भवन डूंडा में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण गिरिराज धरन की आकर्षक झाँकी एवं अन्नकूट महोत्सव था। भजनों की प्रस्तुति के साथ सभा के फ्रेंड्स सर्किल के विशेष सहयोग से झाँकी बनाई गई। सभा के अध्यक्ष विजयकुमार दम्मानी, छग प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सचिव नारायण राठी एवं सभा के वरिष्ठ सदस्य एवं छग शासन के राज्यमंत्री छगन मूंधड़ा ने अपना शुभकामना संदेश दिया। महामंत्री सुरेशकुमार बागड़ी ने माहेश्वरी भवन डूंडा की भावी योजनाओं की जानकारी दी। माहेश्वरी महिला समिति द्वारा आंवला नवमी के कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की उपाध्यक्षा ज्योति राठी, जगदीश झँवर, सुशील मालानी, डॉ. सतीश राठी, देवरतन बागड़ी, गोपाललाल राठी आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

महेश अर्बन को.ऑप. क्रेडिट सोसायटी मर्यादित मलकापूर

गौरक्षण कॉम्पलेक्स बुलढाणा रोड मलकापुर र.न. 1227 फोन - 0726722773

- संस्था 28 साल से तरक्की की ओर अग्रसर
- संस्था को लगातार अंकेक्षण वर्ग 'अ'

आर्थिक स्थिति वर्ष

- कुल डिपॉझिट 23.84 करोड, कर्ज विवरण 17.82 करोड़
- निवेश 9.71 करोड़, कुल मुनाफा 32.61 लाख

संस्था के सामाजिक एवं लोकोपयोगी कार्य

▸▸ सभासदों के प्राविण्य प्राप्त पाल्य को पुरस्कारन ▸▸ सभासदों का 100,000/-विनामूल्य सुरक्षा बीमा
▸▸ सामाजिक एवं राष्ट्रीय उपक्रम में सहभाग ▸▸ राष्ट्रीय आपात स्थिति में आर्थिक एवं सक्रीय सहभाग
▸▸ गणेशोत्सव एवं पोला उत्सव में पुरस्कार ▸▸ बेवारस प्रेतों का अंतिम संस्कार
▸▸ योग साधना एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा उपचार शिविर
▸▸ शीतल जल सेवा केंद्र ▸▸ सभासदों को उपचार के लिए आर्थिक मदद ▸▸ एक्युप्रेशर शिविर

मखनलाल मूंधड़	किशोर बाहेती	सुनील अग्रवाल
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	व्यवस्थापक

संचालक मंडल एवं कर्मचारीवृंद

महेश अर्बन को. ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी मर्यादित मलकापुर

आकाश बने सीए

चौहटन. समाज सदस्य अशोककुमार मथराणी के सुपुत्र आकाश माहेश्वरी ने सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

हिमांशु को 10 सीजीपीए

जोधपुर. समाज सदस्य महेश व सुमन सोनी के सुपुत्र हिमांशु सोनी ने सीबीएसई कक्षा दसवीं की परीक्षा 10 सीजीपीए के साथ उत्तीर्ण की। इसमें हिमांशु ने सभी विषयों में ए ग्रेड प्राप्त की है।

सलोनी बनी सीएस

जोधपुर. समाज की प्रतिभावान छात्रा सलोनी सुपुत्री विजय मालपाणी ने आईसीएसआई की कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) की परीक्षा तीनों समूहों में उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है। इसमें सलोनी ने ऑल इंडिया में 19वीं रैंक प्राप्त की है।

राधिका बनी सीए

नागपुर. प्रतिष्ठित समाजसेवी बल्लभदास मोहता की सुपुत्री राधिका मोहता ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की है। नृत्य तथा पढ़ाई में रुचि रखने वाली राधिका शुरू से ही मेधावी छात्रा रही हैं।

नेहल कॉलेज में टॉपर

जोधपुर. ख्यात लेखिका व समाजसेवी स्वाति जैसलमेरिया तथा नवीन जैसलमेरिया की सुपुत्री नेहल ने बीसीए की परीक्षा 77.5 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम श्रेणी में विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण की है। इसमें नेहल ने लाचू मेमोरियल कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

सच्चाई वो दिया है
जिसे अगर पहाड़ की
चौटी पर भी रख दो
तो बेशक रोशनी कम करे
पर दिखाई
बहुत दूर से भी देता है।

शुभम को 91 प्रतिशत अंक

बालोतरा (राज). समाज सदस्य रामचंद्र मानधना व स्वाति मानधना के सुपुत्र शुभम ने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा की बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा 91.67 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इसमें उन्होंने गणित में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए सभी विषयों में विशेष योग्यता प्राप्त की। सभी स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

प्रांजल ने लिया राष्ट्रीय स्पर्धा में भाग

जोधपुर. समाज सदस्य सीए अरविंद सोनी की कक्षा सातवीं में अध्ययनरत 12 वर्षीय सुपुत्री प्रांजल सोनी ने पेट्रोलियम व नेचुरल गैस मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला स्पर्धा में भाग लिया। इसमें उन्होंने जूनियर वर्ग में "ऑईल व गैस कन्जर्वेशन" विषय पर अपनी प्रस्तुति दी।

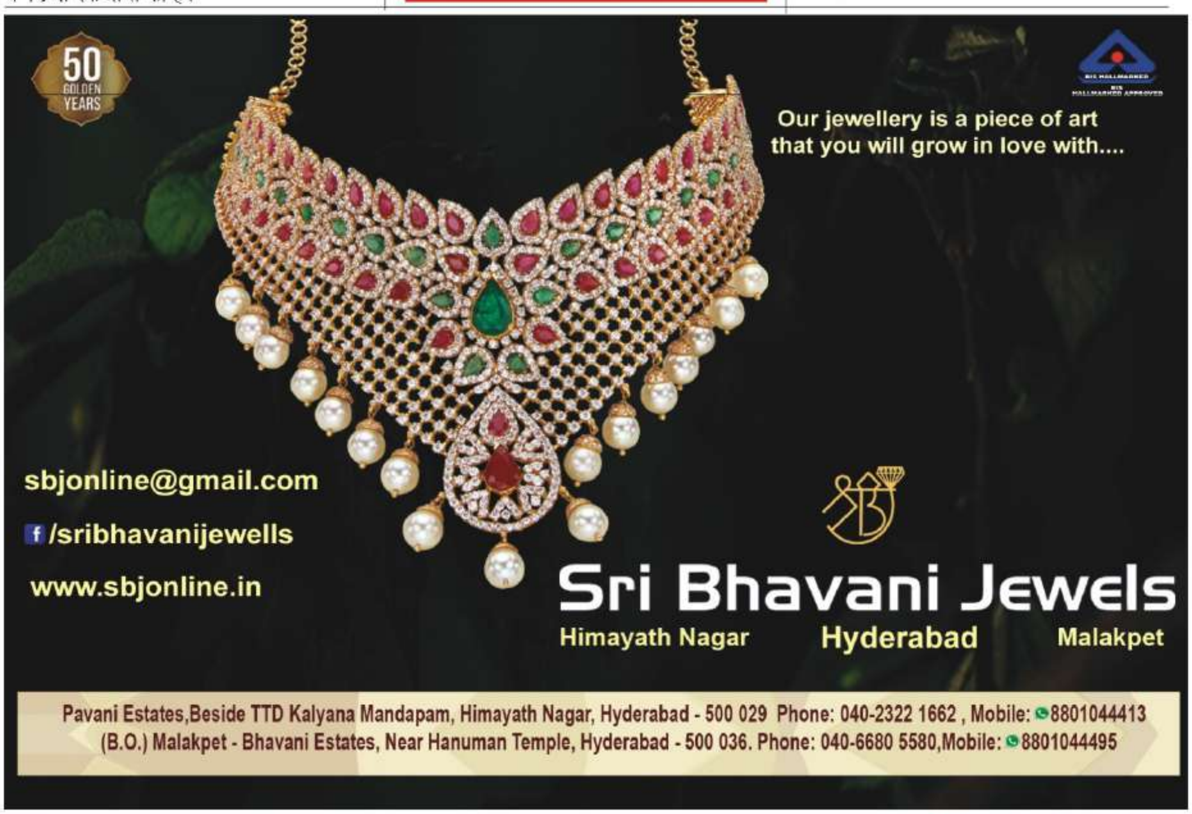

चाहे कोई भी शिखर की प्रतिभा हो, उसकी विशेषज्ञता आम तौर पर किसी क्षेत्र विशेष के लिये ही होती है। लेकिन मुंबई निवासी प्रगति एन भट्टड़ एक ऐसी प्रतिभा है, जिसके लिए सीखने की कोई सीमा नहीं और कोई सीमित क्षेत्र नहीं है। मात्र 5 वर्ष की उम्र में उनकी सफलता की यह यात्रा प्रारंभ हुई, तो वे अब हर क्षेत्र में अपनी ध्वज फहरा चुकी हैं और वह भी अंतरराष्ट्रीय स्तर तक।

विलक्षण बाल कलाकार प्रगति एन. भट्टड़

सीबीएसई की कक्षा 11वीं में अध्ययनरत प्रगति वास्तव में अपने नाम के अनुरूप प्रगति पथ की प्रतिभा ही हैं। उन्हें इस छोटी आयु में मिल चुके कलाश्री, सरस्वती अवॉर्ड, बाल प्रतिभा सम्मान, आर्यभट्ट अवॉर्ड, हूला-हूपर गर्ल, मैरिट स्कॉलरशिप तथा कोरियोग्राफर व सुपर एचीवर जैसे सम्मान स्वयं ही सफलता की कहानी कहते हैं। उनकी पहचान एक ख्यात नृत्यांगना के रूप में तो है, लेकिन वे यहीं तक सीमित नहीं रही। शिक्षा, चित्रकारी, खेल व संगीत आदि प्रतिभा प्रदर्शन का शायद ही कोई क्षेत्र हों जो प्रगति के प्रतिभा प्रदर्शन से अधूरे रहे हों। यहाँ भी उनकी विशेषता इन क्षेत्रों में भी अपनी विशेषज्ञता प्रदर्शित कर विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करना भी रहा है।

सभी रहे आश्चर्यचकित

प्रगति का जन्म 16 अक्टूबर 2001 को समाज के प्रबुद्धों में से एक नटवर भट्टड़ व डॉ. शैलजा भट्टड़ के यहाँ हुआ। बचपन से ही जिस प्रतिभा का उसने प्रदर्शन किया, उसे देखकर हर कोई कह बैठता 'अद्भुत'। मात्र साढ़े चार साल की उम्र में वे 196 देशों तथा देश के 29 प्रदेशों की राजधानी के नाम फटाफट बता देती थीं। मात्र 4 सेकंड में ए से जेड तक उल्टे क्रम में अल्फाबेट एक सांस में मात्र 4 सेकंड में सुना देती थीं। उन्हें इस छोटी सी उम्र में कम्प्यूटर 'की बोर्ड' की सभी 'की' क्रम से याद थीं। उनकी विलक्षण प्रतिभा को 'अद्भुत बच्ची' के शीर्ष के साथ विभिन्न समाचार पत्रों ने प्रकाशित भी किया था।

नृत्य में भी अद्भुत

संभवतः प्रगति देश की ऐसी प्रथम कलाकार हैं, जिनको एक नहीं बल्कि नृत्य की लगभग सभी विधाओं में पारंगतता हासिल है। प्रगति भरतनाट्यम, बॉलीवुड, हिपहाप, आधुनिक, लोक तथा सेमी क्लासिकल सभी शैलियों में हूला-हूप रिंग के साथ व इसके बिना भी सुंदर नृत्य की प्रस्तुति देती हैं। जब वह सिखती थी तब प्रशिक्षक भी दंग थे। वे तो मुस्कुराकर कहते कि प्रगति स्पंज की तरह है, अतः उसे जो सिखाते हैं, वह उसे सरलता से 'सोख' लेती है।

सफलता की बड़ी कहानी

प्रगति ने अभी तक 90 से अधिक एकल नृत्य स्पर्धा जीती है। इनमें से 5 अंतरराष्ट्रीय, 52 राष्ट्रीय तथा शेष राज्य, जिला व अंतर स्कूल स्पर्धाएं शामिल हैं। इनके द्वारा उन्हें सुपर स्टार किड्स, किड्स गॉट टैलेंट, मिस टैलेंट, मिस बेस्ट डाँसर, बेस्ट भारतनाट्यम नृत्यांगना, किड्स मॉडल हंट आदि उपाधियाँ मिली हैं। इसके साथ ही वे 117 डाँस शोज भी दे चुकी हैं। इसके लिये उन्हें 16 प्रतिष्ठित अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया है। अभी तक प्रगति 8 गोल्ड, 9 सिल्वर, 6 कांस्य पदकों के साथ ही 162 सर्टिफिकेट, 64 ट्रॉफी सहित सैकड़ों पुरस्कार जीत चुकी हैं।

प्रतिभा का खुला आकाश

प्रगति की प्रतिभा सिर्फ नृत्य तक ही सीमित नहीं रही है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी शिक्षण संस्थाओं का सदैव नाम रोशन ही किया है। प्रगति ने 24 दिसंबर 2011 को थाईलैंड (बैंकॉक) में आयोजित इंटरनेशनल लेवल अबेकस काम्पीटिशन में सेकंड रनर अप का खिताब प्राप्त किया। चेन्नई में आयोजित नेशन लेवल अबेकस कॉम्पीटिशन तो कई बार जीती हैं। इसी प्रकार विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित पेंटिंग व ड्राइंग स्पर्धाएँ भी कई बार जीती हैं। उनकी इन उपलब्धियों के कारण ही विभिन्न प्रतिष्ठित समाचार पत्रों व पत्रिकाओं ने 71 से अधिक बार उनके समाचार व साक्षात्कार का प्रकाशन किया है। भारतनाट्यम के लिए केंद्र शासन तथा मनीपाल हास्पिटल द्वारा किडनी के प्रति जागृति को लेकर उन्हें स्कॉलरशिप प्रदान की गई। वर्ष 2014 में आयोजित माडलिंग काम्पीटिशन में सीनियर कैटेगरी में प्रगति ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रगति कार्यक्रमों की एक श्रेष्ठ सूत्रधार भी हैं। अतः वह अपने स्कूल के कार्यक्रमों का हिंदी की तरह ही धारा प्रवाह अंग्रेजी में भी सफल संचालन करती हैं।

With Best Compliments from

TIRUMALA VENKATESHWARA PAPER & BOARD PVT. LTD.

KRAFT PAPER MANUFACTURERS

Purshottam Gandhi
9849592243

Manoj Gandhi
99890-24275

Vivek Gandhi
9849024275

Factory :
Sy.No. 50/A, Vill : Andugulpeta, Mdl: Mandamari, Dist: Adilabad-504831 (T.S.) India
Tel: 08736-201200, **Email :** tirumalapaper @gmail.com

Regd. Office :
Devdarshan, Enclave, Banglow No. 14, Near Diamont Point,
Sikh Village, Secunderabad- 500011,
Tel : 40-27750159, **E-mail :** manojgandhi24275@gmail.com

शतरंज के खिलाड़ी प्रखर माहेश्वरी

उदयपुर (राजस्थान) निवासी प्रखर माहेश्वरी सिर्फ नाम से ही नहीं बल्कि अपनी प्रतिभा से भी 'प्रखर' ही हैं। यही कारण है कि खेल हो या शिक्षा जहाँ भी कदम रखा अपनी प्रखर प्रतिभा का लोहा मनवाने में पीछे नहीं रहे।

प्रखर वर्तमान में उदयपुर शहर की शीर्ष बाल प्रतिभाओं में से एक हैं। यही कारण है कि उनकी ख्याति सिर्फ समाज या शहर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अखबारों की सुर्खियों में भी रही है। गत दिनों जब उन्होंने राज्यस्तरीय शतरंज स्पर्धा जीती तो अखबारों ने तो जैसे उन्हें हीरो ही बना दिया।

अत्यंत तीक्ष्ण बुद्धि

प्रखर का जन्म 13 जुलाई 2005 को समाज सदस्य विकास व भावना माहेश्वरी के यहाँ हुआ। जब वह अबोध शिशु थे, तभी से उनकी विलक्षण बुद्धि प्रदर्शित होने लगी। बस उनकी इसी विशेषता ने नामकरण के समय 'प्रखर' नाम पर मोहर लगवा दी। प्रखर ने भी अपने नाम के अर्थ को सार्थक करने में कोई कसर नहीं रख छोड़ी। कक्षा में टॉप रहने के साथ ही वह विभिन्न खेलों में भी भाग लेने लगा।

राज्यस्तर पर पाई सफलता

वर्तमान में प्रखर महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल की कक्षा आठवीं में अध्ययनरत हैं। अपने स्कूल में तो शिक्षा के क्षेत्र में अपनी बुद्धि का उन्होंने लोहा मनवाया ही, साथ ही खेल में राज्यस्तर पर भी जीत का परचम लहरा दिया। गत दिनों संस्था चेस इन लेकसिटी की मेजबानी में राज्यस्तरीय शतरंज स्पर्धा का आयोजन हुआ। इसमें सभी राउंड में सफलता प्राप्त करते हुए अपने ग्रुप अंडर-13 में प्रखर ने राज्यस्तर पर जीत हासिल की। इस उपलब्धि को स्थानीय अखबारों ने भी प्रमुखता से प्रकाशित किया।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...
यशोदा
एग्रो इंडस्ट्रीज़
बाय पास रोड, कारंजा लाड, जिला वाशीम
मो.9423128333
होटल किंग तुअर दाल
एवं
त्रिमूर्ति तुअर दाल के निर्माता
ब्रिजमोहन श्यामसुंदर मालपाणी
लक्ष्मीनारायण श्यामसुंदर मालपाणी
पुणे - मो. - 93256-21051

Karan Toshniwal
Director

Aayush Rathi
Director

ORANGE

Reliable Partner for your Industrial solution

SERKON makina
FABRIC CUTING MACHINES & CNC CUTTERS

PICador
CAD SOFTWARE FOR PACKING & PLV

thermotron
AUTOMATIC FOLDING MACHINE

NEXIA
INNOVATIVE ITALIAN EXPERIENCE
INDUSTRIAL WASHING MACHINES; STEAM DRYER; OZONE SYSTEM; LASER MARKER; HYDRO EXTRACTOR; STATIC OVEN

MS
PRINTING SOLUTIONS
DIGITAL / INKJET PRINTERS

MS MIRISYS
LEATHER CUTTING SOFTWARE

Polytropon
AUTOMATION SYSTEMS
DESIGN PRO & AUTO MAKER

iECHO
HIGH SPEED DIGITAL CUTTING MACHINE

FOUR4PEES
FOR PRINT & PUBLISHING

Orange O Tec Pvt Ltd

Shed No. A2/7111, Road No. 71, Gat No.: 01 G.I.D.C. Sachin, Surat - 394 230, (Gujarat) India.
Phone : +91-72268661612 / 3 / 4 / 5, Email : info@orangeotec.com
Branch : New Delhi, Mumbai, Jodhpur, **Service Location :** Bangaluru, Tirupur, Kolkata

प्रेरणा की झँकार पायल टावरी

दृढ़ संकल्प ही वह शक्ति है, जो सफलता के शिखर पर पहुँचाती है। अन्यथा सफलता तो सिर्फ सपना ही होती है। इन्हीं आदर्शों की जीती जागती मिसाल हैं, देवली (वर्धा) निवासी पायल टावरी जिन्होंने दृष्टिहीन होते हुए भी शिक्षा जगत में नेत्र वालों को भी अपने हौसले से मात दी।

देवली जिला वर्धा के न सिर्फ माहेश्वरी समाज अपितु सम्पूर्ण क्षेत्र के लिये पायल टावरी एक जुनून की जीती जागती मिसाल हैं। ऐसे जुनून कि जो संकल्प लिया उसे पूरा करके दिखाया। उनके इस दृढ़संकल्प के सामने उनकी नेत्र दृष्टि न होने की शारीरिक कमी भी बाधक नहीं बन पाई। यदि यह कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि पायल ने तो जैसे अपनी दृष्टि की कमी को अपनी प्रतिभा से पूरी करने की कसम ही खा ली थी और उन्होंने इसे पूर्ण करके ही दिखाया।

शत-प्रतिशत दृष्टिहीन

पायल का जन्म देवली जिला वर्धा महाराष्ट्र निवासी राममनोहर टावरी के यहाँ हुआ। बेटी के आगमन की सभी ने खुशी मनाई लेकिन उसके बड़ी होने के साथ जब पता चला कि वह पूर्णतः दृष्टिहीन है, तो परिवार पर जैसे गाज ही गिर गई। सभी चिंता में पड़ गये कि इसका भविष्य क्या होगा? लेकिन इस कमी के साथ उसकी तीक्ष्ण बुद्धि और उसका जुनूनी स्वभाव भी दिखाई दिया। बस पिता राममनोहर टावरी ने बेटी की इस कमी को ज्ञान की ज्योति से दूर करने का संकल्प ले लिया और इस अभियान में जुट गए। इसके लिए उसे ब्रेल लिपि भी सिखाई लेकिन उसकी पढ़ाई सामान्य बच्चों के साथ ही करवाई, जिससे उसे अपनी कमी का अलग से अहसास न हो।

ऐसे चली सफलता की यात्रा

सामान्य बच्चों के साथ पढ़ती हुई पायल हमेशा अपनी कक्षा की टॉपर्स में शामिल रही। उन्होंने मुंबई से यूनिवर्सिटी टॉपर के रूप में बीए व एमए की परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्तमान में वह मुंबई से ही बीएड कर रही हैं। इसके पीछे उनका लक्ष्य है, एक शिक्षक के रूप में भावी पीढ़ी को मार्गदर्शित करना। जबकि वे यदि चाहें तो प्रशासनिक सेवा में भी जा सकती हैं।

उपलब्धियों की वृहद यात्रा

पायल ने धीरूभाई स्कॉलरशिप के लिए आयोजित परीक्षा में दसवीं रैंक प्राप्त की। वह स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत दक्षिण अफ्रीका होकर भी आ चुकी हैं। उनकी उपलब्धि सिर्फ शिक्षा तक ही सीमित नहीं है। वह अंतरराष्ट्रीय तैराक हैं। इसके साथ ही वाद-विवाद स्पर्धा में महाराष्ट्र प्रदेश की विजेता भी रही हैं। साहित्यिक क्षेत्र में कविता लिखना पायल का शौक है। सबसे बड़ी उनकी विशेषता यह है कि दृष्टिहीनता के बावजूद वह सामान्य लड़कियों की तरह ही निपुणता से घर के सभी काम कर लेती हैं, जिसमें खाना बनाना तक शामिल हैं। यह उनकी विलक्षणता को ही प्रकट करता है।

With Best Compliments from

SHREE BALAJI OIL MILLS

Off. "Ganpati Prasas" Marwadi lane, Erandol Dist. jalgaon
Phone : 91+2588-44452, 44453, Fax : 91+2588-44055
Factory: Mahswad Road, Erandol. Dist. Jalgaon, 425109
Phone : Fact 91+2588-44451, 54, 55

सारे काही आपल्यासाठी ..

कुटूंबातील प्रत्येकासाठी

हार्दिक शुभकामनाएं

विशेष्ट्ये
स्थापनेपासून सतत अंकेक्षण वर्ग अ
संपूर्णत: संगणकीय सेवा व प्रशस्त ऑफीस

सोमेश्वर अर्बन को-ऑप. क्रेडिट सोसा. मर्या. बुलडाणा

मुख्यालय- मलकापुर टेलीफोन कॉलनी रोड, मलकापुर 443101 .जिला बुलडाणा शाखा- धामणगांव बढे

मुदती ठेव योजना
30 दिवसांकरीता 7%
46 दिवसांकरीता 8%
91 दिवसांकरीता 9.5%
1 वर्षाच्या वर 10.50%
कर्जावरील ब्याजदर 15%

संस्थेचे सामाजिक व लोकोपयोगी कार्य
सभासदांच्या प्राविण्य प्राप्त पाल्यांना शिष्यवृत्ती,
सामाजिक व राष्ट्रीय उपक्रमात सहभाग
नैसर्गिक आपत्तीत आर्थीक सहाय्य वैकुंठधाम सौंदर्यीकरणा करीता सहाय्य

आर्थिक स्थिति वर्ष 2017
कुल डिपोझिट 9.29
कर्ज विवरण - 7.28 करोड़
निवेश - 4.69 करोड़
मुनाफ- 16.95 लाख

प्रफुल्ल सदावर्ते
अध्यक्ष

सौ. सरीता लखाणी
उपाध्यक्षा

रमेश उमाळकर
कार्य. संचालक

हार्दिक शुभकामनाएं

'साधना के लिये जो मिला है,
साध्य कैसे बनेगा तुम्हारा'

मे. मथुरादास मन्नालाल लखनी
लखनी परिवार

मलकापुर, जिला बुलढ़ाना

रचना गैस एंड अप्लायसेंस्

इंडेन डिस्ट्रीब्यूटर,
लखानी इस्टेट, नांदुर रोड, मलकापुर, -443101
फोन-07267-222025, 222525

इंडियनऑयल
Trust of Generations

मेडिकल प्रवेश परीक्षा में टॉपर आँचल काबरा

डॉ. अतुल व डॉ. जयश्री काबरा की सुपुत्री आँचल एक ऐसी छात्र हैं, जिन पर सम्पूर्ण समाज ही नहीं बल्कि मराठवाड़ा भी गर्व कर रहा है। कारण है, गत दिनों मेडिकल के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में उनके द्वारा प्राप्त की गई सफलता। इसमें उन्होंने सम्पूर्ण राष्ट्र के माहेश्वरी समाज व मराठवाड़ा दोनों में प्रथम स्थान, राज्य में पाँचवां और राष्ट्र स्तर पर 11 लाख विद्यार्थियों में 149वीं रैंक प्राप्त की है। इसमें उन्होंने 720 में से 663 अंक प्राप्त किए। सबसे बड़ी उनकी उपलब्धि फिजिक्स जैसे विषय में शत-प्रतिशत अर्थात 180 में से 180 अंक हासिल करना है। उल्लेखनीय है कि इस विषय में शत-प्रतिशत अंक पूरे देश में सिर्फ 2 विद्यार्थियों ने ही प्राप्त किए हैं। इस परीक्षा में टॉपर रहने से उसका कहीं भी एडमिशन हो सकता था लेकिन फिर भी उन्होंने स्थानीय कॉलेज का ही चयन किया। इसके पीछे उनकी सोच थी कि इससे स्थानीय विद्यार्थी भी प्रोत्साहित होंगे।

लक्ष्य सही और मार्ग सही हो और साथ ही मन में दृढ़संकल्प हो तो सफलता कदम चूमती है। इन्हीं पंक्तियों को सार्थक कर रही हैं, नांदेड़ निवासी छात्रा आँचल काबरा

डॉक्टर फैमिली बनी प्रेरणा

काबरा परिवार को क्षेत्र में डॉक्टर फैमिली के रूप में ही जाना जाता है। इस परिवार के 18 से अधिक डॉक्टर सदस्य नांदेड़, मदनूर, पिपाड़, हैदराबाद व मुंबई आदि शहरों में अपनी सेवा दे रहे हैं। स्वयं आँचल के दादाजी डॉ. के.एच. काबरा नांदेड़ के सर्वप्रथम एमडी फिजिशियन हैं, जो गत 42 वर्षों से अपनी सेवा दे रहे हैं। उनके पिता डॉ. अतुल व माता डॉ. जयश्री भी नांदेड़ में ही अपनी सेवा दे रहे हैं। इसी पारिवारिक माहौल ने उन्हें दिशा दिखाई और बाल अवस्था में ही डॉक्टर बनना उनका सपना बन गया, जिसे उन्हें पूर्ण करना था।

प्रारंभ से रहीं प्रतिभावान

आँचल का जन्म 8 दिसम्बर 1998 को हुआ। वे प्रारंभ से प्रतिभावान ही रहे। उन्होंने हायर सेकंडरी बोर्ड परीक्षा 93 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण की। इससे पूर्व सीबीएसई की एसएससी परीक्षा 10 सीजीपीए व 98 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की थी। अपनी इसी प्रतिभा का उन्होंने नीट में भी खुलकर प्रदर्शन किया। स्कूली शिक्षा के दौरान पढ़ाई के साथ अन्य प्रतिस्पर्धी गतिविधियों में भी वे अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहे हैं। ड्राइंग, रीडिंग व शतरंज उनके प्रमुख शौक में शामिल हैं।

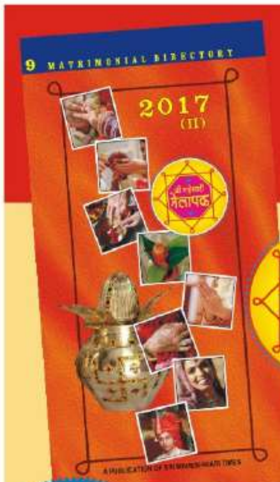

अब फिर आयेंगे रिश्ते आपके द्वार...
श्री माहेश्वरी मेलापक 2017 (द्वितीय)
छपकर तैयार...

उच्च शिक्षित विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

श्री माहेश्वरी मेलापक

अभी तक 1000 से भी अधिक सफल रिश्तों की सौगात के बाद
फिर लिखेगी सफलता का नया इतिहास

Rs. 750/- पृथक् से प्रति बुक करवाने के लिए शुल्क 750/- (डाक खर्च सहित)

90, विद्या नगर (टेढ़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष : 0734-2526561, 2526761, मोबाइल : 094250-91161
E-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

Bank A/c Details :
Name : SRI MAHESHWARI MELAPAK
SBI A/c No. : 31725815057
IFSC : SBIN0030062

कई लाइलाज बीमारियों की दवा आक

आक का पौधा सामान्य रूप से एक विषैला पौधा माना जाता हैं, लेकिन यही पौधा कई ऐसी बीमारियों को जड़ से समाप्त भी कर सकता है, जिनके सामने एलोपैथी घुटने टेक देती है। आईयें जानें कब और कैसे करें इसका उपयोग?

वैसे तो आक का पौधा हर जगह देखने को मिल जाता है लेकिन इसके उपयोग की जानकारी कम लोगों को ही है। आक-अर्क के पौधे, शुष्क, ऊसर और ऊँची भूमि में प्रायः सर्वत्र देखने को मिलते हैं। इस वनस्पति के विषय में साधारण समाज में यह भ्रांति फैली है कि आक का पौधा विषेला होता है तथा यह मनुष्य के लिए घातक है। इसमें किंचित सत्य जरूर है क्योंकि आयुर्वेद संहिताओं में भी इसकी गणना उपविषों में की गई है। यदि इसका सेवन अधिक मात्रा में कर लिया जाये तो, उल्टी-दस्त होकर मनुष्य यमराज के घर जा सकता है। इसके विपरीत यदि आक का सेवन उचित मात्रा में, योग्य तरीके से, चतुर वैद्य की निगरानी में किया जाये तो अनेक रोगों में इससे बड़ा फायदा होता है। इसका हर अंग दवा है, हर भाग उपयोगी है एवं यह सूर्य के समान तीक्ष्ण। तेजस्वी और पारे के समान उत्तम तथा दिव्य रसायन धर्मा हैं।

कैसा रहता है आक

यह पौधा आक अर्थात अकौआ एक औषधीय पादप है। इसको मदार, मंदार, आक, अर्क भी कहते हैं। इसका वृक्ष छोटा और छत्तादार होता है। पत्ते बरगद के पत्तों समान मोटे होते हैं। हरे सफेदी लिये पत्ते पकने पर पीले रंग के हो जाते हैं। इसका फूल सफेद छोटा छत्तादार होता है। फूल पर रंगीन चित्तियाँ होती हैं। फल आम के तुल्य होते हैं जिनमें रूई होती है। आक की शाखाओं से दूध निकलता है। वह दूध विष का काम करता है। आक गर्मी के दिनों में रेतीली भूमि पर उत्पन्न होता है। चौमासे में पानी बरसने पर यह सूख जाता है।

आक के 9 अद्‌भुत लाभ

▸▸ आक के पौधे की पत्ती को उल्टा (उल्टा का मतलब पत्ते का खुदरा भाग ऊपर) कर के पैर के तलवे से सटा कर मोजा पहन लें। सुबह और पूरा दिन रहने दें रात में सोते समय निकाल दें। एक सप्ताह में आपका शुगर लेवल सामान्य हो जाएगा। साथ ही बाहर निकला पेट भी कम हो जाता है।

▸▸ आक का हर अंग दवा है, हर भाग उपयोगी है। यह सूर्य के समान तीक्ष्ण, तेजस्वी और पारे के समान उत्तम तथा दिव्य रसायनधर्मा है। कहीं-कहीं इसे 'वानस्पतिक पारद' भी कहा गया है। आक के कोमल पत्ते मीठे तेल में जलाकर अंडकोश की सूजन पर बाँधने से सूजन दूर हो जाती है तथा कड़वे तेल में पत्तों को जलाकर गर्मी के घाव पर लगाने से घाव अच्छा हो जाता है।

▸▸ इसके कोमल पत्तों के धुएं से बवासीर शांत होती है। आक के पत्तों को गरम करके बाँधने से चोट अच्छी हो जाती है। सूजन दूर हो जाती है। आक की जड़ के चूर्ण में काली मिर्च पीसकर मिला लें और छोटी-छोटी गोलियाँ बनाकर खाने से खाँसी दूर होती है।

▸▸ आक की जड़ की राख में कड़वा तेल मिलाकर लगाने से खुजली अच्छी हो जाती है। आक की सूखी डँडी लेकर उसे एक तरफ से जलावे और दूसरी ओर से नाक द्वारा उसका धुआं जोर से खीचने पर सिर का दर्द तुरंत अच्छा हो जाता है।

▸▸ आक का पत्ता और डंठल पानी में डालकर रखें। उसी पानी से आबदस्त लें तो बवासीर अच्छी हो जाती है। आक की जड़ का चूर्ण गरम पानी के साथ सेवन करने से उपदंश (गर्मी) रोग अच्छा हो जाता है। उपदंश के घाव पर भी आक का चूर्ण छिड़कना चाहिये। आक ही के काढ़े से घाव धोएँ।

▸▸ आक की जड़ को पानी में घीस कर लगाने से नाखूना रोग अच्छा हो जाता है। जड़ छाया में सूखा कर पीस लें और गुड मिलाकर खाने से शीत ज्वर शांत हो जाता है।

▸▸ आक की जड़ सेर लेकर उसको चार सेर पानी में पकावे जब आधा पानी रह जाय तब जड़ निकाल लें और पानी में 2 सेर गेहूँ छोड़े जब जल नहीं रहे तब सूखा कर उन गेहूं का आटा पीसकर पाव भर आटे की बाटी या रोटी बनाकर गुड़ और घी मिलाकर रोज खाने से गठिया दूर होती है। बहुत दिन की गठिया 21 दिन में अच्छी हो जाती है।

▸▸ आक का दूध पाँव के अँगूठे पर लगाने से दुखती हुई आँख अच्छी हो जाती है। बवासीर के मस्सों पर लगाने से मस्से जाते रहते हैं। बर्रे काटे में लगाने से दर्द नहीं होता। चोट पर लगाने से चोट शाँत हो जाती है।

▸▸ जहाँ के बाल उड़ गये हों वहाँ पर आक का दूध लगाने से बाल उग आते हैं, लेकिन ध्यान रहे इसका दूध आँख में नहीं जाना चाहिए वर्ना आँखें खराब हो जाती हैं। उपरोक्त कोई भी उपाय अपनी जिम्मेदारी पर सावधानी से ही करें।

युवाओं के लिए अच्छी पहल

संगठन स्तर पर प्रशासनिक सेवा परीक्षा की तैयारी

वर्तमान दौर में प्रशासनिक सेवा न सिर्फ किसी भी समाज के लिये गौरव का विषय बन चुकी है, बल्कि यह समाज की उन्नति की नींव भी मानी जा रही है। इसी के मद्देनजर रखते हुए माहेश्वरी समाज भी लंबे समय से प्रशासनिक सेवा में समाज के युवाओं के वर्चस्व को बढ़ाने पर चिंतन कर रहा है। इसी को एक अच्छी पहल के रूप में साकार कर रहा है, महासभा की प्रेरणा व सहयोग से महाराष्ट्र प्रदेश संगठन।

▸▸ किशनप्रसाद दरक

माहेश्वरी समाज लक्ष्मी व सरस्वती पुत्रों का समाज है, जिसमें प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। हमारे युवक जिस क्षेत्र में भी जाते हैं, उस क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाते हैं। फिर वह क्षेत्र सीए, इंजीनियर, डॉक्टर या व्यापार कोई भी हो। व्यापार, उद्योग, व्यवसाय के साथ ही राजकीय सेवा के क्षेत्र में भी हमारी साख है, किंतु 11 लाख के इस समाज में आईएएस, आईएफएस, आईपीएस जैसी प्रशासनिक सेवाओं में आज भी हम नगण्य हैं, यह एक कटु सत्य है। प्रशासनिक सेवाओं का क्या महत्व है? इसका अनुभव हमारे दैनंदिनी जीवन में हमें अनेक बार होता है। यदि किसी महकमे का तहसीलदार या पुलिस इंस्पेक्टर भी हमारा समाजबंधु हो तो सारा समाज आश्वस्त रहता है। फिर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, इनकम टैक्स कमिश्नर, इत्यादि की तो बात ही अलग है। राष्ट्रसेवा के साथ ही समाजसेवा करने का, पद-प्रतिष्ठा एवं सम्मान पाने का यह अत्यंत प्रतिष्ठित मार्ग है। किंतु अनेक गलतफहमियाँ एवं भ्रामक कल्पनाओं के कारण हमारे समाज ने इस क्षेत्र की ओर ध्यान नहीं दिया है, जबकि अन्य समाजों ने इस क्षेत्र के महत्व को समझकर वर्षों पहले से ही सुनियोजित तरीके से अपने युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं में भेजना प्रारंभ कर दिया है।

महाराष्ट्र प्रदेश की अनूठी पहल

महाराष्ट्र प्रदेश के वर्तमान अध्यक्ष मधुसूदन गाँधी ने अपनी दूरदृष्टि का परिचय देते हुए प्रदेश स्तर पर प्रशासनिक सेवा मार्गदर्शन समिति की स्थापना की है। समिति के माध्यम से इस क्षेत्र में अध्यापन का कार्य कराने वाले अनुभवी व्यक्तियों द्वारा विस्तृत मार्गदर्शन हेतु सेमिनार, पदवी प्राप्त युवाओं के लिए क्षमता परीक्षण, 12वीं कक्षा उत्तीर्ण युवाओं के लिए पदवी पाठ्यक्रम के साथ ही प्रशासनिक सेवा फाउंडेशन कोर्स का आयोजन भी किया जा रहा है। इस हेतु समिति प्रमुख किशनप्रसाद दरक (नांदेड़), समिति सदस्य जुगलकिशोर मूंदड़ा (थाना), मनोज मालू (पुणे), डॉ. हरिप्रसाद सोमाणी (लातूर) एवं परमानंद तोषणीवाल (नांदेड़) अथक प्रयास कर रहे हैं। अभा माहेश्वरी महासभा सभापति श्याम सोनी ने इस हेतु संपूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया है। जरूरतमंद मेधावी छात्रों को बद्रीलाल सोनी ट्रस्ट के माध्यम से आर्थिक सहयोग मिलेगा। सिविल सर्विसेस की विविध परीक्षाओं की तैयारी हेतु दिल्ली के श्री जयचंदजी कर्वा होस्टल में नाम मात्र शुल्क पर निवास एवं भोजन की व्यवस्था भी की गयी है। इस हेतु समाजसेवी राजेंद्र काबरा पूर्ण समर्पित भाव से जुटे हैं।

सामान्य छात्रों को केवल 6 अवसर

भारत की सर्वश्रेष्ठ समझी जाने वाली यह परीक्षा असमी, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मराठी, नेपाली, ओडिया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलगू, उर्दू, बोडो, डोंगरी, मैथिली और संथाली आदि 22 भारतीय भाषाओं में दी जा सकती है। सामान्य श्रेणी के स्नातक को 6 प्रयास तथा 32 वर्ष तक अनुमति दी गई है। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा तीन चरणों में ली जाती है। प्रारंभिक, मुख्य एवं व्यक्तिगत परीक्षण। मुख्य परीक्षा एवं व्यक्तिगत परीक्षण में प्राप्त संयुक्त अंकों के आधार पर अंतिम परिणाम घोषित होते हैं। उम्मीदवारों को श्रेणी एवं दी गई पसंद के आधार पर विविध सेवाओं में नियुक्ति मिलती है।

कैसी रहती है परीक्षा

प्रारंभिक परीक्षा : सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा कुल 400 अंकों की होती है। इसमें सामान्य अध्ययन पेपर प्रथम और सामान्य अध्ययन पेपर द्वितीय दो अनिवार्य पेपर होते हैं। यह परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है। ध्यान रखें, यह एक घंटे की परीक्षा होती है, इसके अंक पूरी परीक्षा के समुचित अंकों में नहीं जोड़े जाते। साथ ही पेपर द्वितीय में 33 प्रतिशत न्यूनतम अंक निर्धारित किए गए हैं। अतः प्रिलिम्स परीक्षा के कुल अंकों में केवल पेपर एक के ही अंक जोड़े जाएंगे। यदि आप पहले पेपर के मूल्यांकन के आधार पर उस साल के कट ऑफ मार्क्स को पार कर जाते हैं तो सिविल सर्विसेस मुख्य परीक्षा में आपका प्रवेश होगा। पर शर्त यही है कि पेपर 2 में कम से कम 200 अंक का 33 प्रतिशत अर्थात 66 अंक लाना होगा, नहीं तो मुख्य परीक्षा में प्रवेश नहीं मिलेगा।

मुख्य परीक्षा-संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में उम्मीदवार का रैंक केवल मुख्य और साक्षात्कार परीक्षा के कुल अंकों पर निर्भर करता है। साक्षात्कार के कुल अंक 275 हैं, जबकि मुख्य परीक्षा के 1750। नौ पेपर्स की यह लिखित परीक्षा है। उनमें से केवल 7 पेपर के अंक अंतिम मेरिट रैंकिंग के लिए जोड़े जाएंगे। बाकी दो सिर्फ क्वालीफाइंग पेपर होंगे।

(लेखक प्रशासनिक सेवा मार्गदर्शन समिति के प्रमुख हैं।)

जीवन में हर कोई सफल ही होना चाहता है, असफल कोई नहीं। इसके बावजूद सफलता सभी का वरण नहीं करती। कई लोग असफल भी हो जाते हैं, या कहें उन्हें संतुष्टिपूर्ण सफलता

सफलता की चाबी सकारात्मक सोच

▶▶ सुभाषचंद्र महेश, हापुड़ (उप्र)

मनुष्य के जीवन में सफल अथवा असफल होना उसकी सोचने की शक्ति पर निर्भर होता है। सोचने से ही मनुष्य को अंदर से ऊर्जा मिलती है। सोच दो प्रकार की होती है, एक सकारात्मक व दूसरी नकारात्मक। हर व्यक्ति में सोचने का तरीका अलग-अलग होता है। मन में राग द्वेष, ईर्ष्या, ममता, सेवा, सद्भावना, डर, अपनापन, निर्भयता आदि उत्पन्न होते हैं। वह इन्हीं से दुःखी और सुखी भी होता रहता है। एक व्यक्ति जिसको सही मानता है, उसी बात को दूसरा व्यक्ति गलत मानता है। हर व्यक्ति की परिस्थितियों के अनुसार सोच बदलती रहती है। हमारे विचारों की उत्पत्ति हमारे व्यक्तित्व के हिसाब से होती है। हमारा व्यक्तित्व जैसा होता है, वैसी वस्तुस्थिति हमें नजर आती है। हमारी सोच हमारे ज्ञान से बनती है और संपर्क में आने वाले लोगों के हिसाब से बनती है। हमें ज्ञान मिलता है, शिक्षा, माहौल व परिस्थितियों से। हमारी सोच ही हमें कार्य की दिशा देती है। अगर दिशा मानवता के हित में है, तो सकारात्मक की श्रेणी में मानी जाएगी। सकारात्मक सोच पर चलकर हम जीवन में आने वाले दुःखों को आराम से सहन कर लेंगे। या ये कहें सारे दुःखों के तनाव से उबर सकते हैं। जबकि नकरात्मकता सोच वाला व्यक्ति कभी सफल नहीं हो सकता क्योंकि वह स्वयं सदा दुःखी व असफल तो होगा ही, साथ ही दूसरे लोगों की शांति भंग भी करता रहेगा।

ये लक्षण तो सोच सकारात्मक

आप कैसी सोच वाले हैं? यह जानना है तो इसके लिये अपने आप के स्वभाव को देखना होगा। दूसरों की भलाई करने की सोचना, विवकपूर्ण कार्य करने के लिए तत्पर रहना, जरूरतमंद की दिल से सहायता, विफलता से नहीं घबराना, नेक कार्य करने की इच्छा, हर कार्य में तत्पर रहना, अपने साथ-साथ दूसरों का भला करना, जो कार्य हाथ में लेते हैं, उसे समय सीमा में करने की कोशिश करते हैं। अपनी ताकत और सीमा को ध्यान में रखते हैं। आपसी संबंधों में अपनत्व, प्यार और वफादारी रखते हैं, बेईमान से नहीं डरते। या कहें सकारात्मक सोच वाले व्यक्ति तत्पर, कर्मवादी, आशावादी, क्रियाशील, निडर, स्वस्थ और उच्च मनोबल वाले होते हैं। यदि ये लक्षण आपके स्वभाव में हैं, तो आप सही मार्ग पर हैं, सफलता आपके कदम चूमेगी। बस अपने मार्ग पर दृढ़रहें।

ये लक्षण तो सोच नकारात्मक

नकारात्मक सोच के लक्षण में कार्य करने के बजाय कार्य करने वालों की निंदा करना, समय का पाबंद नहीं होना, खुद के साहस के बूते न रहकर दूसरे लोगों के आश्रित ज्यादा रहते हैं। दूसरों के कार्य में नुक्ता चीनी करना व बिना किये सदा पाने की ये लोग इच्छा रखते हैं। आपसी संबंधों में खटास, घृणा व दुश्मनी रखना शामिल हैं। वे डरपोक भी होते हैं या ये कहें नकारात्मक सोच वाले व्यक्ति डरपोक, जिद्दी, भाग्यआश्रित, शंकालू, निराशावादी, रूढ़िवादी व कार्य को उलझाने वाले होते हैं। यदि ये लक्षण आप में या आपके किस अपने में दिखाई दें तो सतर्क हो जाएँ। ऐसे व्यक्ति की सोच निश्चित ही नकारात्मक है। ऐसे लोग स्वयं तो कभी उन्नति कर नहीं पाते, अन्य लोगों के लिए भी परेशानी ही पैदा करते हैं। उन्हें काउंसलर की आवश्यकता है।

खाली न रहकर काम करना ही समाधान

लेखक विश्मभर मानव ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि दुःखी ऐसे लोग रहते हैं, जिनके पास करने को कोई महत्वपूर्ण काम नहीं होता, ऐसा व्यक्ति काम नहीं करता, यह सोचकर कि काम न करने में सुख मिलेगा। मनुष्य का स्वभाव प्रायः कार्य करने से बचने का है, पर वास्तविक आनंद उस व्यक्ति को मिलता है जो परिश्रम करके फल प्राप्त करता है। हमारे चारों तरफ जो समस्याएँ फैली हुई हैं, हम उन्हें स्वच्छ दृष्टिकोण से हल कर दें तब जीवन का आनंद ही कुछ अलग होगा।

सर्दी के मौसम के कारण भी कई रोगों की उत्पत्ति होती है, जिनके लिये हमें डॉक्टर्स के चक्कर लगाने पड़ते हैं। यदि इस दौरान योग-व्यायाम जैसे प्राकृतिक उपायों को अपनाया जाता है, तो ये मौसम आपके लिये ट्रबल सीजन नहीं बल्कि हेल्दी सीजन सिद्ध हो सकता है।

व्यायाम करें सर्दी से बचें

वैसे तो शीत ऋतु को हेल्दी सीजन कहा जाता है, लेकिन हड्डियों तक को कंपकंपा देने वाली ठंड से कुछ शारीरिक परेशानियाँ भी उत्पन्न हो जाती हैं। यदि सही व्यायाम का सहारा लिया जाए तो इन परेशानियों से बचा जा सकता है। सर्दियों में ठंड के कारण ऑर्थराइटिज अर्थात जोड़ों में सूजन, गठिया, साइटिका, दमा, सिर दर्द, माइग्रेन, गले की बीमारी, सर्दी, खांसी, एलर्जी, घुटना दर्द, कमर दर्द, पीठ दर्द अक्सर होता है। सर्दी की इन बीमारियों के लिए डॉक्टर व योग विशेषज्ञ की सलाह पर कुछ यौगिक क्रियाएँ लाभदायक हो सकती हैं।

अंग संचालन से रहें गतिशील

शरीर संचालन हेतु पैर की अंगुलियों, एड़ी, घुटना, जाँघ, पेट, हाथों की अंगुलियों, कलाई, कोहनी, कंधा, गर्दन व आँख प्रत्येक अंग का 5 से 10 बार संचालन सुबह-शाम दोनों समय कर सकते हैं। साइकोसोमेटिक, न्यूरोसोमेटिक दमा में भी ये यौगिक क्रियाएँ लाभदायक हैं। इसके साथ-साथ शशांक आसन, योगमुद्रा, पवनमुक्तासन, भुजंगासन, स्ट्रेच मकरासन (क्रोकोडाइल) लाभदायक हैं। कुछ शारीरिक व मानसिक रोग, तनाव व चिंता से भी होते हैं। इन्हें दूर करने के लिए यौगिक क्रियाएँ उत्तम हैं।

योग को बनाएँ दिनचर्या

स्वस्थ लोगों के लिए भी यौगिक क्रियाएँ लाभदायक हैं। स्वस्थ लोग स्वस्थ रहें, इसलिए रोग विशेषज्ञ की सलाह से आसन करें-ताड़ासन, त्रिकोणासन, कमर को खड़े होकर आगे-पीछे व दाएं-बाएं झुकाने की क्रियाएँ 5 बार करें। सीधा लेटकर अर्द्धहलासन, साइकिलिंग, पवनमुक्तासन, सीधा नौकासन, बैठकर पश्चिमोत्तासन, शशांक आसन व योगमुद्रा करना चाहिए। उल्टा होकर भुजंगासन, सर्पासन, शलभासन, धनुरासन, नौकासन, रोलिंग नौकासन आदि करना चाहिए।

प्राणायाम से पाएँ ऊर्जा

प्राणायाम सभी के लिए लाभदायक है। इसमें योगेंद्र प्राणायाम, नाड़ीशोधन प्राणायाम, भ्रमिका प्राणायाम, उज्जयी प्राणायाम अधिक लाभदायक होते हैं। ध्यान अपनी शक्ति के अनुसार कर सकते हैं। लंबी गहरी सांस लें व छोड़ें। ध्यान, प्राणायाम, शवासन योगनिद्रा द्वारा सुषुप्त शक्तियों को जागृत कर सकते हैं। इससे काम करने की शक्ति बढ़ सकती है, मन एकाग्र होता है, बुद्धि तीक्ष्ण होती है। इन क्रियाओं से शारीरिक व मानसिक रोगों से लड़ने की प्रतिरोधात्मक शक्ति बढ़ जाती है। ठंड के दिनों में उच्च रक्तचाप व हृदय रोग के रोगियों को रात में अधिक कष्ट होता है। उनके लिए भी डॉक्टर या योग विशेषज्ञ की सलाह से लाभदायक होती है। प्रत्येक व्यक्ति को प्रातः शाम घूमना चाहिए। दिन में एक बार दिल खोलकर हंसना चाहिए। सोने के 2 घंटे पूर्व सुपाच्य भोजन करना चाहिए।

समाज के सभी बन्धुओं को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

सिकन्दराबाद माहेश्वरी महिला मण्डल
सिकन्दराबाद (तेलंगाना)

अध्यक्षा

श्रीमती रजनी राठी
मो. 9290489087

मंत्राणी

श्रीमती सुनीता मंत्री
मो. 9030164418

कोषाध्यक्षा

श्रीमती तारा मोदानी
मो. 8143825227

उपाध्यक्षा

श्रीमती शोभना भट्टड
मो. 819680991

सहमंत्राणी

श्रीमती तारा बंग
मो. 9989235145

प्रचार मंत्राणी

श्रीमती सुनीता आगीवाल
मो. 9908883322

▸▸ संक्रांति उत्सव ▸▸ होली उत्सव ▸▸ महेश नवमी
▸▸ तीज उत्सव ▸▸ नवरात्रि ▸▸ दीपावली मिलन
ये सभी पर्व उत्साह के साथ मानते है।

कार्यकारिणी सदस्य -
सीमा इनानी, शशि सारड़ा, संतोष झंवर, राजू गांधी, किरन बजाज,
विजया बंग, अर्चना मालानी, उषा बल्दवा, गौरी चौकड़ा

आपणी बोली — *स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर*

मन री मैल धोय

खम्मा घणी सा हुक्म आप मैं सब इण कम्प्यूटर री दुनियां में तनावग्रस्त जिंदगी जी रियाँ हां ...और कई जणा तो हुक्म साधु-महात्मा, गुरुओं री सहायता भी ले रियाँ है कि किन्ही भी तरीके सुं जीवन मे शांति मिळे.. ज्यों ज्यों जनसँख्या बढ़ रही है उण लोगो री संख्या भी बढ़ी है जो जीवन मे शांति ओर तनाव सुं मुक्त जीवन जीवणी चाहवे। हर व्यक्ति आपरी परिस्थिति में खुश रेवणो नही चाहवे ..'और' जीने पावण वास्ते भाग रियाँ है फिर भी अशांति तनाव भरी जिंदगी ...आखिरी शांति कठे मिले? इनो जवाब नही मिल पा रियो है ..

अगर आपा देखा हुक्म इनो कारण कई है..? क्यों आदमी रात दिन भाग ने भी जीवन मे शांति और सकुन रा दो पल वास्ते तरस रियो है। अगर इनो चिंतन करा तो पावाला हुक्म की 'चिंता' ही एकमात्र कारण है आज रे बढ़ते तनावग्रस्त जिंदगी रो 'चिंता' ही जीवन मे पतन रो कारण बण जावे ।

आजकल चिंता मुक्त रा भरोसा दिलावण वाळा गुरुओं री बाढ़- सी आगी है। जगह जगह पोस्टर देखा' तनावमुक्त जीवन कैसे जीये' तीन दिन के शिविर में श्री श्री गुरुजी (जो भी नाम) आपके जीवन को बदल देंगे 100 प्रतिशत गारंटी। इण तरह कोई 10 दिन कोई 15 दिन में जीवन बदलन का प्रचार आपा सब रोज अखबार में गली गली में पोस्टर पढ़ा। हुक्म लोग रुपया देवे ओर भरम पाळ लेवे की वे चिंता मुक्त हुँ जाई... पर कुछ नही हुवे क्योंकि आपा वास्तविक जीवन मे सांसारिक पदार्थों री पावण री लालसा में इता डूब जावा की जीवन 'चिंता' में धकेल देवा। भौतिक सुख में जीवन री वास्तविक सुख शांति रो आनन्द लेवणो भूल जावा और ब्लडप्रेशर, हाइपरटेंशन जेड़ी बीमारियां ने अंग लगा लेवा।

सच कहूं तो हुक्म दूसरों रे आगे 'बड़ा' बणन री दूसरों सुं 'ईर्ष्या' री भावना ने छोड़ आपरी क्षमता रे जीती आवश्यकता में खुश रेवणी सीख जावा तो ही तनाव और चिंतामुक्त जीवन जी सका। झूठी मान प्रतिष्ठा में आपणो जीवन चिंताग्रस्त कर देवा याँ चिंता जो चिंता ने चिता में बदल देवे ...अगर आपा विचार करां तो इनो जवाब कोई गुरु पंडित कने नही भीतर ही है 'गोपी' फ़िल्म रे गाणे री एक पंक्ति' बाहर की तूँ माटी फांके, मन के भीतर क्यों नही झांके .उजले तन पर मान किया, और मन की मैलन धोय ...' हुक्म मन री सरलता ही जीवन मे आनन्द देवे या बाहरी अति सुख़ - सुविधा री चाह में जीते जी इंसान सुख नाहीं पावे और सब छोड़ संसार सुं विदा हूँ जावे ..या हर मनुष्य रे खुद पर है कि वो जीवन किण तरह सुं जीवे ।

मुलाहिज़ा फरमाइये

न जाने कौन सा नमक है इन आँखों के पानी में
बरसती तो चेहरे से हे और जलन दिल में होती हे

बेजुबां महफिल में शोर होने लगा...
ना जाने कौन पढ़गया खामोशी मेरी..

जो जैसा है उससे वैसे मिलूं
ये नया शौक चढ़गया है मुझे...

मुझे छोड़कर वो खुश है तो शिकायत कैसी
अब में उन्हें खुश भी ना देखूं तो मौहब्बत कैसी

बिन तेरे यूँ तो हम अधूरे नहीं हैं..
पर जाने फिर भी क्यूँ हम पूरे नहीं हैं..

तेरे दीदार का नशा भी बड़ा अजीब हैष्ठ
तू ना दिखे तो दिल तड़पता है,
और तू दिखे तो नशा और चढ़ता है।

सफ़र तुम्हारे साथ बहुत छोटा था, मगर...
यादगार हो गये तुम जिंदगी भर के लिए...!

▸▸ **ज्योत्सना कोठारी**, मेरठ

ख़ुश रहें... ख़ुश रखें...

निःस्वार्थ होना चाहिए भाईचारा

भाईचारा एक पवित्र दायित्व है। इसे निभाने के लिए नैतिकता की ताकत लगती है। विभीषण ने अपने जीवन में दो भाई देखे थे-एक अपना सगा भाई रावण और दूसरे लक्ष्मण व भरत के भाई श्रीराम। यहीं उन्हें भाईचारे का अंतर समझ में आ गया था। उन्होंने अपने भाई रावण को समझाते हुए कहा था कि वह देवी सीता श्रीराम को वापस लौटा दें। भाई की बात मानना तो दूर रावण ने लात मरकर उसे लंका से ही निकाल दिया। परंतु विभीषण ने (लात खाने पर भी) बार-बार उसके चरण ही पकड़े। आखिर में विभीषण ने श्रीराम की शरण ली।

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

श्रीराम ने शरणागत वत्सलता की रघुकुल रीत निभाई और विभीषण के सिर पर कृपा का हाथ रख दिया। श्रीराम के मित्र वानरराज सुग्रीव इस निर्णय से सहमत नहीं थे। उन्होंने संदेह जाहिर करते हुए कहा था- भेद हमार लेन सठ आवा, राखिअ बांधि मोहि अस भावा। हे रघुवीर, विभीषण पर विश्वास करना ठीक नहीं है। आखिर वह शत्रु का भाई है। संभव है हमारा भेद लेने आया हो इसलिए इसे बांधकर रखना उचित होगा। सग्रीव अपनी असहमति की स्पष्ट राय दे चुके थे। श्रीराम ने उनका भी मान रखने के लिए कहा था-सखा नीति तुम्ह नेकि बिचारी, मम पन सरनागत भयहारी। हे मित्र सुग्रीव, तुमने नीति तो अच्छी बताई है लेकिन मेरा प्रण है शरणागत के भय को दूर करने का।

इस प्रकार श्रीराम ने विभीषण को न सिर्फ स्वीकार किया बल्कि समुद्र से जल मंगाकर विभीषण से कहा था- जदपि सखा तब इच्छा नाही, मोर दरसु अमोघ जग माही। अस कहि राम तिलक तेहि सारा, सुमन बृष्टि नभ भई अपारा। हे सखा, यद्यपि तुम्हारी इच्छा नहीं है पर जग में मेरा दर्शन निष्फल नहीं जाता, ऐसा कहकर श्रीराम ने उनका राजतिलक कर दिया। श्रीराम ने बताया कि भाईचारा निःस्वार्थ होना चाहिए। निःस्वार्थ रहने का एक तरीका है जरा मुस्कराइए...।

जीत हो या हार संघर्ष कर एक बार

अगर कुछ करने की ठानों तो,
स्वयं पर रखना तुम विश्वास।
कदम बढ़ाओ जिस राह मुसाफिर,
मंजिल पाने की रखना आस।।

रुकेंगे कदम तुम्हारे जब-जब,
उस पल को तुम कर लेना याद।
जिस दिन तुमने लक्ष्य था साधा,
जिस पल खुद पर था विश्वास।

उठा रहे हैं जो ऊँगली तुम पर,
उनके जीवन को तू तौल जरा।
ना कदम बढ़ाते स्वयं के वो,
करते हैं दूजों पर व्यंग्य बड़ा।

गर जीत मिली तो झूम उठेगा,
तेरे संग-संग ये सारा संसार।
गर हार मिली तो सुकून रहेगा,
डर कर तूने न मानी थी हार।।

सुमिता राजकुमार मूंधड़ा

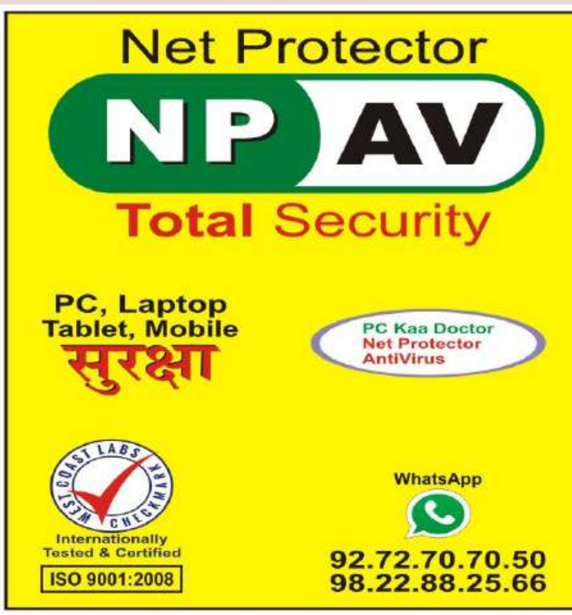

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष - यह मास आपके लिये उत्तम फलदायी रहेगा नौकरी कार्य व्यवसाय में सफलता मिलेगी। नवीन योजना बनायेंगे। कोर्ट आदि के विवादित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। रोगों से छुटकारा मिलेगा, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी, दाम्पत्य जीवन सुखमय व्यतित होगा मनोरंजन शौक, मौज मस्ती पर खर्च करेंगे, लम्बी यात्रा होगी, विवाह सम्बंध तय होगा, विद्यार्थी को सफलता मिलेगी, आकस्मिक धन प्राप्ति के योग रहेंगे, दोस्तों की संख्या बढ़ेगी।

वृषभ - यह मास आपके लिये आर्थिक सम्पन्नता देने वाला होगा, रुके कार्य पूर्ण होंगे, विवाह सम्बंध के योग, प्रेम प्रसंग में सफलता मिलेगी, नवीन नौकरी आय के नये स्तोत्र, कार्य व्यवसाय में वृद्धि होगी, सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, वाहन सुखमें वृद्धि होगी, विद्यार्थी को परिश्रम पर सफलता मिलेगी लम्बी यात्रा होगी मित्रों से सहयोग मिलेगा, विवाह समारोह शुभ मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे, लम्बी यात्रा होगी पुराना रुका हुआ पैसा मिलेगा।

मिथुन - यह माह आपके लिये शुभफलदायी रहेगा, राजकीय अधिकारियों से सम्पर्क बढ़ेंगे, रुके कार्यों में सफलता मिलेगी, मित्रों से सहयोग मिलेगा, रुका धन एवं अचानक धन प्राप्ति के योग रहेंगे, अपने साहस एवं सुझबुझ से सफलता मिलेगी, संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी पिता से विशेष लाभ मिलेगा, भाई एवं परिवारजनों का स्नेह सहयोग मिलेगा, धार्मिक यात्रा के योग धार्मिक एवं विवाह उत्सव में भाग लेंगे, मौज मस्ती में समय व्यतित होगा।

कर्क - यह माह आपको परिवारजनों से मिलने एवं सहयोग प्रदान करने वाला रहेगा, व्यापार कार्य व्यवसाय में उन्नति होगी, कार्य का दबाव रहेगा, किसी बड़े निर्णय को सोचसमझकर लेवे। शत्रु वर्ग से सावधानी बरते नेत्रों से कष्ट की संभावना रहेगी। मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे, धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। खर्च की चिंता बनी रहेगी। मित्रों से सहयोग मिलेगा, विद्यार्थी को सफलता मिलेगी, प्रेम प्रसंग में सफलता मिलेगी, परिणय सम्बंध बनेंगे।

सिंह - यह माह आपकी दृष्टि से उत्तम रहेगा, कार्य व्यवसाय में प्रगति होगी, नौकरी के नवीन साधन प्राप्त होंगे, पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, अकस्मात विरोध का सामना करना पड़ेगा, रुके कार्य पूर्ण होंगे, लम्बी यात्रा के सुअवसर मिलेंगे, स्थायी सम्पत्ति संबंधी प्रकरणों में सफलता मिलेगी, नवीन शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। वाहन सुख, मकान सुख में वृद्धि होगी। किसी बड़े व्यक्ति से भेंट होगी।

कन्या - आर्थिक सम्पन्नता में वृद्धि होगी। पुरानी परेशानी दूर होगी, किसी से विवाद हो सकता है, अतः टालने का प्रयास करें, नई नौकरी, कार्य व्यवसाय में वृद्धि के योग रहेंगे, अपनी बौद्धिक कुशलता से रुके कार्य करने में सफलता मिलेगी, लम्बी एवं मांगलिक यात्रा के योग रहेंगे। मौज मस्ती, भौतिक सुख सुविधाओं पर खर्च करेंगे एवं लुफ्त उठायेंगे। स्थायी सम्पत्ति में वृद्धि के योग रहेंगे, दोस्तों से सहयोग मिलेगा। विवाह सम्बंध तय होने के योग रहेंगे।

तुला - यह माह आपको खुश खबर प्रदान करने वाला होगा, परन्तु अति उत्साह परेशानी में डाल देगा थोड़ी सावधानी जरूरी है। घर परिवार का सहयोग मिलेगा, मित्रों से संबंधों कालाभ मिलेगा, स्थानीय सम्पत्ति में वृद्धि के योग रहेंगे, वाहन सुख, मकान सुख में वृद्धि होगी। लम्बी यात्रा के योग रहेंगे, स्थान परिवर्तन के योग रहेंगे, राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। पढ़ने वालों को सफलता मिलेगी, नवीन रोजगार की प्राप्ति होगी, मांगलिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक - यह माह आपको पर्याप्त सुख समृद्धि को देने वाला होगा, आय के स्त्रोत में वृद्धि होगी। धन का आगमन होगा, रुका पैसा प्राप्त होगा, रुके हुए कार्यों में सफलता मिलेगी, विरोधी परास्त होंगे, फिर भी सावधानी बरतना आवश्यक रहेगा। संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी, मित्रों एवं सगे सम्बंधियों से सहयोग मिलेगा, विवाह संबंध तय होंगे, नौकरी में पद-प्रतिष्ठ में वृद्धि होगी, शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी।

धनु - यह माह कार्य व्यवसाय की दृष्टि से उत्तम रहेगा, रुके कार्य पूर्ण होंगे, कानूनी प्रकरणों में विजयश्री की प्राप्ति होगी, नौकरी में पद-प्रतिष्ठ में वृद्धि होगी, आय के नये स्रोत की प्राप्ति होगी, धार्मिक एवं भौतिक सुख सुविधाओं से युक्त यात्रा होगी मौज मस्ति में समय व्यतीत होगा, विद्यार्थी के लिये उत्तम समय रहेगा, वाहन सुख संतान-सुख प्राप्त होगा, स्थायी सम्पत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी।

मकर - यह माह कामकाज की दृष्टि से व्यस्त रहेगा। पाठ पूजा में रूचि बढ़ेगी मित्र वर्ग से स्नेह एवं सहयोग मिलेगा आर्थिक सम्पन्नता में वृद्धि होगी मानसिक तनाव रहेगा, शुभ कार्यों में सफलता मिलेगी, राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी, रुका पैसा प्राप्त होगा, आर्थिक प्रकरणों में रुकावट के साथ सफलता मिलेगी धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। विवाह संबंध का निर्धारिण होगा।

कुंभ - यह माह आपको अप्रत्याक्षित लाभ प्रदान करने वाला होगा। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी, रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे, शुभ समाचार मिलेंगे, प्रेम प्रसंग में सफलता मिलेगी। विवाह सम्बंध तय होंगे, नवीन कार्य व्यवसाय की रुपरेखा का निर्धारण होगा, लम्बी यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। स्थायी सम्पत्ति में वृद्धि के योग रहेंगे। माता-पिता एवं परिवारजनों के साथ रहने का अवसर मिलेगा।

मीन- यह माह आपको आर्थिक नीति निर्धारण के लिये उपयुक्त रहेगा, नवीन कार्य व्यवसाय प्रारंभ कर सकते है, परिश्रम के पश्चात सफलता मिलेगी पुराने रोगों से मुक्ति मिलेगी, मित्रों से अपेक्षित सहयोग मिलेगी, ऋण के माध्यम से सम्पत्ति का निर्माण होगा, परिवार में मांगलिक कार्य की रुपरेखा तय होगी, लम्बी या होगी, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, दाम्पत्य सुख एवं परिवार के साथ मौज मस्ती का अवसर मिलेगा।

श्रीमती बसंतीदेवी साबू

पटना. समाज की वरिष्ठ श्रीमती बसंतीदेवी साबू धर्मपत्नी स्व. श्री द्वारकाप्रसाद साबू पूर्व संरक्षक माहेश्वरी सभा, पटना का 88 वर्ष की उम्र में गत 25 अक्टूबर को निधन हो गया। आप अपने पीछे 4 पुत्र तथा 4 पुत्रवधू, 4 पौत्र व 5 पौत्री छोड़ गई हैं।

श्रीमती चंद्रकला काबरा

हैदराबाद. समाज की वरिष्ठ सदस्यत श्रीमती चंद्रकला काबरा धर्मपत्नी सत्यनारायण काबरा का गत 28 सितंबर को 78 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र रविशंकर एवं हरिशंकर काबरा व पौत्र-पौत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती गायत्री देवी कोठारी

अमृतसर. माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य कमलकिशोर कोठारी की धर्मपत्नी व कनिष्क कोठारी की माता श्रीमती गायत्रीदेवी कोठारी का गत 20 जुलाई को 65 वर्ष की अवस्था में स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती कलादेवी पलौड़

चंद्रावतीगंज (उज्जैन). समाज की वरिष्ठ सदस्या श्रीमती कलादेवी धर्मपत्नी स्व. श्री मदनलाल पलौड़ का गत 13 नवंबर को देहावसान हो गया। आप श्याम माहेश्वरी की भाभी व राघव माहेश्वरी की माताश्री थीं। आप अपने पीछे पौत्र-पौत्री आदि से भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती देवशक्ति कासट

अमृतसर. माहेश्वरी समाज के सदस्य मृदुल माहेश्वरी की माता व समाज के वरिष्ठ सदस्य विनोद राठी की बहन देवशक्ति कासट का गत दिनों 85 वर्ष की उम्र में स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्री रामअवतार मूंदड़ा

हैदराबाद. प्रसिद्ध समाजसेवी ओमप्रकाश मूंदड़ा के सुपुत्र श्री रामअवतार मूंदड़ा का दुखद निधन 39 वर्ष की आयु में कैंसर से हो गया। आप अपने पीछे पिता, धर्मपत्नी, दो पुत्री, एक पुत्र आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

भागवत कथा

5 से 12 जनवरी 2018 समय – दोपहर 3 से 7 बजे तक
माहेश्वरी भवन, बेगम बाजार, हैदराबाद

कथा के वक्ता –
श्रीमद् जगद्गुरु राधामोहन शरणदेवाचार्य जी महाराज
व्यासपीठ पर विराजमान होकर कथा रसपान करायेंगे।

कथा का प्रसारण सत्संग चैनल पर
दिनांक – 5 से 12 जनवरी तक
मध्यान्ह 3 से 6.30 बजे तक प्रतिदिन होगा

मुख्य यजमान
श्री किशनजी धनराजजी सोनी

निवेदन
अध्यक्ष – श्री नथमल डालिया, मंत्री – श्री वल्लभ तोषनीवाल
कोषाध्यक्ष – श्री घनश्याम गिलड़ा
उपाध्यक्ष – श्री आनंद प्रकाश डालिया, श्री रतनलाल जी अग्रवाल, श्री चम्पालाल जी जाजू
प्रचार मंत्री – श्री ब्रिजगोपाल जी बल्दवा, श्री विनोद बंग, श्री प्रदीप सींघी, सरस्वती बाई राठी, गिरीराज

अन्नक्षेत्र के सभी आजीवन सदस्य

आभार ... आभार ... आभार ...

परम पूज्य अनंत श्रीविभूषित जगद्गुरु रामानुजाचार्य
स्वामी श्री श्रीकांताचार्यजी महाराज के सान्निध्य में सम्पन्न

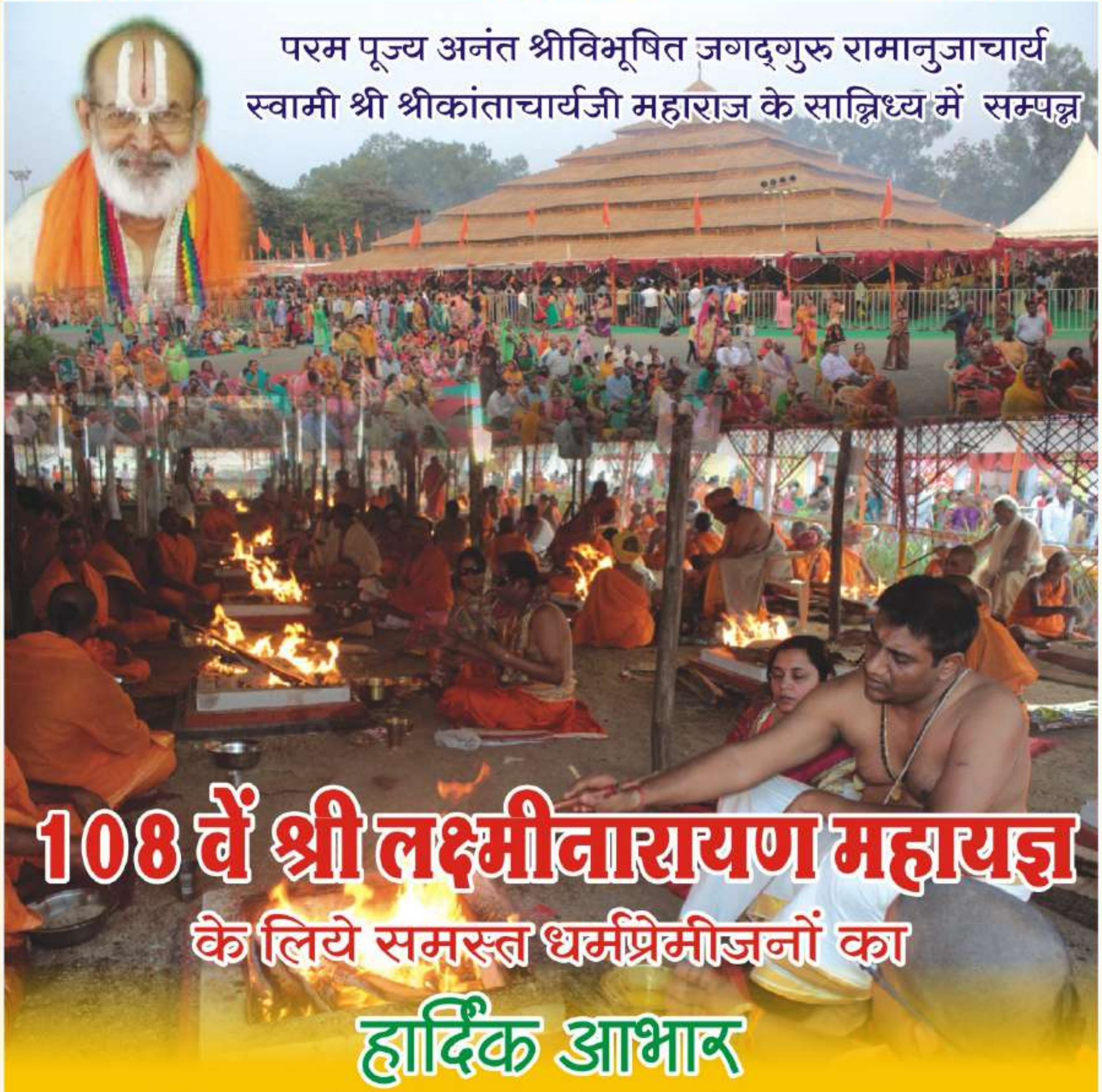

108 वें श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ

के लिये समस्त धर्मप्रेमीजनों का

हार्दिक आभार

सभी का स्नेह व सहयोग ही बना सम्बल

रमेश मेंदोला
अध्यक्ष एवं विधायक

सत्यनारायण राठी
संयोजक (98260-75402)

गोपाल न्याती
महामंत्री (98260-54126)

एवं सम्पूर्ण श्री 108 वां लक्ष्मीनारायण महायज्ञ आयोजन समिति

युवा सपनों को मिले गति, ऑटोमोबाइल एवं बैंकिंग क्षेत्र में मिले उन्नति

युवाओं को कौशल विकास एवं बैंकिंग के क्षेत्र में रोज़गार के अपार अवसर प्रदान करने वाली इस पहल का युवा अधिकतम लाभ उठाएं।

यशोधरा राजे सिंधिया
मा. मंत्री, खेल और युवा कल्याण, मध्यप्रदेश

प्रवेश प्रारंभ

DSYW
IndusInd Bank
ACADEMY FOR BANKING SKILLS
An Initiative by DSYW (Madhya Pradesh) & IndusInd Bank

कोर्स: बैंकिंग स्किल्स

योग्यता: 50% या अधिक अंकों के साथ स्नातक (स्नातक के अंतिम वर्ष की परीक्षा दे रहे अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं) (चयन न्यूनतम योग्यता के आधार पर)

आयु: 20 से 28 वर्ष (कोर्स को प्रारंभ करते समय)

अवधि: 12 दिनों का प्रशिक्षण शिवपुरी में एवं 1 सप्ताह की इंटर्नशिप मध्यप्रदेश की किसी भी ब्रांच में

कोर्स की विशेषता: कोर्स के समापन के पश्चात् प्रत्याशी को भारत में इंडसइंड बैंक की किसी भी शाखा में जनसंपर्क अधिकारी/Relationship Officer का पद दिया जाएगा

DSYW
EICHER

कोर्स: ऑटोमोटिव टेक्निशियन और ड्रायविंग (फोर-व्हीलर)

न्यूनतम योग्यता: 10वीं कक्षा पास/फेल

आयु: 18-26 वर्ष

अवधि: 9 माह (3 माह का आवासीय प्रशिक्षण शिवपुरी अकादमी में एवं 6 माह की इंटर्नशिप पीथमपुर आयशर प्लांट में)

कोर्स की विशेषताएं:

- VE कमर्शियल व्हीकल्स (आयशर) के साथ प्रशिक्षण के दौरान स्टाइपंड
- प्रशिक्षण के सफल समापन के पश्चात् उद्योग प्रमाणित प्रमाण-पत्र
- जरूरतमंद युवाओं को कोर्स हेतु कौशल लोन की सुविधा

आवेदन प्रक्रिया:
आवश्यक दस्तावेज: 20 पासपोर्ट साईज़ फोटो, 05 पासपोर्ट साईज़ फोटो परिवार के साथ, निवास प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड

इच्छुक प्रत्याशी अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें:
पता: श्रीमंत माधवराव सिंधिया खेल परिसर, शिवपुरी
ऑटोमोबाइल स्किल्स अकादमी: +91 77177 64035, 81092 49700
बैंकिंग स्किल्स अकादमी: +91 83588 71984

खेल और युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश

खेल और युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश

D82390

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 December 2017

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com